- नोएडा के थाने में महिला वकील की अवैध हिरासत यौन उत्पीड़न पर सुप्रीम सख्ती - 7

- चीन के साथ व्यापार घाटा इसी साल 106 अरब डॉलर पहुंचने के आसार - 10

- भारत के साथ रक्षा साझेदारी को और मजबूत बनाएगा अमेरिका - 11

- टी-20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा आज - 12

आज का मौसम

19.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.00

सूर्यास्त 05.20

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष अमावस्या 07:13 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

शनिवार, 20 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 321, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

वनडे के बाद टी-20 सीरीज पर कब्जा

हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा के अर्धशतकों के बाद वरुण चक्रवर्ती के चार विकेट की मदद से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को पांचवें और आखिरी टी-20 मैच में शुक्रवार को अहमदाबाद में 30 रनों से हराकर वर्ष 2025 का अंत शृंखला 3-1 से जीतकर किया। पंड्या ने अपना अर्धशतक सिर्फ 16 गेंदों में बनाया, जो भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। वहीं तिलक वर्मा ने 73 रन जोड़े जिसकी मदद से भारत ने पांच विकेट पर 231 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने शुरुआत अच्छी की और क्विंटोन डिकॉक (65) के क्रीज पर रहते टीम जीत की ओर बढ़त रही थी लेकिन आखिरी सात विकेट 81 रन के भीतर गंवाकर आठ विकेट पर 201 रन ही बना सकी। (विस्तृत खेल पेज पर)

कोहरे की चपेट में प्रदेश, 50 जिलों में रेड अलर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 17 जिलों में घने कोहरे का आरेंज अलर्ट, आठ में यलो अलर्ट के बीच मध्यम कोहरा की संभावना

अमृत विचार: प्रदेश में 50 जिलों के लिए घने कोहरे के मद्देनजर खराब मौसम का रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। 17 जिलों में घना कोहरा का आरेंज अलर्ट है, जबकि आठ जिलों में यलो अलर्ट के बीच मध्यम कोहरा होने की संभावना है। इसको लेकर राहत आयुक्त की ओर से कंट्रोल रूम से निरंतर मैसेज कर डीएम, एसएसपी, एसपी और सहित आपदा प्रबंधन से जुड़े अन्य अधिकारियों व आमजन को चेतावनी की सूचना भेजी जा है।

दरअसल, मौसम विभाग ने 40 जिलों में कोल्ड-डे अलर्ट का पूर्वानुमान एवं संभावना जारी की है। प्रदेश में घने कोहरे के साथ कड़ाके की सर्दी का सितम है। फिलहाल मौसम विभाग ने शुक्रवार को तीन दिन का बुलेटिन जारी किया है। जिसमें पहले दिन प्रदेश के 50 जिलों में रेड एलर्ट-अत्यन्त घना कोहरा, 17

जिलों में आरेंज एलर्ट-घना कोहरा और आठ जिलों में यलो अलर्ट-मध्यम कोहरा होने की संभावना जारी की है। इसके बाद राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने अपने कंट्रोल रूम से आमजन को एसएमएस के माध्यम से खराब मौसम की चेतावनी भेजी है। यह लगातार किया जा रहा है। कंट्रोल रूम द्वारा सचेत एप के माध्यम से गुरुवार व शुक्रवार के बीच 12 करोड़ 52 लाख लोगों के मोबाइल पर मैसेज के माध्यम से मौसम का अलर्ट भेजा गया है।

कोई भी अप्रिय घटना न हो : गोयल

मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में मुख्य सचिव एसपी गोयल ने घने कोहरे एवं कड़ाके की ठंड की स्थिति को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में कोहरे के कारण सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं जनसुरक्षा पर विशेष बल दिया गया। मुख्य सचिव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि धुंध अथवा कोहरे के कारण किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न घटित हो, इसके लिए विशेष सतर्कता बरती जाए।

1070 पर करें कॉल, मिलेगी मदद

खराब मौसम के बीच अगर कोई नागरिक आपात स्थिति में 1070 पर कॉल करता है, तो उसे तत्काल सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही कंट्रोल रूम से प्रदेश के सभी जिलों में कंबल वितरण, रैन बसेरों तथा अलाव की स्थिति की निगरानी भी की जा रही है।

ब्रीफ न्यूज

कांग्रेस नेताओं को मोदी-अदाणी के 'डीपफेक' वीडियो हटाने के आदेश

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद स्थित एक अदालत ने कांग्रेस पार्टी और उसके चार नेताओं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उद्योगपति गौतम अदाणी के डीप फेक वीडियो को सोशल मीडिया मंचों से हटाने का निर्देश दिया है। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा दायर मानहानि के दीवानी मुकदमे की सुनवाई करते हुए, अतिरिक्त दीवानी न्यायाधीश श्रीकांत शर्मा की अदालत ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस और उसके नेताओं जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत, पवन खेड़ा और उदयभानु चिब को सभी सोशल मीडिया मंचों से 'डीपफेक' वीडियो हटाने का निर्देश दिया।

दिल्ली में 10 हजार कक्षाओं में लगेंगे एयर प्यूरीफायर

नई दिल्ली। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को घोषणा की कि 10,000 कक्षाओं में हवा को साफ करने के लिए 'एयर प्यूरीफायर' लगाए जाएंगे। सूद ने कहा कि सरकार दीर्घकालिक प्रशासनिक उपायों के माध्यम से प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पिछली आप सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, हम वे नहीं हैं जो आईआईटी की डिग्री दिखाते हैं और 'सम-विषम' या 'गाड़ी ऑन, गाड़ी ऑफ' जैसे अभियानों का प्रचार करते हैं। हम प्रदूषण की समस्या को दीर्घकालिक प्रशासनिक उपायों के माध्यम से हल कर रहे हैं।

कोडीन सिरप तस्करों से सपा मुखिया का सीधा रिश्ता : योगी

अखिलेश पर किया हमला, कहा-धूल चेहरे पर थी, आईना साफ करता रहा

- सीएम बोले- मामले के तार सपा से जुड़े, दूध का दूध-पानी का पानी होगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर करारा हमला किया। आरोप लगाया कि कोडीन सिरप तस्करों से सपा मुखिया का सीधा रिश्ता है। अब तक जिन लोगों की गिरफ्तारी हुई है, उनके तार सपा से जुड़े हुए पाए गए हैं। जांच अभी जारी है और पूरी रिपोर्ट आने के बाद तस्वीर और स्पष्ट हो जाएगी, लेकिन प्रारंभिक तथ्यों ने सपा की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से सवाल पर कहा कि यह कोई नई बात नहीं है। प्रदेश के लगभग हर माफिया के संबंध समाजवादी पार्टी से रहे हैं, यह तथ्य पहले भी सामने आता रहा है। उन्होंने कहा कि एसटीएफ व यूपी पुलिस की कार्रवाई में पकड़े गए अभियुक्तों के राजनीतिक संबंधों की जांच चल रही है। सपा, जो अपनी कार्यप्रणाली के लिए पहले से बदनाम रही है, इस मामले में भी अपनी संलिप्तता उजागर होते हुए देखेगी।

सपा प्रमुख के बयानों पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उनकी स्थिति बिल्कुल वैसी है, जैसा कि इस पंक्ति में कहा गया है कि 'यही कसूर मैं बार-बार करता रहा, धूल चेहरे पर थी, आईना साफ करता रहा। उन्होंने कहा कि जिन माफियाओं के साथ उनकी तस्वीरें सामने आ रही हैं, स्वाभाविक रूप से अवैध लेन-देन और आपराधिक गठजोड़ की परतें भी खुलेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच को अपना काम करने दिया जाए, अंत में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।

वंदे मातरम् पर सदन में होगी विशेष चर्चा

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की स्थापना तिथि और 'वंदे मातरम्' को संविधान के अनुरूप मान्यता देने की अधिसूचना की तिथि एक ही है। ऐसे में राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूरे होने पर विधानसभा में चर्चा ऐतिहासिक और अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। इसके रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा को तैयार है। लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंच होने के नाते विधानमंडल में सकारात्मक और सार्थक विमर्श होना चाहिए। सरकार चाहती थी कि सत्र अधिक दिनों तक चले, लेकिन मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के चलते अवधि सीमित रखी गई है।

योगी ने रखा कोडीन मामले पर सरकार का पक्ष

कोडीन सिरप मामले पर मुख्यमंत्री ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि कोडीन फॉस्फेट एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत आने वाली औषधि है। जिसका उपयोग अधिकृत रूप से कफ सिरप निर्माण में किया जाता है। इसका आवंटन सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा तय कोटे के तहत ही होता है। लेकिन कई स्थानों पर इस कफ सिरप का नशीले पदार्थ के रूप में दुरुपयोग किया जा रहा था। मुख्यमंत्री ने बताया कि शिकायतें मिलने के बाद यूपी पुलिस, एसटीएफ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने संयुक्त रूप से कार्रवाई शुरू की। इस मामले की निगरानी राज्य-स्तरीय एसआईटी कर रही है। कानून से ऊपर कोई नहीं है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

बांग्लादेश में एक नेता की मौत के बाद बवाल, तोड़फोड़-आगजनी

- पिछले वर्ष जुलाई में हुए विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक था शरीफ उस्मान हादी
- हालात को देखते हुए भारत ने सीमा सुरक्षा बढ़ाई

ढाका/नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में पिछले वर्ष जुलाई में हुए विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन और हिंसा की घटनाएं हुईं, जिससे देशभर में तनाव व्याप्त हो गया। प्रदर्शनकारियों ने पहले ही ध्वस्त हो चुके, बांग्लादेश के संस्थापक मुजीबुर्रहमान के आवास 32 धानमंडी पर तोड़फोड़ की।

देश के विभिन्न हिस्सों में गुरुवार को रात को हमलों और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं, जिनमें चटगांव में भारतीय सहायक उच्चायुक्त के आवास पर पत्थरबाजी भी शामिल है। ये घटनाएं मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस द्वारा टेलीविजन पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए इंकलाब मंच के नेता हादी की मौत की पुष्टि करने के बाद हुईं। इससे पहले इंकलाब मंच ने हादी की मृत्यु की घोषणा की थी। उनका शव शाम तक घर लाया जाएगा। हादी 12 फरवरी को होने वाले आम चुनावों में एक उम्मीदवार थे। छह दिन तक जिंदगी-मौत के बीच जंग लड़ने के बाद सिंगापुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पिछले सप्ताह उन्होंने मध्य ढाका के विजयनगर इलाके में अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की थी, तब एक नकाबपोश बंदूकधारी ने उनके सिर में गोली मार दी थी। प्रदर्शनकारियों ने शेख हसीना की भंग हो चुकी पार्टी आवामी लीग के एक कार्यालय को भी ध्वस्त कर दिया। पुलिस ने लाठीचार्ज कर 12 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। बांग्लादेश में बेकाबू हालात को देखते हुए भारत के पांच राज्यों 'पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम' में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया है।

आगजनी के बाद मामले को संभालते सेना के जवान।

हिंदू युवक की हत्या, पेड़ पर टांगकर जलाया शव

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश में ईशनिंदा के आरोप में हिंदू समुदाय के एक व्यक्ति की पीटकर हत्या कर दी गई और उसके शव को पेड़ पर टांगकर आग लगा दी। यह देश में धार्मिक अल्पसंख्यक के खिलाफ हिंसा की नवीनतम घटना है। मृत व्यक्ति की पहचान दीपू चंद्र दास (25) के रूप में हुई, जो मैमनसिंह शहर में एक कारखाने में काम करता था। अंतरिम सरकार ने हिंदू समुदाय के व्यक्ति की पीटकर हत्या किए जाने की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। सरकार ने कहा, इस जघन्य अपराध के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

पारंपरिक चिकित्सा को दिलानी होगी पहचान

प्रदर्शनी में उपस्थित प्रधानमंत्री मोदी, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम व अन्य।

नई दिल्ली, एजेंसी

- डब्ल्यूएचओ के पारंपरिक चिकित्सा पर वैश्विक सम्मेलन में बोले मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा को वह मान्यता नहीं मिलती जिसकी वह हकदार है और अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए उसे विज्ञान के माध्यम से जनता का विश्वास जीतना होगा। डब्ल्यूएचओ के पारंपरिक चिकित्सा पर वैश्विक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि अनुसंधान को मजबूत करने, डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने और विश्वसनीय नियामक ढांचा विकसित करने से पारंपरिक चिकित्सा को और अधिक बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा की बात आती है तो सुरक्षा और प्रमाण से संबंधित प्रश्न हमेशा उठते हैं। इस शिखर सम्मेलन में आप सभी ने अश्वगंधा का उदाहरण देखा है। सदियों से इसका उपयोग हमारी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में होता रहा है। कोविड-19 के दौरान इसकी वैश्विक मांग तेजी से बढ़ी और कई देशों में इसका उपयोग शुरू हुआ।'

भारत ने दिखाया कि परंपरा और विज्ञान एक साथ आगे बढ़ सकते

नई दिल्ली। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा एकीकृत और समावेशी होनी चाहिए। साथ ही भारत ने दिखाया कि परंपरा और विज्ञान एक साथ आगे बढ़ सकते हैं और दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। भारत सरकार के साथ संयुक्त रूप से आयोजित यह सम्मेलन बुधवार को शुरू हुआ था और 100 से अधिक देशों के मंत्री, वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

युवराज, सोनू सूद व अन्य की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह और रॉबिन उथप्पा के साथ ही तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती और अभिनेता सोनू सूद की संपत्तियों को एक अवैध सट्टेबाजी एप से जुड़े धनशोधन मामले में कुर्क कर लिया है, जिनकी अनुमानित कीमत 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अंतरिम आदेश जारी करने के बाद अभिनेत्री नेहा शर्मा, मॉडल एवं अभिनेत्री उर्वशी रौतेला की मां एवं बांग्ला अभिनेता अंकुश हाजरा की संपत्तियों को भी कुर्क किया गया है। उन्होंने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों में सूद की लगभग एक करोड़ रुपये की, चक्रवर्ती की 59 लाख रुपये की, युवराज सिंह की 2.5 करोड़ रुपये की, शर्मा की 1.26 करोड़ रुपये की, उथप्पा की 8.26 लाख रुपये की, हाजरा की 47 लाख रुपये की और रौतेला की मां की 2.02 करोड़ रुपये की संपत्तियां शामिल हैं।

इन सभी लोगों से अतीत में ईडी ने पूछताछ की थी और इन संपत्तियों को कुराकाओ द्वीपीय देश में पंजीकृत कथित अवैध सट्टेबाजी एप की अपराध से प्राप्त आय के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ईडी ने कुछ समय पहले इस जांच के तहत पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन और सुरेश रैना की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी।

पार्षद प्रदीप का निर्वाचन निरस्त, ललित निर्वाचित घोषित

विधि संवाददाता, लखनऊ।

नगरीय निकाय चुनाव में दायर चुनाव याचिका पर अहम फैसला देते हुए अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने वार्ड संख्या-73 फैजुल्लागंज के निर्वाचित हुए प्रदीप कुमार शुक्ला का निर्वाचन शून्य घोषित करते हुए ललित तिवारी को इस वार्ड से निर्वाचित घोषित किया है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश काशी प्रसाद सिंह यादव की अदालत ने यह फैसला याची ललित की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। याची ललित ने निर्वाचित घोषित किए गए प्रदीप के निर्वाचन को शून्य घोषित किए जाने की याचना करते हुए चुनाव याचिका कोर्ट में दायर की थी। कोर्ट द्वारा पारित आदेश में कहा गया है कि विपक्षी प्रदीप भाजपा के प्रत्याशी थे और वादी ललित तिवारी समाजवादी पार्टी से चुनाव लड़े थे। चुनाव में प्रदीप को 4972 मत और वादी ललित को 3298 मत प्राप्त हुए थे। कोर्ट ने कहा है कि प्रदीप को निर्वाचन प्रपत्रों में आवश्यक जानकारी देनी थी, जो उनके द्वारा नहीं दिया गया था। यह कृत्य कदाचार की श्रेणी में आता है, जिसके कारण उनका निर्वाचन निरस्त होने योग्य है। याचिका दायर कर आरोप लगाया गया कि स्थानीय निकाय चुनाव-2023 में विपक्षी प्रदीप कुमार शुक्ला ने अपने नामांकन के साथ दाखिल शपथ पत्र में अपने आश्रित व्यक्तियों की संपत्तियों को छिपाया है। जो उत्तर प्रदेश नगर पालिका नियमावली के नियमों का उल्लंघन है।

गहमागहमी

विधान परिषद का शीतकालीन सत्र शुरू, प्रश्नों से लेकर कार्य स्थगन तक गरमाई कार्यवाही

बेसिक शिक्षा के मुद्दे पर सपा सदस्यों ने सदन से किया वॉकआउट

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

विधान परिषद में बोलते बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह।

अमृत विचार : शीतकालीन सत्र के पहले दिन शुक्रवार को विधान परिषद में नियम-105 के तहत सपा सदस्यों द्वारा प्रदेश में बेसिक शिक्षा के गिरते स्तर का मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया। नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने कहा कि वर्ष 2015-16 के सापेक्ष प्रदेश में करीब 22 हजार प्राथमिक विद्यालय कम हुए हैं, आठ लाख बच्चे स्कूल छोड़ चुके हैं।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के उत्तर से असंतुष्ट सपा सदस्य सदन से उठकर चले गए। सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि यह विषय पूर्व सत्र में सरकार को संदर्भित किया जा चुका है। उक्त सूचना अंतर्गत सपा नेता आशुतोष सिन्हा व डॉ.मान सिंह ने कहा कि शिक्षा का स्तर मिटने की कगार पर आ है। प्रदेश में 1.20 लाख पद बेसिक शिक्षा विभाग में रिक्त हैं, माध्यमिक में सहायक अध्यापक के 70 हजार पद रिक्त हैं। शिक्षा को मिटाने के लिए कंपोजिट शब्द का इस्तेमाल हुआ है। भोजनावकाश के बाद प्रमुख सचिव विधान परिषद् ने उत्तर प्रदेश के सन् 2025 ई. के परिषद कार्य सूची में अंकित क्रम चौथे से लेकर 14वें तक बने अधिनियमों की घोषणा की। इसके पहले सुबह सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में वंदेमातरम् के साथ प्रारंभ हुई।

रिटायर्ड आईपीएस अफसर की तैनाती का मुद्दा उठा

सपा के डॉ.मान सिंह ने राज्य शिक्षा सेवा आयोग के मुखिया पद पर एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की नियुक्ति को लेकर सवाल उठाए। इसी क्रम में सोनभद्र के ओबरा इंटर कॉलेज से संबंधित प्रतिनियुक्ति एवं शिक्षकों के सेवा नियमावली व समान वेतन से जुड़े कार्यस्थगन प्रस्तावों को भी सभापति ने पूर्व में सरकार को संदर्भित किए जाने का हवाला देते हुए अस्वीकार कर दिया। नियम-223 के अंतर्गत शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने विधान परिषद सदस्यों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों के कार्यक्रमों में आमंत्रित न किए जाने को लेकर विशेषाधिकार हनन का मुद्दा उठाया, सभापति ने नेता सदन को अवलोकन के निर्देश दिए। इससे पहले, पूर्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं विधान परिषद के पूर्व सदस्य गोरख प्रसाद निषाद के निधन पर सदन में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

23 मिनट तक चली विधानसभा की कार्यवाही

राज्य ब्यूरो। यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन मऊ घोसी से सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर शोक प्रस्ताव रखा गया। मुख्यमंत्री योगी, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और अन्य नेताओं ने सुधाकर सिंह के निधर पर शोक प्रकट कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा में दो मिनट का मौन रखने के बाद सदन सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। पहले दिन की कार्यवाही 23 मिनट तक चली।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 20 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

25 लाख मीट्रिक टन के पार पहुंची धान खरीद

अमृत विचार, लखनऊ : खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में उप्र. में धान खरीद को लेकर योगी सरकार की पारदर्शी नीतियों का असर साफ दिख रहा है। अब तक 4,09,444 किसानों से 25 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद की जा चुकी है। किसानों को 5,569 .97 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। प्रदेश में धान खरीद के लिए 4,743 ऑनलाइन क्रय केंद्र संचालित किए जा रहे हैं। 19 दिसंबर तक 8,82,988 किसानों का पंजीकरण हुआ, जिसमें से 6,68,698 का सत्यापन पूरा किया जा चुका है। बाजरे की खरीद में भी बड़ा उछाल दर्ज किया गया है। चालू वर्ष में 1,72,109 .30 मीट्रिक टन बाजरा खरीदा गया, जो पिछले वर्ष से दोगुना है। वहीं ज्वार की खरीद 26,448 .60 मीट्रिक टन रही, जिसमें 7,814 किसानों ने फसल बेची और 91 .49 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

आयुष्मान भारत योजना ने पकड़ी रफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तेजी से आम नागरिकों तक पहुंच रही है। लक्ष्य है कि कोई भी पात्र गरीब परिवार स्वास्थ्य सुरक्षा से वंचित न रहे। प्रदेश में 9 करोड़ लक्षित लाभार्थियों में से अब तक 5,42,13,534 आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। अब तक 74 .4 लाख से अधिक लाभार्थियों के इलाज के मामलों में 12,283 करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम सेटल किए जा चुके हैं। इससे लाखों गरीब परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक राहत मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से अधिकारियों को सख्त निर्देश हैं कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।

स्नातक मतदाताओं को जोड़ेंगे डॉ.वीरेंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल द्वारा जौनपुर सदर में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता बनाने और एसआईआर कार्य के लिए डॉ. वीरेन्द्र कुमार यादव को नामित किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा निर्देश मिलते ही लाडलेपुर, करंजाकलां, जौनपुर निवासी डॉ .वीरेन्द्र ने कहा कि पार्टी द्वारा दी गयी जिम्मेदारी ईमानदारी के साथ निर्वाहन करते हुए विश्वास को मजबूत बनाऊंगा।

एसआईआर को गंभीरता से पूरा करें : मायावती

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा प्रमुख मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण

(एसआईआर) कार्य को पूरी गंभीरता और तत्परता से पूरा कराने का निर्देश दिया है। पार्टी की ऑल इंडिया बैठक में उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटि रहित बनाना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। इसके लिए जरूरत पड़ने पर कुछ दिनों के लिए संगठनात्मक गतिविधियों को स्थगित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को संपन्न बैठक में पिछली ऑल इंडिया बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों की समीक्षा करते हुए संगठन को मजबूत करने, तैयारियों को तेज करने तथा प्रत्येक वर्ष महापुरुषों के सम्मान में होने वाले कार्यक्रमों की प्रगति पर चर्चा की .उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट की शुद्धता के साथ-साथ देश की चुनावी व्यवस्था को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना भी उतना ही जरूरी है। धनबल, बाहुबल और सरकारी तंत्र के दुरुपयोग को लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताया।

प्रदेश सरकार के सामने 'पैसा है, काम नहीं' की चुनौती

रिकॉर्ड बजट के आठ महीने बाद भी आधे से कम खर्च, मुख्यमंत्री ने जताई नाराजगी

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- पुराना पैसा अटका, नया अनुपूरक बजट प्रस्तावित, विधानसभा में उठेंगे तीखे सवाल

अमृत विचार : प्रदेश सरकार के सामने इन दिनों 'पैसा है, काम नहीं' की गंभीर चुनौती खड़ी हो गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 8.40 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड बजट पेश करने के आठ महीने बाद भी सरकार आधे से कम धनराशि खर्च कर पाई है। इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भले ही सख्त रुख अपना चुके हों, लेकिन विभागीय सुस्ती टूटती नजर नहीं आ रही। ऐसे में विधानसभा सत्र में उस वक्त तीखे सवाल उठना तय हैं, जब पुराना पैसा खर्च नहीं हो पा रहा और सरकार नया अनुपूरक बजट लाने की तैयारी में है।

पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सड़कों, जल जीवन मिशन, आवास, महिला कल्याण और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में बड़े-बड़े ऐलान किए। दावा था कि विकास की रफ्तार तेज होगी। मगर 1 अप्रैल से 30 नवंबर 2025 तक के आंकड़े इन दावों को कमजोर करते हैं। योजनाओं के लिए तय करीब 3.88 लाख करोड़ रुपये में से सिर्फ 1.28 लाख करोड़ रुपये ही खर्च हो सके हैं। यानी वित्तीय वर्ष के दो-तिहाई समय के बाद भी खर्च एक-तिहाई के आसपास सिमटा है।

बजट और खर्च की तस्वीर (1 अप्रैल–30 नवंबर 2025)

- कुल बजट (2025-26) : 8.40 लाख करोड़ रुपये
- योजनाओं के लिए आवंटन : 3.88 लाख करोड़ रुपये
- अब तक खर्च : 1.28 लाख करोड़ (लगभग 33 प्रतिशत)
- औसत विभागीय खर्च : 49 प्रतिशत
- महिला कल्याण : 64 प्रतिशत
- ऊर्जा : 60 प्रतिशत
- लोक निर्माण : 40 प्रतिशत
- कृषि : 41 प्रतिशत
- बाल विकास : 44 प्रतिशत
- ग्रामीण/शहरी विकास व नमामि गंगे : 15–23 प्रतिशत

इसी सुस्ती को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में वित्तीय स्वीकृतियों और विभागीय खर्च की समीक्षा बैठक बुलाई। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि योजनाएं फाइलों में नहीं, जमीन पर दिखनी चाहिए। अधिकारियों को चेतावनी दी गई कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले फंड का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। सरकार की चिंता यह भी है कि देरी से न सिर्फ परियोजनाओं की लागत बढ़ेगी, बल्कि केंद्र से मिलने वाली सहायता पर भी असर पड़ेगा।

सरकार का पक्ष है कि बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में शुरुआती महीनों में खर्च की रफ्तार धीमी रहती है और साल के अंतिम महीनों में तेजी आती है। फिर भी मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक को स्पष्ट संदेश माना जा रहा है कि हीला-हवाली बर्दाश्त नहीं होगी और जरूरत पड़ी तो जिम्मेदारी तय की जाएगी। विशेषज्ञों के मुताबिक खर्च की धीमी रफ्तार का असर केंद्र से मिलने वाली सहायता पर भी पड़ता है। प्रगति रिपोर्ट कमजोर रहने से अगली किस्त अटक जाती है, जिससे योजनाएं और ज्यादा लटकती हैं।

ऊर्जा व महिला कल्याण आगे, बाकी विभाग पिछड़े

विभागवार स्थिति में असंतुलन साफ दिखता है। ऊर्जा विभाग ने 60 फीसदी और महिला कल्याण विभाग ने 64 फीसदी बजट खर्च कर अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया है। इसके उलट लोक निर्माण विभाग 40 फीसदी, कृषि 41 फीसदी और बाल विकास विभाग 44 फीसदी पर अटका है। सबसे खराब स्थिति ग्रामीण विकास, शहरी विकास, औद्योगिक विकास और नमामि गंगे जैसे अहम विभागों की है, जहां खर्च 15 से 23 फीसदी के बीच सिमटा है। यही वे विभाग हैं, जिनकी योजनाएं सीधे आम जनता की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी हैं।

अनुपूरक बजट पर सवाल

22 दिसंबर को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सरकार 2025-26 का अनुपूरक बजट पेश करेगी। विभागों ने अतिरिक्त धन की मांग भेजनी शुरू कर दी है। यही विरोधाभास विपक्ष के हमले का आधार बन रहा है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का आरोप है कि बजट कागजों में बड़ा है, जमीन पर उसका असर नहीं दिख रहा। आने वाले महीनों में असली परीक्षा यही होगी कि सरकार खर्च की रफ्तार बढ़ा पाती है या नहीं। क्योंकि अगर पैसा समय पर और सही जगह खर्च नहीं हुआ, तो बढ़ता बजट आकार भी सिर्फ आंकड़ों तक सीमित रह जाएगा।

एसआईआर में ढिलाई नहीं, हर स्तर पर जवाबदेही तय : योगी

गोरखपुर में मुख्यमंत्री ने की समीक्षा बैठक, कार्यकर्ताओं को सौंपी गई निगरानी की जिम्मेदारी

गोरखपुर में एसआईआर को लेकर आयोजित समीक्षा बैठक में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर प्रशासन और संगठन दोनों को सख्त संदेश दिया है। गोरखपुर में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। एसआईआर में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी और हर स्तर पर जवाबदेही तय की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती की बुनियाद निष्पक्ष और शुद्ध मतदाता सूची है, इसलिए इस अभियान को पूरी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ अंजाम दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं की बैठक में फीडबैक लिए और अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान एक भी अपात्र नाम मतदाता सूची में न रहने पाए और किसी भी पात्र नागरिक का नाम छूटने न पाए। उन्होंने कहा कि एसआईआर केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की शुचिता से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें लापरवाही सीधे जनविश्वास को प्रभावित करती है।

बैठक में मुख्यमंत्री को बताया गया कि एसआईआर को लेकर मंडल स्तर तक समीक्षा बैठकें पूरी कर ली गई हैं और जिलों में कार्य तेजी से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडल और जिला स्तर पर समन्वय बनाकर कार्य किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियात्मक अड़चन न आए। अभियान में राजनीतिक और सामाजिक भागीदारी को भी अहम बताते हुए मुख्यमंत्री ने संगठन के कार्यकर्ताओं को निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ता मतदाता सूची के सत्यापन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

जनता जानती है माफिया पालने वाले कौन

अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखपुर में पूर्ववर्ती सपा सरकार और उसके मुखिया पर बिना नाम लिए जोरदार प्रहार किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की पहचान पर बदनुमा दाग लगाने वाले माफिया को पालने वाले कौन लोग हैं, यह जनता भली-भांति जानती है। आज जो लोग आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं, उनके माफिया के साथ फोटो टीवी चैनलों पर दिखाई दे रहे हैं। वे माफिया से तोहफे लेते नजर आ रहे हैं। यही वे लोग हैं, जिन्होंने प्रदेश में हर जिले में माफिया पालकर 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' की पहचान बना दी थी। मुख्यमंत्री 137 .83 करोड़ रुपये की लागत से बने गोरखनाथ ओवरब्रिज के लोकार्पण के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों की नीयत खराब थी। विकास के लिए आए पैसे का बंदरबांट किया गया और परिवार का खजाना भरने के चक्कर में प्रदेश का खजाना खाली कर दिया गया।

नववर्ष की भीड़ को खिचड़ी मेले का रिहर्सल मानें

अमृत विचार, गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में मकर संक्रांति पर लगने वाले विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेला, गोरखपुर महोत्सव और जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। गोरखनाथ मंदिर परिसर में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि नववर्ष के पहले दिन उमड़ने वाली भीड़ को खिचड़ी मेला प्रबंधन का रिहर्सल माना जाए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए।

विप सदस्यों को आमंत्रित न करने का मुद्दा उठाया

अमृत विचार, लखनऊ : विशेषाधिकार हनन और भ्रष्टाचार की सूचनाएं नियम-223 के अंतर्गत शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने विधान परिषद सदस्यों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों के कार्यक्रमों में आमंत्रित न किए जाने को लेकर विशेषाधिकार हनन का मुद्दा उठाया, सभापति ने नेता सदन को अवलोकन के निर्देश दिए। इसके अलावा शिक्षक नेता ने नियम 115 के तहत प्राच्य भाषा एवं संस्कृत माध्यमिक विद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षकों के स्थानान्तरण की सुविधा होने का मामला उठाया, शिक्षकों के एकल स्थानान्तरण की व्यवस्था न होने का मुद्दा उठाया। सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने सूचना सरकार को संदर्भित कर दिया। नियम 110 अंतर्गत ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने महराजगंज में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के भ्रष्टाचार का मामला उठाया, उक्त समेत 110 की सभी छह सूचनाएं सरकार को संदर्भित कर दी गयी हैं। प्रश्नकाल में उप्र. काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रोजेक्ट्स को लेकर सवाल पूछे, उत्तर से असंतुष्ट होने पर सभापति ने मामले को प्रश्न एवं संदर्भ समिति को भेजने के निर्देश दिए।

कोडिन युक्त सिरप मामले में बड़ी कानूनी सफलता

अमृत विचार, लखनऊ : कोडिनयुक्त कफ सिरप के अवैध डायवर्जन से जुड़े मामलों में योगी सरकार को बड़ी कानूनी सफलता मिली है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 22 मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा चलाए जाने को पूरी तरह सही ठहराया है और आरोपियों की सभी रिट याचिकाएं खारिज कर दी हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक (अरेस्ट स्टे) की मांग भी नामंजूर कर दी।

इन मामलों में शुभम जायसवाल, भोला प्रसाद और आसिफ मोहम्मद सहित कई आरोपी शामिल हैं। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि यदि कोडिनयुक्त सिरप का भंडारण और उपयोग वैध लाइसेंस और मानकों के बाहर किया गया है तो वह एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध है। अपर महाधिवक्ता अनूप त्रिवेदी ने चार दिनों तक बहस की। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाईकोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए सरकार का पक्ष मजबूती से रखा। एफएसडीए, पुलिस और एसटीएफ द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों को कोर्ट ने अहम माना। यह फैसला योगी सरकार की सख्त ड्रग नीति और नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस अभियान की बड़ी जीत माना जा रहा है।

चार जिलों में 13 परियोजनाएं स्वीकृत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

रेरा मुख्यालय पर प्राधिकरण की बैठक में मौजूद अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी।

- लखनऊ, नोएडा, मथुरा के साथ मऊ में 4424 करोड़ से बनेंगी 19,379 आवासीय व व्यावसायिक इकाइयां

अमृत विचार : रेरा ने रियल एस्टेट को बढ़ावा देने के लिए लखनऊ, नोएडा, मथुरा और मऊ में 13 परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। इन जिलों में संबंधित बिल्डरों द्वारा 4424 करोड़ के निवेश से 19,379 आवासीय एवं व्यावसायिक यूनिट विकसित की जाएंगी। इसमें आवासीय प्लॉट, फ्लैट के साथ व्यावसायिक श्रेणी में स्टूडियो और शॉप खरीदने का लोगों को मौका मिलेगा।

शुक्रवार को न्यू हैदराबाद स्थित रेरा मुख्यालय पर अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी की अध्यक्षता में प्राधिकरण की 191वीं बैठक हुई। इस दौरान नोएडा में चार परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें दो व्यावसायिक और दो आवासीय परियोजनाओं में कुल 17,051 यूनिट विकसित की जाएंगी। इसी तरह लखनऊ में स्वीकृत चार आवासीय परियोजनाओं में 241 आवासीय यूनिटों का निर्माण किया जाएगा। मथुरा में चार आवासीय परियोजनाओं में 2,035 यूनिट विकसित की जाएंगी। इससे मथुरा क्षेत्र में आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा। वहीं, मऊ में एक व्यावसायिक परियोजना को मंजूरी मिली है। इसमें 52 दुकानें बनाकर बेची जाएंगी।

भर्ती परीक्षा में धांधली का आरोपी गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन की टीम ने 2018 में आयोजित वीडीओ, समाज कल्याण पर्यवेक्षक व ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती परीक्षा में धांधली के आरोपी को गिरफ्तार किया है। वह चार वर्ष से फरार चल रहा था। आरोपी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

ईओडब्ल्यू अधिकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी अंबेडकरनगर के इब्राहिमपुर बलरामपुर का रहने वाला अंकुर वर्मा है। उसे ईओडब्ल्यू की टीम ने केदारनगर से गुरुवार को गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू अधिकारी के मुताबिक, उप्र. अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा वीडीओ (ग्राम विकास अधिकारी), समाज कल्याण पर्यवेक्षक एवं ग्राम पंचायत अधिकारी के कुल 1953 पदों पर परीक्षा का आयोजन 2018 में किया गया था। परीक्षा कराने की जिम्मेदारी टीसीएस लि. को सौंपी गई थी। साक्ष्य व दस्तावेजों के आधार पर कुल 173 आरोपियों को दोषी पाया गया। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में अब तक कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

पीएम के कार्यक्रम में बीएलओ की ड्यूटी लगाने का विरोध

अमृत विचार, लखनऊ : सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की है कि बस्ती में अनुपस्थित, शिफ्टेड, डुप्लीकेट, मृतक (एएसडी) सूची सत्यापन के बाद सही पाए गए मतदाताओं को छोड़कर शेष एएसडी मतदाताओं की सूची पुनः बीएलओ व बीएलए को उपलब्ध करा दी जाए। साथ ही लखनऊ में प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के चलते कई बीएलओ को 17 दिसंबर से कार्यक्रम की तैयारी में लगाए जाने पर भी आपत्ति जताई गई है। सपा ने एसआईआर की प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग को शुक्रवार को ज्ञापन सौंपा है।

एमएसएमई के लिए एमआईसीई प्रोत्साहन योजना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी सरकार की बड़ी पहल अधिकतम छह लाख रुपये तक की मिलेगी सहायता
- नई नीति 2025-2030 के तहत 'ब्रांड यूपी' को मिलेगी अंतरराष्ट्रीय पहचान

अमृत विचार: राज्य सरकार ने प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025–2030 के अंतर्गत पहली बार एमआईसीई (बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन एवं प्रदर्शनी) प्रोत्साहन योजना लागू की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश के उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना, निर्यात को गति देना, निवेश आकर्षित करना और 'ब्रांड यूपी' को वैश्विक पहचान दिलाना है।

यह पहल विशेष रूप से उन एमएसएमई इकाइयों के लिए लाभकारी होगी, जो अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से अपने उत्पादों और सेवाओं को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना चाहती हैं। इस योजना के तहत आयोजित होने वाले एमआईसीई कार्यक्रमों पर वित्तीय सहायता दी जाएगी। प्रति प्रतिभागी 7,000 रुपये की सहायता या फिर एक कार्यक्रम के लिए अधिकतम 6 लाख रुपये तक की अनुदान राशि निर्धारित की गई है। एक एमआईसीई संचालक को एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम दो कार्यक्रमों के लिए ही इस योजना का लाभ मिलेगा।

आवेदन की प्रक्रिया : कार्यक्रम के आयोजन से कम से कम 60 दिन पहले निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो, उत्तर प्रदेश के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद 60 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट और आवश्यक दस्तावेज संबंधित कार्यालय में जमा करने होंगे। सभी आवेदनों की जांच के लिए निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो के अंतर्गत एक स्क्रीनिंग समिति गठित की गई है।

भुगतान और निगरानी व्यवस्था : योजना के अंतर्गत दावों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर स्वीकृति दी जाएगी। स्वीकृत धनराशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

कौन ले सकता है योजना का लाभ : योजना का लाभ वही एमआईसीई आयोजन ले सकेंगे, जिन्हें पर्यटन मंत्रालय से मान्यता प्राप्त हो। इसके लिए उत्तर प्रदेश में पंजीकृत एमएसएमई श्रेणी के एमआईसीई संचालक या कार्यक्रम प्रबंधन से जुड़ी इकाइयों का पंजीकरण संबंधित विभागों और परिषदों में होना अनिवार्य है। सरकार का लक्ष्य है कि इस योजना के माध्यम से प्रदेश में निवेश का माहौल मजबूत हो और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था को नई गति मिले।

इनविंसिबल भारत 5 .0 | 25 जिलों में चलेगा अभियान, आत्मनिर्भर युवाओं के निर्माण पर रहेगा फोकस

लखनऊ से शुरू होगी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी यात्रा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- युवाओं के लिए वित्त, प्रशिक्षण और बाजार से जुड़ाव मजबूत करने के लिए हुए एमओयू

अमृत विचार: युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 'इनविंसिबल भारत 5.0- उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री युवा उद्यमी यात्रा' की शुरुआत 24 जनवरी से लखनऊ से होगी। इस महत्वाकांक्षी अभियान का कर्टेन रेजर कार्यक्रम शुक्रवार को राजधानी में आयोजित किया गया, जिसके साथ ही राज्यव्यापी यात्रा की औपचारिक घोषणा हुई। इस दौरान युवाओं के लिए वित्त, प्रशिक्षण और बाजार से जुड़ाव मजबूत करने के लिए कई अहम एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

यह यात्रा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत संचालित की जा रही है। इसका मकसद प्रशिक्षित लेकिन बेरोजगार युवाओं को उद्यमिता के अवसर देकर प्रदेश में सतत आर्थिक विकास और रोजगार के नए द्वार खोलना है। यात्रा के माध्यम से प्रदेश के 25 जिलों के संस्थागत केंद्रों को कवर किया जाएगा, जिससे युवाओं, सरकारी योजनाओं, वित्तीय संस्थानों और बाजार के बीच सीधा और प्रभावी संवाद स्थापित हो सके। कर्टेन रेजर कार्यक्रम में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत, बैंकिंग सेक्टर, कौशल विकास संस्थानों और स्टार्टअप इकोसिस्टम से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद रहे। यह पहल केवल जागरूकता अभियान नहीं, बल्कि युवाओं को वास्तविक अवसर उपलब्ध कराने वाला एक एक्शन-ओरिएंटेड प्लेटफॉर्म है।

यात्रा के दौरान युवाओं को एक ही स्थान पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी (सीएम युवा) पोर्टल पर रियल-टाइम आवेदन करने और बैंकों व गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के माध्यम से सीधे ऋण संपर्क जैसी सुविधाएं मिलेंगी। जिला उद्योग केंद्र, वित्तीय संस्थान और फ्रेंचाइज़ी पार्टनर हर जिले में युवाओं से सीधे संवाद करेंगे। करीब 2,500 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली यह यात्रा प्रत्येक जिले में दो-दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करेगी। इन कार्यक्रमों में कौशल मेला, मल्टी-सेक्टर स्किल एवं करियर पवेलियन, ऑन-द-स्पॉट स्किल रजिस्ट्रेशन, उद्यमिता काउंसलिंग और विशेष बैंकिंग डेस्क लगाए जाएंगे। इस अभियान के जरिए एक करोड़ से अधिक युवाओं तक पहुंच, 25 जिलों में एक करोड़ से ज्यादा डिजिटल इम्प्रेशन, एक लाख से अधिक स्किल रजिस्ट्रेशन और 25 हजार युवाओं को उद्यमिता प्रशिक्षण व मेंटरिंग देने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके साथ ही 50 से अधिक फ्रेंचाइजी और बिजनेस मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर उद्यमिता और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

इस अवसर पर एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा युवाओं को नौकरी तलाशने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनाना है। उद्योग विभाग के आयुक्त के. विजयेंद्र पांडियन ने इसे जिला स्तर पर उद्यमिता को मजबूती देने वाला अभियान बताया।

घने कोहरे व ठंड को लेकर अलर्ट मोड पर रहे पुलिस और प्रशासन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव एसपी गोयल ने एक अहम बैठक में दिए निर्देश

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने राज्य में घने कोहरे और सनसनाती सर्दी के मद्देनजर पुलिस व प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने की हिदायत दी है। शुक्रवार को एक अहम बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सड़क प्रकाश व्यवस्था, रिफ्लेक्टर, पेट्रोलिंग और आपातकालीन सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डार्क स्पॉट्स को चिन्हित कर वहां तत्काल बेहतर इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने एनएचएआई और स्टेट हाईवे अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। वाहन चालकों को कोहरे के दौरान सावधानियां बरतने के संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। प्रशासन द्वारा जारी ट्रैवल गाइडलाइन का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए तथा जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

मुख्य सचिव ने आगे कहा कि टोल प्लाजा पर लाउडस्पीकर के माध्यम से यात्रियों को निरंतर जागरूक किया जाए। इसके बावजूद नियमों का उल्लंघन करने तथा ओवरस्पीडिंग करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। एक्सप्रेस-वे पर पेट्रोलिंग को बढ़ाया जाए, ब्लैक स्पॉट्स पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए, टीमें तैनात की जाएं तथा क्रेन एवं एम्बुलेंस को हर पल उपलब्ध रखा जाए।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि धुंध एवं कोहरे के दौरान सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा 'ट्रैवल गाइडलाइन' जारी की गई है।

न्यूज ब्रीफ

भाकपा माले ने संकल्प पाठ दोहराया

अमृत विचार, लखनऊ : भाकपा (माले) पूर्व महासचिव विनोद मिश्र की बरसी के अवसर पर चल रहे संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को ब्रांच स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत झंडा रोहण से हुई। इसके बाद पार्टी केंद्रीय कमेटी द्वारा जारी संकल्प पत्र का पाठ किया गया। भाकपा (माले) के जिला प्रभारी रमेश सिंह सेंगर ने देश में बराबरी, सामाजिक न्याय और लोकतंत्र पर आधारित भारत के सपने को साकार करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में राहुल कुमार (सचिव), पप्पू रावत, हीरालाल, राम देवी, रजना, सियाराम, अंग्नु, लाल बहादुर, स्वाति, आराधना, रागिनी, दीपांशी और अनीता उपस्थित रहे।

एक कार्यदिवस के बदले मिलेगा एक प्रतिकर

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना से लुआक्टा अध्यक्ष डॉ. मनोज पाण्डेय ने शीतावकाश में 1 कार्यदिवस के बदले 1 प्रतिकर अवकाश दिये जाने की मांग की। कुलपति को प्रेषित पत्र और पूर्व सहमति के आधार पर आदेश जारी किये जाने के संबंध में कुलपति से लुआक्टा अध्यक्ष ने वार्ता किया जिसके बाद कुलपति ने प्रतिकर अवकाश दिये जाने की स्वीकृति प्रदान कर दी गई।

पीएम के आगमन को लेकर अलर्ट, 5 घंटे मॉक ड्रिल

कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में विशिष्ट अतिथियों के आने की संभावना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : 25 दिसंबर को हरदोई रोड स्थित राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर नगर निगम पूरी तरह से अलर्ट हो गया है। लोकार्पण कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में विशिष्ट अतिथियों के आने की संभावना है। इस क्रम में शुक्रवार को नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मिनी बस में सभी अधिकारियों के साथ चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लेकर प्रेरणा स्थल तक के सभी प्रमुख मार्गों पर तैयारी देखीं।

प्रधानमंत्री के आगमन की तैयारी को लेकर शहर का निरीक्षण करते नगर आयुक्त गौरव कुमार। अमृत विचार

नगर आयुक्त न केवल रूट विजिट किया, बल्कि करीब पांच घंटे तक टीम के साथ मॉक ड्रिल भी की। शाम 3 बजे से शुरू हुआ मॉक ड्रिल रात आठ बजे तक लगातार चला। मॉक ड्रिल के दौरान नगर आयुक्त विभिन्न जोनों में अलग-अलग चिन्हित पॉइंट्स पर रुके और मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। सड़कों की स्थिति, गड्ढों की मरम्मत, फुटपाथों की दुरुस्ती, डिवाइडरों की साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइटों की कार्यशीलता, नालियों की सफाई, कूड़ा उठान, हरियाली, सौंदर्यीकरण और यातायात प्रबंधन से जुड़े सभी बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की गई। सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने स्तर से नियमित निरीक्षण करें और मरम्मत, सफाई, सजावट एवं सौंदर्यीकरण से जुड़े सभी कार्य समय से पहले पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि छोटी से छोटी कमी को भी गंभीरता से लेते हुए तत्काल दुरुस्त किया जाए और कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए।

मॉक ड्रिल के दौरान अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, पंकज श्रीवास्तव, नम्रता सिंह, अरुण कुमार गुप्त, डॉ. अरविंद कुमार राव, मुख्य अभियंतामहेश वर्मा, जीएम जलकल कुलदीप सिंह, उद्यान अधीक्षक सहित सभी संबंधित जोनल अधिकारी, नगर अभियंता एवं जोनल सेनेटरी अधिकारी मौजूद रहे।

प्रेरणा स्थल पर भटके तो सूचना प्रपत्र करेगा मदद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लोकार्पण में आने वाले लोगों को बसों में दिए जाएंगे प्रपत्र
- चेक लिस्ट का विवरण पूरा होने पर ही रवाना होंगी बसें

अमृत विचार : 25 दिसंबर को राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण में लखनऊ, बाराबंकी, लखीमपुर, हरदोई व सीतापुर से प्रतिभाग करने वाले हर एक व्यक्ति को 'सूचना प्रपत्र' दिए जाएंगे। यह प्रपत्र किसी कारण लाखों की भीड़ में इधर-उधर हुए लोगों को उनकी बस या फिर कार्यक्रम स्थल तक आसानी से पहुंचाएंगे। इसके अलावा बसों में तैनात प्रभारी आने और जाने पर चेक लिस्ट भरेंगे। इसमें सभी प्रतिभागी के बसों में बैठने, खानपान व किसी तरह की समस्या न होने पर ही रवाना की जाएंगी।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रेरणा स्थल का लोकार्पण करेंगे। इस भव्य कार्यक्रम में लखनऊ, बाराबंकी, लखीमपुर, हरदोई व सीतापुर से करीब डेढ़ लाख लोग उपस्थित होंगे। लोगों को लाने व छोड़ने के लिए 2240 रोडवेज लगाई हैं। जनपदों से रवाना होने से पहले बसों में हर एक व्यक्ति को सूचना प्रपत्र'' दिए जाएंगे। प्रपत्र में बस नंबर, अस्थाई क्रमांक, कलर कोडिंग, स्टीकर, ब्लॉक, पार्किंग, प्रवेश गेट का नंबर, नोडल का नाम, मोबाइल नंबर समेत कंट्रोल रूम के नंबर लिखे रहेंगे। इससे किसी तरह की समस्या होने पर मदद मिलेगी और छूटने पर अपनी बस या फिर कार्यक्रम स्थल तक आसानी से पहुंच जाएंगे। हर एक बस की नोडल अधिकारी और सुपरवाइजर कॉल से मॉनीटरिंग करेंगे। साथ ही व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर फोटो व मैसेज करके रिपोर्ट करेंगे।

इस क्रम से चलेंगी जनपदवार बसें

- हरदोई बसों का क्रम 1-430
- सीतापुर बसों का क्रम 431-860
- लखीमपुर बसों का क्रम 861-1290
- बाराबंकी बसों का क्रम 1291-1720
- लखनऊ बसों का क्रम 1721

लखनऊ के लोगों का गेट तीन से प्रवेश

- प्रेरणा स्थल पर रोडवेज बसें जनपद वार पार्किंग स्थल पी-3, पी-4, पी-5 व पी-6 में खड़ी की जाएंगी। इसी तरह जिले वार लोगों के बैठने के लिए स्थल पर ब्लॉक आवंटित किए गए हैं। लखनऊ और हरदोई के लोगों को मुख्य गेट नंबर 3 से प्रवेश दिया जाएगा। जबकि सीतापुर गेट नंबर 4, लखीमपुर और बाराबंकी के लोगों को गेट नंबर 5 व 6 से प्रेरणा स्थल के अंदर प्रवेश मिलेगा।

जिला प्रशासन, पुलिस, एलडीए, परिवहन और नगर निगम ने विशेष प्लान तैयार किया है। साथ ही प्रेरणा स्थल पर म्यूजियम, मंच, सजावट, लाइटिंग, वाल पेंटिंग, लाइटिंग, सड़कों की मरम्मत का काम जोरों पर है। खासकर एलडीए अधिकारी और कर्मचारी डेरा डालकर दिनरात तैयारियों में लगे हैं।

किडनी का नया दुश्मन सीकेएम, भारत और अमेरिका मिलकर तय करेंगे इलाज की रणनीति

संवाददाता, पीजीआई

अमृत विचार : संजय गांधी पीजीआई संस्थान में आयोजित इंडियन सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के अधिवेशन में क्रॉनिक किडनी मेटाबोलिक (सीकेएम) पर गंभीर चिंता जताई गई। विशेषज्ञों ने इसे भारत के लिए आने वाले वर्षों में बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बताया। नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रो. नारायण प्रसाद ने कहा कि सीकेएम कोई एक बीमारी नहीं है, बल्कि डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, मोटापा और लिपिड बढ़ने जैसी समस्याओं का संयुक्त रूप है। यह किडनी और हृदय रोग का खतरा कई गुना बढ़ा देता है। भारत में करीब 12-15 फीसदी आबादी सीकेएम से प्रभावित है और यह आंकड़ा बढ़ता जा रहा है।

संयुक्त शोध और रोकथाम: प्रो. प्रसाद ने बताया कि अमेरिका की नेफ्रोलॉजी सोसाइटी के भारतीय मूल वैज्ञानिकों के साथ मिलकर सीकेएम की रोकथाम, सपोर्टिव मैनेजमेंट और नई थेरेपी पर संयुक्त शोध किया जाएगा। डब्ल्यूएचओ द्वारा किडनी डिजीज को नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज में शामिल किए जाने से रोकथाम और टार्गेटेड इलाज की राह खुलेगी।

आईसीयू मरीजों में संक्रमण की पहचान में कारगर एनजीएस जांच

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : आईसीयू में वेंटिलेटर पर भर्ती मरीजों में संक्रमण तेजी से फैलता है, लेकिन कई बार कल्चर जांच नेगेटिव आ जाती है। ऐसे मामलों में नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस) जांच संक्रमण के सही कारण का पता लगाने में उपयोगी साबित हो रही है। यह जानकारी लोहिया संस्थान के बायोकैमेस्ट्री विभाग के डॉ. मनीष राज कुलश्रेष्ठ ने दी।

लोहिया संस्थान और एसोसिएशन फॉर मेडिकल अपडेट (एएमयूकॉन-2025) की ओर से आयोजित दो दिवसीय कांफ्रेंस के दूसरे दिन कानपुर रोड स्थित होटल में विशेषज्ञों ने बताया कि एनजीएस लाखों डीएनए और आरएनए खंडों को पढ़कर पूरे जीनोम का अनुक्रमण करती है। यह पारंपरिक तरीकों की तुलना में तेज, सटीक और किफायती है, जिससे संक्रमण का वास्तविक कारण जल्द पता लगाकर सही इलाज शुरू किया जा सकता है।

डॉ. मनीष ने कहा कि एनजीएस कैंसर की पहचान में भी महत्वपूर्ण है। यह ट्यूमर में आनुवंशिक असामान्यताओं की पहचान कर सही टारगेटेड थेरेपी या इम्यूनोथेरेपी चुनने में मदद करती है। तकनीक कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और व्यक्तिगत चिकित्सा में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है।

लोहिया संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने कहा कि ऐसी कांफ्रेंस से चिकित्सकों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी मिलती है। डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ समय के साथ कदम मिलाकर आगे बढ़ें, ताकि मरीजों को बेहतर और प्रभावी उपचार मिल सके।

आईएनसी बंद होने से वाहन मालिकों पर बढ़ा बोझ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : ट्रांसपोर्टनगर स्थित इंस्पेक्शन एंड सर्टिफिकेशन सेंटर (आईएनसी) को हाल ही में बंद कर दिया गया है। बीकेटी में ऑटोमेटेड टेस्टिंग सिस्टम (एटीएस) के शुरू होने के बाद यह निर्णय लिया गया।

आईएनसी बंद होने के बाद अब वाहन मालिकों को अपने वाहनों की फिटनेस जांच के लिए बीकेटी स्थित एटीएस केंद्र जाना पड़ रहा है। इससे वाहन मालिकों को न केवल अधिक दूरी तय करनी पड़ रही है, बल्कि समय और खर्च दोनों का बोझ भी बढ़ गया है। इस समस्या को लेकर हाल ही में ट्रांसपोर्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने एआरटीओ प्रशासन प्रदीप कुमार सिंह से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने ट्रांसपोर्टनगर स्थित फिटनेस सेंटर आईएनसी को दोबारा शुरू किए जाने की मांग रखी।

> ट्रांसपोर्टनगर इंस्पेक्शन एंड सर्टिफिकेशन सेंटर को दोबारा खोलने के लिए उच्च अधिकारियों और सरकार को पत्र भेजा जा चुका है। अब काम निजी कंपनी के माध्यम से ही कराया जाएगा। सरकार इस पर कब निर्णय लेगी, यह फिलहाल कहना मुश्किल है। बीकेटी में ऑटोमेटेड टेस्टिंग सिस्टम पर प्रतिदिन करीब 260 वाहनों की फिटनेस होती है, जितनी पहले यहां आईएनसी में होती थी।
>
> — प्रदीप कुमार सिंह, एआरटीओ प्रशासन, लखनऊ

हजारों शिकायतें रजिस्टर पर दर्ज नहीं

संवाददाता, मोहनलालगंज

- मोहनलालगंज तहसील दिवस में आई शिकायतों का मामला
- निस्तारण की जानकारी न मिलने से शिकायतकर्ता आक्रोशित

अमृत विचार : मोहनलालगंज तहसील प्रशासन की लापरवाही के चलते 19 जुलाई 2025 से अब तक तहसील दिवस में आई शिकायतें रजिस्टर पर दर्ज नहीं की गईं। इसका सीधा असर यह हुआ कि शिकायतकर्ताओं को उनकी शिकायत के निस्तारण की कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। तहसील दिवस जैसे संवेदनशील आयोजनों में मंडलायुक्त, जिलाधिकारी सहित जिले के बड़े अधिकारी शिकायत निस्तारण की कड़ी निगरानी करते हैं और आदेशित एक सप्ताह के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का पालन सुनिश्चित करते हैं।

लेकिन मोहनलालगंज तहसील प्रशासन ने इन आदेशों की अनदेखी की और शिकायतों को दर्ज न कर उनके निस्तारण की रिपोर्ट तैयार नहीं की। 19 जुलाई के बाद लगभग छह माह से न शिकायतें दर्ज हुई हैं और न ही निस्तारण की कोई जानकारी दी गई।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन की लापरवाही पर नाराजगी जताई। कांटा करौंदी के कालीचरण ने बताया कि उन्होंने आर्यावर्त बैंक शाखा निगोहा से ऋण लिया था, लेकिन अधिक राशि वसूली गई और पासबुक नहीं मिली। सात बार समाधान दिवस में शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसी तरह धनवारा के मोनू शर्मा ने कहा कि उनके घर के पास पेड़ है जिसे कटवाने की कई बार शिकायत की गई, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी निष्क्रिय हैं और किसी हादसे का इंतजार कर रहे हैं।

स्थिति यह दर्शाती है कि तहसील प्रशासन द्वारा आदेशों की अवहेलना के चलते जनता को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सात लाख तक पैकेज का लविवि छात्रों को अवसर

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड और टीसीएस में आकर्षक प्लेसमेंट का अवसर मिला है। स्नातक छात्रों के लिए नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल) एवं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि नोएडा पावर कंपनी लिमिटेड (एनपीसीएल), आरपी संजीव गोयनका ग्रुप व ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण का संयुक्त उपक्रम है।

एनपीसीएल द्वारा मैनेजमेंट ट्रेनी (कोर इलेक्ट्रिकल) पद हेतु केवल बी.टेक (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) के 2026 बैच के विद्यार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

स्कूली-उच्च शिक्षा संस्थानों में समन्वय की पहल

वीआईटी का मंथन 2025

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विद्यालय-विश्वविद्यालय के अंतर को पाटने के लिए वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने शनिवार 13 दिसंबर को मंथन 2025 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम हजरतगंज के महात्मा गांधी मार्ग स्थित क्लार्क्स अवध में हुआ। इसका उद्देश्य स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच बेहतर सहयोग बनाना था।

मंथन 2025 में 70 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। स्कूली शिक्षा में उनके योगदान के लिए वीआईटी ने प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि वीआईटी भोपाल विवि शिक्षा, शोध और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जाना जाता है। प्रसिद्ध लेखक, प्रेरक वक्ता, सामाजिक उद्यमी तथा डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर के सह-संस्थापक एवं सीईओ सृजन पाल सिंह ने मंथन 2025- उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी यात्रा को प्रज्वलित करें विषय पर संबोधन दिया। इस दौरान शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और तकनीक से जोड़ने, विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने को तकनीकी, गैर-तकनीकी और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने तथा विद्यालयी पाठ्यक्रम को विवि की अपेक्षाओं के अनुसार बनाने जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

इस कार्यक्रम ने विद्यालय प्रमुखों और विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों को एक-दूसरे से विचार साझा करने और भविष्य में सहयोग के नए अवसर तलाशने का अवसर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से वीआईटी विवि ने शिक्षा में नवाचार, अकादमिक सहयोग और शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

कड़ाके की ठंड में अलाव की व्यवस्था नहीं, जिम्मेदार बेखबर

संवाददाता, निगोहां

- स्थानीय लोगों में नाराजगी प्रशासनिक लापरवाही पर सवाल

अमृत विचार: निगोहां क्षेत्र में कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित है, लेकिन ठंड से राहत के लिए अलाव की कोई व्यवस्था नजर नहीं आ रही। सरकारी निर्देशों के बावजूद कस्बे के थाना परिसर, बस स्टैंड और अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर अलाव नहीं जलाए गए। सुबह-शाम ठिठुरन से लोगों का घर से निकलना कठिन हो गया है।

स्थानीय लोगों ने कहा कि ठंड बढ़ती जा रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस पर ध्यान नहीं दे रहे। प्रचार-प्रसार में व्यस्त जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति के बावजूद आमजन की बुनियादी समस्या पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे नाराजगी बढ़ी है। सीएम द्वारा सर्दी में सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के सख्त निर्देश दिए गए हैं, लेकिन निगोहां कस्बे में इसका असर दिखाई नहीं दे रहा। उपजिलाधिकारी मोहनलालगंज ने कहा कि उन्हें मीडिया के माध्यम से इस समस्या की जानकारी मिली है और जल्द ही अलाव की व्यवस्था कराई जाएगी। अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक ठंड से जूझ रहे लोगों को राहत पहुंचा पाता है।

सिटी डायरी

कागजों में सड़क पंचिंग पूरी हकीकत में अधूरी, ग्रामीण परेशान

मलिहाबाद-मोहान को जोड़ने वाली खराब सड़क।

अमृत विचार, काकोरी : इलाके की मुख्य नहर सड़क, जो लखनऊ से मोहान मार्ग और मलिहाबाद-मोहान को जोड़ती है, जर्जर होने के कारण आम जनता के लिए चलना मुश्किल हो गया है। कई बार राहगीर गिरकर गंभीर रूप से चोटिल भी हुए हैं। इस समस्या से निजात दिलाने के लिए सिंचाई विभाग ने सैफलपुर पुल से नहर कोठी नरौना तक सड़क पंचिंग के लिए लाखों रुपए का बजट मंजूर कर कई वेंडर कंपनियों को जिम्मेदारी सौंपी थी। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला। जबकि सिंचाई विभाग के जेई विवेक कुमार व एसडीओ स्पष्ट अग्रवाल का कहना है कि सड़क पंचिंग का काम पूरा हो गया है। वहीं, जनता इस ऊबड़-खाबड़ और जर्जर सड़क से रोजमर्रा की आवाजाही में परेशान है।

योग शिविर में हिस्सा लेते लोग।

विश्व ध्यान दिवस पर पुरातत्व निदेशालय में लगा योग साधना शिविर

अमृत विचार, लखनऊ : विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय ने एक दिवसीय योग साधना शिविर का आयोजन किया। शुक्रवार को विश्व ध्यान दिवस पर छतर मंजिल परिसर में एक एक दिवसीय योग साधना शिविर का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यशैली, कार्यक्षमता तथा मानसिक संतुलन को सुदृढ़ करना था। शिविर में आर्ट ऑफ़ लिविंग संस्था के योग एवं ध्यान साधना के प्रशिक्षक राकेश चतुर्वेदी एवं विशाखा ने ध्यान के विभिन्न आयामों, उसके वैज्ञानिक पक्ष तथा जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

शहीद स्मारक पर शहीदों को नमन करते लोग।

काकोरी ट्रेन एक्शन ने अंग्रेजों को दी थी चुनौती: विजय मौर्य

अमृत विचार, काकोरी : अटल काकोरी शहीद स्मारक पर शहीद दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष विजय कुमार मौर्य ने मुख्य अतिथि के रूप में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 1925 को काकोरी में देशभक्तों ने ब्रिटिश सरकार को चुनौती दी थी और खजाने पर कब्जा करके आजादी के लिए अपना बलिदान दिया। विजय मौर्य ने क्रांतिकारियों के साहस और देशभक्ति को याद करते हुए कहा कि हमें उनकी विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए और एकजुट होकर भारत को विश्वगुरु बनाना है।

कार्यक्रम | काकोरी के अमर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

काकोरी ट्रेन एक्शन की स्मृति में निकाली साइकिल यात्रा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

यात्रा को हरी झंडी दिखाते इतिहासकर रवि भट्ट। ● अमृत विचार

अमृत विचार : काकोरी ट्रेन एक्शन के अमर शहीदों की स्मृति में उत्तर प्रदेश क्रांतिकारी परिषद की 37वीं साइकिल यात्रा शुक्रवार को पूरे उत्साह और देशभक्ति के माहौल में निकाली गई। साइकिल यात्रा नेताजी सुभाष चौक से प्रारंभ होकर काकोरी स्थित शहीद स्मारक तक पहुंची। यात्रा को प्रख्यात इतिहासकार रवि भट्ट ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बड़ी संख्या में युवाओं, कलाकारों, पत्रकारों और नागरिकों ने भाग लेकर काकोरी के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर परिषद के प्रमुख एवं वरिष्ठ रंगकर्मी अनिल मिश्र गुरुजी तथा सचिव अशोक सिंह ने इतिहासकार रवि भट्ट को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। अनिल मिश्र गुरुजी ने कहा कि काकोरी कांड के सौ वर्ष पूरे होना ऐतिहासिक उपलब्धि है। इस घटना ने ब्रिटिश शासन की नींव हिला दी थी। काकोरी के नौजवान क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों का खजाना लूटकर न केवल साहसिक कदम उठाया, बल्कि स्वतंत्र भारत का मार्ग भी प्रशस्त किया। यह घटना आज भी युवाओं को साहस, संगठन और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देती है।

इतिहासकार रवि भट्ट ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन अंग्रेजी सत्ता के सबसे मजबूत तंत्र को सीधी चुनौती देने वाली घटना थी। इससे यह सिद्ध हुआ कि संगठित क्रांतिकारी प्रयासों से साम्राज्यवादी शासन को कमजोर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसी घटना के बाद क्रांतिकारी आंदोलन जनआंदोलन के रूप में उभरा।

यात्रा के दौरान कैसरबाग बस अड्डा, खुनखुन जी कोठी चौराहा चौक, बालागंज, ठाकुरगंज और दुबग्गा सहित कई स्थानों पर नुक्कड़ नाटकों का मंचन हुआ, जिसे देखने के लिए नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने पुष्पवर्षा और तालियों से यात्रा का स्वागत किया।

उत्तर प्रदेश क्रांतिकारी परिषद की सांस्कृतिक इकाई अमुक आर्टिस्ट ग्रुप के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक हम क्रांति करेंगे की सशक्त प्रस्तुति दी, जिसका लेखन एवं निर्देशन संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित अनिल मिश्र गुरुजी ने किया। शाम को यात्रा शहीद स्मारक पहुंची, जहां गीतों, कविताओं और वक्तव्यों के माध्यम से अमर शहीदों को नमन किया गया।

सिराजुद्दीन पी को चुना सर्वश्रेष्ठ रंगरूट

शपथ ग्रहण करते नंबर 2 तकनीकी प्रशिक्षण विंग के रंगरूट।

अमृत विचार, लखनऊ : छावनी स्थित एएमसी सेंटर एंड कॉलेज में शुक्रवार को कक्षा-4 नर्सिंग असिस्टेंट प्रशिक्षण पूरा करने वाले रंगरूटों की शपथ ग्रहण परेड कराई गई। उप कमांडर कर्नल जेके शर्मा ने नंबर 2 तकनीकी प्रशिक्षण विंग के 115 रंगरूटों शपथ ग्रहण कराई। परेड का निरीक्षण नंबर 2 तकनीकी प्रशिक्षण विंग के कमांडर ब्रिगेडियर ऋषिराज एन वर्मा ने किया।

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 20 दिसंबर 2025

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भाग लेने जाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, अपना दल कमेरावादी की विधायक पल्लवी पटेल, साइकिल से विधानसभा जाते सपा विधायक आशुतोष सिन्हा, कफ सिरप का पोस्टर पहनकर पहुंचे सपा के विधायक ब्रजेश यादव और विधायक मुकेश वर्मा। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

सास-बहू के लाखों के जेवर चोरी, नौकर व मामी पर शक

अमृत विचार, लखनऊ : गोमतीनगर में महिला के घर से उनके व बहू के लाखों के जेवर चोरी हो गए। पीड़िता ने नौकर व उसकी मामी पर शक जताते हुए रिपोर्ट दर्ज करायी है। इंस्पेक्टर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। विकासखंड-3 निवासी ममता श्रीवास्तव ने बताया कि 5 दिसंबर को वह परिवार संग शादी में शामिल होने शहर से बाहर गयी थी। वापस लौटने पर पीड़िता ने जेवर देखे तो चेन व टॉप्स तकिया के नीचे से गायब थे। यही नहीं बहू के कमरे से भी जेवर गायब थे। पीड़िता ने बताया कि उनके घर में नौकर संजीवन और उसकी मामी महरीन पूनम मौजूद थे। पीड़िता ने बताया कि चोरों ने चार चेन, तीन टॉप्स, दो पैंडेंट व डायमंड ब्रेसलेट चोरी किया है। पीड़िता के आरोप पर पुलिस ने नौकर व उसकी मामी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मोटरसाइकिल चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, हरदोई : ग्राम अमरनगर मजरा खटेली निवासी साइकिल सवार युवक को टक्कर मारकर घायल करने वाले बाइक चालक के विरुद्ध पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित वीरपाल के अनुसार उसका भाई पिंटू 13 दिसंबर को कुल्हावर ईंट-भट्ठे के निकट साइकिल से घर आ रहा था तभी बरगावां की ओर से आ रहे बाइक चालक ने साइकिल में टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गया। उसे सीएचसी पिहानी ले जाया गया। जहां से र जिला अस्पताल रेफर किया गया। उसके भाई को इलाज के लिए जिला अस्पताल से ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया जहां उसका इलाज हुआ। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी बाइक चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

बजरिया मोहल्ले में पकड़े गए 94 बंदर

अमृत विचार, हरदोई : नपा परिषद द्वारा बंदरों को पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार सुबह से दोपहर तक बजरिया मोहल्ले में जाल लगाकर 94 बंदरों को पकड़ा गया जिन्हें गोला गोकर्णनाथ के जंगलों में छोड़ा गया। पिछले 20 दिनों से मथुरा से आई हुई बंदरों को पकड़ने वाली टीम बंदर पकड़ने का कार्य कर रही है। बड़ी संख्या में बंदरों को पकड़कर जंगलों में छोड़ा जा चुका है। शुक्रवार को बजरिया मोहल्ले में पालिका कर्मचारी रंजीत सिंह की देख-देख में मथुरा की टीम ने जाल लगाकर 94 बंदरों को पकड़ा। पिछले काफी दिनों से बंदरों के बढ़ते हुए आतंक के कारण शहर के लोग काफी परेशान थे। तमाम महिलाएं, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग बंदरों के हमलों से घायल हो चुके थे। जनता की अपील पर अधिशासी अधिकारी की ओर से बंदरों को पकड़ने के लिए मथुरा से यह टीम बुलाई गई है।

दुष्कर्म के आरोपी को सात वर्ष की कैद

अमृत विचार, हरदोई : अपर सत्र न्यायाधीश मनमोहन सिंह ने एक फैसले में दुष्कर्म के मामले में आरोपी को जुर्म साबित होने पर सात साल की कड़ी कैद और 10 हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है। शासकीय अधिवक्ता मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि थाना कोतवाली शहर क्षेत्र के समुहा निवासी दीनदयाल ने 16 जनवरी 2016 को दिन करीब तीन बजे एक 15 वर्षीय बालिका को बहला-फुसलाकर उसका अपहरण कर लिया। उसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। इस मामले की रिपोर्ट बालिका के पिता ने दर्ज कराई। कहा कि घटना के पूर्व उसकी बेटी शौच के लिए गई थी जहां पर आरोपी ने घटना को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गया। न्यायाधीश ने पेश हुए सबूत के आधार और दोनों पक्षों को सुनकर आरोपी पर जुर्म साबित पाया और उसे सात साल की सजा सुनाई साथ में आरोपी पर जुर्माना भी लगाया।

लेखपाल भर्ती में आरक्षण प्रावधानों का हर हाल में होगा पालन: मुख्यमंत्री

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को संशोधित अधियाचन भेजेगा राजस्व परिषद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: लेखपाल भर्ती में आरक्षण संबंधी विसंगतियों का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्व परिषद को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि आरक्षण प्रावधानों में किसी भी प्रकार की त्रुटि, लापरवाही या मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजस्व परिषद अब श्रेणीवार रिक्तियों के आंकड़ों की दोबारा समीक्षा कर रहा है और संशोधित अधियाचन तैयार कर उसे एक सप्ताह के भीतर अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को भेजने की तैयारी कर रहा है।

सीएम योगी ने स्पष्ट कहा है कि सरकारी भर्तियों में आरक्षण व्यवस्था का अक्षरशः पालन अनिवार्य है। लंबवत और क्षैतिज दोनों तरह के आरक्षण का सम्मान न केवल कानूनी दायित्व है, बल्कि सामाजिक न्याय की मूल भावना भी है। राजस्व परिषद की सचिव कंचन वर्मा ने बताया कि सीएम के हस्तक्षेप के बाद परिषद ने प्राथमिकता से सभी आंकड़ों की समीक्षा प्रारंभ कर दी है। संशोधित अधियाचन आयोग को भेजे जाने के उपरांत लेखपाल भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी, विवाद-मुक्त और आरक्षण प्रावधानों के पूर्ण अनुपालन के साथ आगे बढ़ेगी। लेखपाल के 7,994 पदों के लिए 16 दिसंबर 2025 को जारी विज्ञापन के बाद यह तथ्य सामने आया कि जनपदों से भेजे गए श्रेणीवार आंकड़ों में विसंगतियां थीं।

कफ सिरप मामले में वांछितों से रिश्ते की स्थिति स्पष्ट करे सपा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वांछितों की सपा मुखिया के साथ तस्वीर लेकर पहुंचे उप मुख्यमंत्री

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को कफ सिरप में वांछित लोगों के समाजवादी पार्टी के मुखिया के तस्वीर मीडिया से साझा की। उन्होंने कहा कि सपा मुखिया के दाएं और बाएं खड़े कफ सिरप में वांछित लोगों से क्या रिश्ते हैं, इसे स्पष्ट करें।

उप मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि सपा कफ सिरप के वांछितों को क्यों सम्मान देने का काम कर रही है। ये लोग प्रदेश सरकार को बदनाम कर रहे हैं। ये समूह सपा के सदस्य हैं। इनका पालन पोषण सपा ने किया है। उन्होंने कहा कि सपा अपना पाप सरकार पर मढ़ रही है। सरकार कफ सिरप मामले की निष्पक्ष जांच करा रही है। जल्द ही जांच में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। ब्रजेश पाठक ने कहा कि लगातार प्रदेश को वन डिस्ट्रिक वन माफिया, भ्रष्टाचार, कदाचार, गुंडागर्दी की ओर धकेलने वाले सपा के लोग अपने गिरेबान में झांक कर देखें। हमारी सरकार प्रतिबद्धता के साथ निष्पक्ष जांच कर रही है। जो भी दोषी होंगे, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

फिरोजाबाद को ईको पर्यटन क्षेत्र में भी मिल रही नई पहचान : जयवीर

अमृत विचार, लखनऊ : 'कांच नगरी' के नाम से प्रसिद्ध फिरोजाबाद अब ईको पर्यटन के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। उप्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा मदनपुर ब्लॉक स्थित रूरिया स्वरूपपुर गांव को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं से विकसित कर एक नए ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित किया गया है। करीब 3.62 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इस परियोजना ने क्षेत्र को पर्यटन और पर्यावरण के अद्भुत संगम के रूप में उभारा है। यह जानकारी देते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि रूरिया स्वरूपपुर को सुनियोजित ढंग से पर्यटकों के अनुकूल बनाया गया है। यहां आगंतुकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पर्यावरण अनुकूल बैंबू कॉटेज, आधुनिक शौचालय, आकर्षक लैंडस्केपिंग, ओपन एयर थिएटर, बच्चों के लिए प्ले जोन, गार्ड एवं सूचना केंद्र, गजीबो, साइनेज, मुख्य प्रवेश द्वार और तटबंध का निर्माण कराया गया है।

जांच के लिए सिरप टास्क फोर्स बने : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जहरीली कोडीन कफ सिरप के लिए भाजपा सरकार को ठहराया जिम्मेदार

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने नकली और जहरीली कोडीन कफ सिरप के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि जब खुद फंस जाओ तो दूसरे पर इल्जाम लगाओ। ये खेल बहुत पुराना है।

उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध और जहरीली कफ सिरप मामले की जांच कर रही एसटीएफ भी अवैध कारोबारियों से मिली हुई है। अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। कोडीन कफ सिरप के मामले की सच्ची जांच के लिए ईमानदार लोगों की एक सिरप टास्क फोर्स मतलब एसटीएफ बननी चाहिए। सपा नेता ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि प्रदेश से लेकर देश के अन्य राज्यों तक फैले हजारों करोड़ के इस अवैध कारोबार को भाजपा सरकार का संरक्षण मिला हुआ है। भाजपा सरकार में इसी तरह से अन्य कई अवैध कारोबार हो रहे हैं। जिलों-जिलों में भूमाफिया सरकारी और गरीबों की जमीनों पर अवैध रूप से कब्जा कर रहे है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। यह सरकार गरीबों और बच्चों की जिन्दगी के साथ खेल रही है। नकली कफ सिरप के कारोबारियों पर सरकार का बुलडोजर खामोश है। वाराणसी से शुरू होकर यह अवैध कारोबार जिले-जिले होते हुए अन्य प्रदेशों और विदेश तक पहुंच गया।

एटीएम में डिवाइस लगाकर 28 हजार चोरी

अमृत विचार, लखनऊ : हजरतगंज के अशोक मार्ग स्थित यूको बैंक के एटीएम बूथ पर चोरों ने कैश मशीन की ट्रे में डिवाइस लगाकर चोरी की। चार बार में चोरों ने करीब 28 हजार रुपये चोरी कर लिए। पुलिस ने प्रबंधक की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी है। सीसीटीवी कैमरे में चार आरोपी कैद हुए हैं।वरिष्ठ प्रबंधक पंखुड़ी श्रीवास्तव ने बताया कि 4 दिसंबर को एटीएम एटीबीटी मुंबई का एक मेल आया, जिसमें एटीएम बूथ से 10 हजार निकलने की बात लिखी थी। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे चेक कराए तो 1 दिसंबर को दो युवक कैद हुए। दिखा कि मशीन में कोई उपकरण कैश ट्रे पर लगाकर ब्लॉक किया गया। अगले दिन दो युवक फिर पहुंचे और उपकरण निकालकर वहां फंसे दस हजार लेकर चले गए। खाता धारक की शिकायत के बाद छानबीन की गयी तो पता चला कि 8 दिसंबर, 6 दिसंबर, 5 दिसंबर और 3 दिसंबर को भी चार बार में 28,500 रुपये निकाले गए।

सात साल जेल में बिताने के बाद दोषमुक्त हाईकोर्ट से अभियुक्त

विधि संवाददाता,लखनऊ

- एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियुक्त को हुई थी दस वर्ष की सजा

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने हेरोइन रखने के आरोप में दस साल की सजा पाए अभियुक्त को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया है। खास बात यह रही कि उक्त अभियुक्त गिरफ़्तारी और सत्र अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद से अब तक लगभग सात साल (छह साल 11 महीना और 24 दिन) जेल में काट चुका है। कोर्ट ने उसे तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है।

यह निर्णय न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की एकल पीठ ने विनय कुमार शर्मा की अपील पर पारित किया। अभियोजन का कहना था कि सेंट्रल नार्कोटिक्स ब्यूरो को सूचना मिली थी कि गणेशगंज के होटल मनीषा में अपीलार्थी बाराबंकी के एक व्यक्ति से हीरोइन खरीदने वाला है। उक्त सूचना के आधार पर 27 फरवरी 1995 को सेंट्रल नार्कोटिक्स ब्यूरो की टीम ने होटल में छापा मारकर अपीलार्थी व कथित तौर पर हीरोईन बेंचने आए। मो. इस्लाम उर्फ फारुक को गिरफ्तार कर, उनके कब्जे से क्रमशः 120 ग्राम और 80 ग्राम हीरोईन बरामद की। सत्र अदालत ने 28 मई 1998 को अपीलार्थी को दस साल कारावास की सजा सुनाई। अपीलार्थी की ओर से दलील दी गई कि छापे के समय टीम ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 का पालन न करते हुए, अपीलार्थी की तलाशी राजपत्रित अधिकारी के समक्ष नहीं ली। कहा गया कि उक्त टीम का एक अधिकारी स्वयं राजपत्रित अधिकारी था लेकिन प्रावधान के तहत अपीलार्थी की तलाशी टीम के बाहर के राजपत्रित अधिकारी के समक्ष होनी चाहिए थी। कोर्ट ने भी अपने निर्णय में कहा कि अपीलार्थी की तलाशी के दौरान धारा 50 के अनिवार्य शर्तों का पालन नहीं किया गया, लिहाजा बरामदगी संदिग्ध मानी जाएगी। कोर्ट ने जेल अधीक्षक, जिला कारागार, लखनऊ द्वारा भेजी रिपोर्ट के आधार पर कहा कि अपीलार्थी 72 साल का है और छह साल 11 महीना और 24 दिन जेल में बिता चुका है।

डिवाइडर से टकराकर दंपति घायल, स्कूटी नहर में समाई

अमृत विचार, लखनऊ : नगराम के हरदोइया रेगुलेटर के पास इंदिरा नहर पटरी मार्ग से पत्नी को लेकर ससुराल जा रहा युवक आवारा पशु को बचाने के चक्कर में डिवाइडर से टकरा गया। एक्सीलरेटर बढ़ने के कारण स्कूटी अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। हादसे में स्कूटी चालक दंपति गिरकर चोटिल हो गए। नगराम पुलिस ने स्थानीय गोताखारों को नहर में स्कूटी तलाशने के लिए बुलाया, लेकिन बहाव तेज होने के कारण स्कूटी का पता नहीं चल सका। गोसाईंगंज के रायपुर सदरा गांव निवासी अजीत ने बताया कि वह पत्नी किरण को ससुराल लेकर जा रहा था। दोपहर करीब पौने तीन बजे हरदोइया रेगुलेटर के पास आवारा पशु को बचाने के चक्कर में स्कूटी डिवाइडर से टकरा गई और एक्सीलेटर बढ़ गया। जिससे स्कूटी नहर में समा गई और दंपति गिरकर चोटिल हो गए। एसओ विवेक चौधरी ने बताया कि स्कूटी तलाशने के लिए शारदा सहायक खंड 28 के अधिशाषी अभियंता से नहर का पानी कम करने के लिए कहा गया है।

हजरतगंज में ठंड के बीच फूलों की खरीदारी करती महिला। अमृत विचार

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएगा आयोग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महिलाओं से जुड़ी सरकारी योजनाओं पर किया जागरुक

अमृत विचार: राज्य महिला आयोग प्रदेश की महिलाओं को न्याय दिलाने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की कवायद में जुटा है। उ.प्र. राज्य महिला आयोग में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की योजनाओं पर आयोजित एक कार्यशाला में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल करते हुए आजीविका योजनाओं पर मंथन किया गया। इस दौरान महिलाओं से जुड़ी सरकारी योजनाओं पर जागरुक किया गया।

विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक एक कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान, उ.प्र. राज्य महिला आयोग की अध्यक्षता में किया गया। जागरुकता कार्यक्रम में जनमेजय शुक्ला संयुक्त मिशन निदेशक ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन समेत महिलाओं से संबधित तमाम योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान पदाधिकारियों ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में आगामी जनसुनवाई, जागरूकता चौपाल के दौरान महिलाओं, बालिकाओं को सम्बन्धित उपरोक्त विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ दिये जाने पर बल दिया गया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में उप्र. राज्य महिला आयोग के पदाधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व में आयोग पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में मिशन-शक्ति 5.0 के अन्तर्गत आयोजित महिला जनसुनवाई, समीक्षा बैठक, निरीक्षण कार्यक्रम एवं पोषण पंचायत कार्यक्रम की समीक्षा की गयी।

सेहत | घबराहट, धड़कन बढ़ने, नींद में कमी व ब्लड प्रेशर गड़बड़ाने जैसे लक्षणों के साथ मरीज पहुंच रहे अस्पताल

ठंड के साथ बढ़ रहे दिल के रोगी, बचाव के लिए कसरत जरूरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- डॉक्टरों की सलाह: दिल की सेहत के लिए शुगर, कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप नियंत्रित रखें

अमृत विचार : ठंड बढ़ने के साथ ही दिल के मरीजों की परेशानियां भी बढ़ गई हैं। अस्पतालों की ओपीडी में हृदय रोगियों की संख्या में 20 से 30 प्रतिशत तक इजाफा दर्ज किया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि सर्द मौसम में हार्ट अटैक और हार्ट फेल्योर का खतरा बढ़ जाता है, ऐसे में मरीजों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है।

केजीएमयू के लारी कार्डियोलॉजी विभाग के प्रो. अक्षय प्रधान ने बताया कि ठंड में खासकर सुबह के समय उच्च रक्तचाप की समस्या अधिक देखी जाती है। ठंड के कारण धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह में रुकावट और खून के थक्के बनने की आशंका बढ़ जाती है। इससे दिल को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि नियमित कसरत, योग और दवाओं का सही समय पर सेवन कर इन जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। प्रो. प्रधान के अनुसार यदि ठंड के कारण मॉर्निंग वॉक संभव न हो तो घर के अंदर ही 30 से 40 मिनट तक हल्की कसरत या योग करना चाहिए। जिन मरीजों का दिल का ऑपरेशन हो चुका है, वे भी चिकित्सकीय सलाह के अनुसार नियमित टहलें और व्यायाम करें। साथ ही धूम्रपान से बचें और नमक का सेवन सीमित रखें।

लेटने पर सांस फूलना हार्ट फेल्योर का संकेत

- डॉ. भुवन चंद्र तिवारी ने बताया कि यदि लेटने पर सांस लेने में दिक्कत हो और बैठने पर राहत मिले तो इसे नजरअंदाज न करें। यह हार्ट फेल्योर का संकेत हो सकता है। समय पर इलाज से मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है।

ठंड और प्रदूषण से सांस रोगी भी परेशान

- ठंड के साथ बढ़े प्रदूषण के कारण अस्थमा और निमोनिया के मरीजों की संख्या भी 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ी है। केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकांत ने बताया कि नमी और कोहरे के कारण प्रदूषण के कण निचली सतह पर ही रहते हैं, जिससे सांस के जरिए वे फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। बलरामपुर अस्पताल के चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. एके गुप्ता ने बताया कि मरीजों को दवा के साथ बचाव के उपाय भी बताए जा रहे हैं।

लोहिया संस्थान के कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. भुवन चंद्र तिवारी ने बताया कि ओपीडी में अधिकतर मरीज घबराहट, दिल की धड़कन तेज होने, नींद में कमी, ब्लड प्रेशर गड़बड़ाने और सांस लेने में परेशानी जैसी शिकायतों के साथ पहुंच रहे हैं। जिन परिवारों में डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर या दिल की बीमारी का इतिहास है, उन्हें विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। डॉ. भुवन ने बाहर की तली-भुनी चीजों से परहेज की सलाह देते हुए कहा कि एक ही तेल को बार-बार इस्तेमाल करने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है। ठंड में धूप निकलने पर ही बाहर टहलें, अन्यथा घर के भीतर ही चलें। बुजुर्गों को पर्याप्त गर्म कपड़े पहनकर ही बाहर निकलना चाहिए। सिविल अस्पताल के सीएमएस डॉ. डीसी पांडेय ने बताया कि ठंड बढ़ने से कुछ दिनों से कार्डियोलॉजी ओपीडी में मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। घबराहट, धड़कन बढ़ने, नींद में कमी और ब्लड प्रेशर गड़बड़ाने जैसे लक्षणों के साथ मरीज आ रहे हैं।

खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में जुट रही भीड़

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में खादी, ग्रामोद्योग एवं माटीकला से जुड़े कुल 130 स्टॉल लगाए गए हैं। इस 10 दिवसीय प्रदर्शनी में स्टॉलों के माध्यम से प्रदेश एवं देश के विभिन्न क्षेत्रों के उद्यमी अपने उत्कृष्ट एवं पारंपरिक उत्पादों की बिक्री कर रहे हैं। आगामी 27 दिसंबर तक चलने वाली प्रदर्शनी के पहले दो ही दिनों में खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री से लगभग रुपये 11.55 लाख का कारोबार दर्ज किया जा चुका है।

जानकारी के अनुसार, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गोमती नगर में आयोजित प्रदर्शनी में कानपुर की प्रसिद्ध खादी संस्था स्वराज्य आश्रम द्वारा प्रस्तुत खादी परिधानों जैसे- कुर्ता, शाल, शर्ट, जैकेट, सदरी आदि को विशेष रूप से लोगों की सराहना मिल रही है और इनकी खरीदारी लगातार बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में सिल्क खादी, भदोही के कालीन, भागलपुर की सिल्क साड़ियां, कन्नौज के इत्र, मिट्टी से बने बर्तन एवं सजावटी वस्तुएं, प्रतापगढ़ का प्रसिद्ध आंवला मुरब्बा, वाराणसी की रेशम एवं सिल्क साड़ियां, राजस्थान के बीकानेरी पापड़ व नमकीन, उत्तराखंड के कोट, विभिन्न प्रकार की चादरें तथा हस्तकला आधारित रेडीमेड वस्त्र बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

जेवर व नकदी लेकर किशोरी घर से लापता

बनीकोडर, बाराबंकी, अमृत विचार : नाबालिग किशोरी घर से जेवर-नकदी लेकर प्रेमी संग कहीं चली गयी। मां ने पुलिस में अपहरण का मामला दर्ज कराया है। असन्द्रा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला ने पुलिस को बताया कि 17 दिसंबर को सुबह करीब 10 बजे सर्वेश उसकी 13 वर्षीया पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। महिला के अनुसार, किशोरी घर से जाते समय जानवर बिक्री के 45 हजार रुपये नकद तथा बहू के करीब सात थान जेवरात समेत अन्य सामान भी ले गई है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज ली है।

महिला से छेड़छाड़

टिकैतनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : क्षेत्र में एक महिला से छेड़छाड़ और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी। उसने आरोप लगाया कि 17 दिसंबर की सुबह घुघुरु उर्फ सत्य प्रकाश गौतम उसके घर के गेट पर आया। उस समय महिला घर पर अकेली थी। उसने उसके साथ छेड़खानी की। महिला के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।

पुजारी को बंधक बना मंदिर से घंटे लूटे

घाटमपुर, कानपुर, अमृत विचार : घाटमपुर के जहांगीराबाद स्थित मां काली शक्तिपीठ मंदिर में देर रात पुजारी को बंधक बनाकर तीन बदमाश यहां से इनवर्टर बैट्रा समेत दो दर्जन घंटे खोले ले गए। बदमाशों ने दान पात्र उखाड़ने का प्रयास किया। जब पुजारी ने शोर मचाने का प्रयास किया तो उसे जान से मारने की धमकी दी। सुरेश चंद सैनी ने बताया कि वह रहमपुर अंडरपास के पास स्थित मां काली शक्तिपीठ में पुजारी हैं। देर रात तीन बदमाश आ धमके। बदमाशों ने पुजारी के तमंचा लगाकर उन्हें बंधक बना लिया, इसके बाद बदमाशों ने मंदिर से लगभग दो दर्जन घंटे खोल लिए।

पुत्र की हत्या कर व्यापारी ने दी जान

सर्राफ ने दूसरे बेटे पर भी किया जानलेवा हमला, अस्पताल में कराया गया भर्ती

संवाददाता, बिल्हौर, कानपुर

अमृत विचार। अरौल थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसने पूरे क्षेत्र को हिला कर रख दिया। एक सराफा व्यापारी ने अपने एक बेटे की ईंट से कुचलकर हत्या कर दी वहीं दूसरे बेटे पर भी जानलेवा हमला किया। इसके बाद खुद भी जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले की जानकारी होने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

अरौल में ज्वैलरी की दुकान चलाने वाले 45 वर्षीय सराफा व्यवसायी अजय कटियार ने अपने सात वर्षीय बेटे शुभ की ईंट से कुचलकर हत्या कर दी, जबकि 12 वर्षीय बेटे रुद्र पर भी जानलेवा हमला किया। इसके बाद अजय ने जहरीला पदार्थ पीकर आत्महत्या कर ली। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब हाशिमपुर निवासी उनके पिता रामशंकर कटियार शुक्रवार दोपहर दुकान न खुलने पर बेटे के घर पहुंचे। बाहर से कई आवाजें देने पर कोई प्रतिक्रिया न होने पर उन्होंने पड़ोसियों को बुलाया और बड़े बेटे चंद्रप्रकाश को सूचना दी। किसी तरह जब दरवाजा खुला तो अंदर का दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए। घर के अंदर अजय और उसके दोनों बेटे खून से लथपथ पड़े थे। पुलिस ने तीनों को बिल्हौर सीएचसी भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने अजय कटियार और छोटे बेटे शुभ को मृत घोषित कर दिया। वहीं बड़े बेटे रुद्र की हालत गंभीर होने पर उसे हैलट अस्पताल, कानपुर रेफर किया गया। वहां पर उसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। पुलिस को कमरे से खून से सनीं ईंट, जहरीले पदार्थ का डिब्बा, गिलास और फांसी का फंदा बरामद हुआ है। थाना प्रभारी जनार्दन सिंह के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि अजय ने पहले बच्चों पर ईंट से हमला किया, फिर जहर खाया और बाद में फांसी लगाने का प्रयास किया, लेकिन फंदा टूटने से वह नीचे गिर गया।

घर के बाहर लगी लोगों की भीड़। अमृत विचार

शुभ फाइल फोटो।

घायल रुद्र।

अजय फाइल फोटो।

> घटनाक्रम में बड़े बेटे की हालत नाजुक है उसका उपचार कानपुर के हैलट अस्पताल में किया जा रहा है। तमाम बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है सुसाइड नोट के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है कि पहले बेटों की हत्या का प्रयास किया गया फिर स्वयं ही पिता के द्वारा जहर खाया गया है। इसके अतिरिक्त पुलिस सभी एंगल पर जांच कर रही है।
> **– दिनेश त्रिपाठी (डीसीपी पश्चिम)**

अभियुक्तों के मोबाइल नंबरों की सीडीआर कोर्ट में साबित

कुशाग्र हत्याकांड

कानपुर, अमृत विचार : कुशाग्र हत्याकांड में शुक्रवार को एडीजे 11 सुभाष सिंह की कोर्ट में जियो और एयरटेल मोबाइल कंपनी के नोडल अधिकारियों की गवाही और जिरह हुई। दोनों ने कुशाग्र, उनके परिवार वाले और अभियुक्तों के मोबाइल नंबरों की सीडीआर कोर्ट में साबित की। अब 23 दिसंबर को सुनवाई होगी। बता दें कि 30 अक्तूबर 2023 को जयपुरिया स्कूल के हाईस्कूल छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में पूर्व ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसका प्रेमी प्रभात शुक्ला और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों की निशानदेही पर शव प्रभात शुक्ला के घर से बरामद किया गया था। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि जियो कंपनी के नोडल अधिकारी रवि सक्सेना और एयरटेल कंपनी के कौशलेंद्र त्रिपाठी की कोर्ट में गवाही और जिरह हुई।

लापता युवक की प्रेम प्रसंग में हुई थी हत्या

संवाददाता, चौबेपुर, कानपुर देहात

अमृत विचार। क्षेत्र के रौतापुर गांव से डेढ़ माह पूर्व लापता हुए युवक की हत्या कर शव शिवराजपुर के शाह निवादा गांव के पास जंगल में फेंका गया था। प्रेम प्रसंग में हुई युवक की हत्या की घटना में पुलिस ने आरोपी महिला व उसके भतीजे को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

क्षेत्र के रौतापुर (बंसी पुरवा) गांव निवासी रामस्वरूप के चार पुत्रों में तीसरे नंबर का गोरेलाल (21) अविवाहित था और परिवार के साथ रहकर मजदूरी करता था। बताया गया है कि गोरेलाल का पड़ोस की एक महिला लक्ष्मी पत्नी रामदास से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इधर बीती 31 अक्टूबर को काम पर जाने की बात कह घर से निकला गोरेलाल वापस घर नहीं लौटा। तमाम खोजने के बावजूद उसका कुछ पता न लगने पर परिजनों ने 2 नवंबर को चौबेपुर थाने में मामले की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले में डेढ़ माह बाद भी युवक का कोई सुराग न लग पाने पर गत 18 दिसंबर को पिता रामस्वरूप ने पड़ोसी महिला लक्ष्मी उसके भतीजे ईशू और इशू के दोस्त अभिषेक निवासी शाह निवादा आदि के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा पंजीकृत कराया था। जिस पर सक्रिय हुई पुलिस व सर्विलांस की टीम ने लक्ष्मी व इशू को गुरुवार रात शाह निवादा गांव के निकट से गिरफ्तार कर लिया। पहले तो लक्ष्मी ने घटना से पूरी तरह से अभिज्ञता जताई, लेकिन कड़ाई किए जाते ही वह टूट गई और सारा सच पुलिस के सापने बयां कर दिया। उसने बताया कि गोरेलाल से उसका प्रेम प्रसंग था और कुछ समय वह उसे कुछ ज्यादा ही परेशान कर रहा था। जिससे तंग आकर उसने गोरेलाल को मार डालने की योजना बनाई। बताया कि भतीजे ईशू व उसके दोस्त अभिषेक के साथ मिलकर उसने गोरेलाल को शाह निवादा गांव स्थित जंगल के पास बुलाया। वहां पर मौका पाकर गला दबाकर उसकी हत्या कर शव को जंगल में छुपा दिया।

पूर्व चेयरमैन समेत 5 पर गिरफ्तारी वारंट

सुलतानपुर, अमृत विचारः धोखाधड़ी कर व्यापारी नेता का मकान दूसरे के नाम दर्ज कराने के मामले में अमेठी की पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्रमा देवी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कोर्ट मजिस्ट्रेट एसीजेएम चतुर्थ मुक्ता त्यागी ने चंद्रमा देवी समेत पांच आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करते हुए सुनवाई के लिए 23 जनवरी की तारीख नियत की है। इससे पहले इस केस में चार सह आरोपितोंकृलल्लू प्रसाद सोनी, लालजी सोनी, पुजारी लाल सोनी व संगम लाल सोनीकृकी निगरानी याचिका एडीजे चतुर्थ जलाल मोहम्मद अकबर ने निरस्त कर दी थी। एडीजे ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के तलबी आदेश की पुष्टि करते हुए पत्रावली वापस भेजने का आदेश दिया था। अधिवक्ता अनिल दुबे के अनुसार अमेठी उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगर अध्यक्ष घनश्याम सोनी ने आरोप लगाया है कि नगर पंचायत अध्यक्ष रहते हुए चंद्रमा देवी ने धोखाधड़ी कर उनका मकान अन्य लोगों के नाम दर्ज करा दिया था। आठ फरवरी 2024 को आरोपियों को तलब किया गया था। वहीं, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्रमा देवी की निगरानी याचिका पर सत्र न्यायालय में सुनवाई तीन जनवरी 2026 को होनी है।

सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि स्व. राजेश कुमार रस्तोगी पुत्र स्व. प्रताप चन्द्र रस्तोगी निवासी भवन सं. –206/31क, पीली कोठी, सुभाष मार्ग: लखनऊ ने एक अपंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 13.08.2025 को श्री रिक्की रस्तोगी पुत्र श्री स्व. राजेश कुमार रस्तोगी के पक्ष में निष्पादित किया था। स्व. राजेश कुमार रस्तोगी का देहान्त दिनांक 08.09.2025 को हो चुका है। वसीयत पंजीकृत हेतु दिनांक 20.11.2025 को श्री रिक्की रस्तोगी ने उप निबन्धक (तृतीय), लखनऊ के कार्यालय में निबन्धन हेतु प्रस्तुत की है। इस वसीयतनामें के सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो कार्यालय उप निबन्धक (तृतीय), लखनऊ में प्रकाशन तिथि से तीस दिन/01 माह (30) दिन के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा विज्ञापन के प्रकाशन तिथि के तीस (30) दिन के अन्दर आपत्ति न प्राप्त होने पर मरणोपरान्त वसीयतनामें पर आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न कर दी जायेगी।

उप निबंधक (तृतीय), लखनऊ

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यो के लिए ''खुली'' निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सं. ओटी-14-2025, कार्य का विवरण : दोहरीकरण/तीसरी लाईन/आमान परिवर्तन/यार्ड रीमाडलिंग/प्री-एनआई/एनआई एवं अन्य आकस्मिक अवसरों पर अथवा निर्माण इकाई के अन्य यूनिटों द्वारा माँग पर अस्थाई रूप से उचित एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, गोरखपुर के कार्य क्षेत्र के अन्तर्गत जहाँ कहीं भी आवश्यक हो (दो वर्ष की अवधि हेतु)। अनुमानित लागतः रू. 1,85,96,669.54, बयाना राशिः रू. 2,43,000.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य - रू. निल, कार्य पूर्ण करने की अवधि - 24 माह। निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय : 08.01.2026 को 15.00 बजे।

नोटः ● इस निविदा के विरूद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in को देखें। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, गोरखपुर
मुजाधि/विद्युत – 218

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

उप–मुख्य अभियन्ता/नि०–चतुर्थ/लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रोफॉर्मा पर मोहर बन्द **निविदा एकल–पैकेट** में आमंत्रित की जाती हैं।

1	कार्य का नाम व स्थान		उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल पर, उप मुख्य अभियंता निर्माण, चतुर्थ के अधीन प्रस्तावित, उतरेटिया स्टेशन यार्ड में अतिरिक्त लूप लाइन के प्रावधान के अन्तर्गत अर्थवर्क इन फॉर्मेशन के अंतर्गत भराई, कटिंग एवं ब्लैंकेटिंग का कार्य, रिटेनिंग वॉल का निर्माण, ट्रॉली रिफ्यूज का निर्माण तथा पी. वे (स्थायी मार्ग) से संबंधित कार्य जैसे बी.जी. ट्रैक एवं टर्नआउट का लिंकिंग, ग्लूड जॉइंट एवं एस.ई.जे. का प्रावधान, विद्यमान ट्रैक एवं टर्नआउट का डिस्मैंटलिंग, बैलास्ट की आपूर्ति एवं हैंडलिंग, पी. वे सामग्री की लीडिंग तथा अन्य संबद्ध कार्य
2	निविदा फॉर्म मूल्य		सुन्य
3	कार्य पूरा करने की अवधि		8 (आठ) माह
4	कार्य की अनुमानित लागत		रू. 908.07 लाख
5	निविदा प्रकार		संयुक्त निविदा
6	धरोहर राशि		रू. 6,04,000.00
7	ई निविदा जमा करने की तारीख /समय एवं निविदा खुलने की तारीख	क	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 13.01.2026 समय 11.30 बजे तक आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट www.ireps.gov.in
		ख	निविदा जमा करने की प्रारम्भ तिथि **30.12.2025** निविदा के कार्य की समान प्रकृती और इवैल्यूएशन के लिए विस्तृत निविदा सूचना व निविदा प्रपत्र शर्तो के साथ तिथि 23.12.2025 से आई.आर.ई.पी.एस. के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।
		ग	निविदा दिनाँक 13.01.2026 को समय 11.30 बजे खोली जाएगी।

संख्याः 83–टेण्डर/उप–मुख्य अभियन्ता/नि०–चतुर्थ/लखनऊ दिनाँक : 18.12.2025 3921/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ट्रक ने बाइक में मारी टक्कर चाचा की मौत, भतीजा जख्मी

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार। नेशनल हाईवे में नरायच पुल के पर सामने से आ रहे ट्रक ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार चाचा भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को कस्बे की सीएचसी में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने अधेड़ को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ट्रक को पुलिस ने थाने में खड़ा कराया है।

कोतवाली क्षेत्र के रीवन निवासी जगदेव उर्फ़ छुटटू विश्वकर्मा (55) पुत्र फूलचंद विश्वकर्मा अपने भतीजे प्रदीप कुमार (21) पुत्र लल्लू राम के साथ बाइक से कस्बे खाद लेने आए थे। वापसी जाते समय नेशनल हाईवे पर नरायच पुल पर सामने से आ रहे ट्रक ने सीधे टक्कर मार दी। जिससे बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां पर डाक्टरों ने जगदेव को मृत घोषित कर दिया। जबकि प्रदीप कुमार का इलाज किया जा रहा है। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। जबकि ट्रक को पुलिस ने अपनी कस्टडी में ले लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है।

भूमि विवाद में दो पक्षों में हुई मारपीट, कई लोग घायल

बाराबंकी, अमृत विचार : रामनगर कोतवाली क्षेत्र में चल रहे ज़मीन विवाद ने शनिवार को हिंसक रूप ले लिया। न्यायालय के आदेश पर विवादित प्लॉट की नाप के दौरान दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई, जिसमें दो के सिर फटे वहीं कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने क्रॉस केस दर्ज कर लिया है। 13 दिसंबर को सिविल जज सीनियर डिवीजन न्यायालय के आदेश पर आमीन द्वारा विवादित प्लॉट संख्या की नाप की जानी थी। आरोप है कि इसी दौरान एक पक्ष ने नाप का विरोध करते हुए दूसरे पक्ष पर लाठी, डंडा, बांका, बांस और ईंटों से हमला कर दिया। पहले पक्ष की ओर से हिमांशु द्विवेदी, उपेन्द्र नाथ द्विवेदी अधिवक्ता और सौरभ द्विवेदी ने आरोप लगाया कि विपक्षियों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से हमला किया, जिसमें हिमांशु व उपेन्द्र नाथ के सिर फट गए। घटना का मोबाइल वीडियो मौजूद होने का भी दावा किया गया है। दूसरे पक्ष की ओर से निर्मला पाण्डेय ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि विपक्षीजन ने कोर्ट के आदेश को मानने से इनकार करते हुए आमीन और महिलाओं के साथ गाली-गलौज व मारपीट की।

पंजाब नैशनल बैंक ...भरोसे का प्रतीक ! **pnb punjab national bank** ...the name you can BANK upon!

तनावग्रस्त अस्तियां प्रबन्धन, मण्डल कार्यालय : लखनऊ
विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ-226010

कब्जा नोटिस (अचल सम्पत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी जोकि पंजाब नैशनल बैंक का प्राधिकृत अधिकारी है, द्वारा वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002, की धारा 13 सपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे दिये गये विवरण के अनुसार ऋणियों को मांग नोटिस जारी किया गया था, जिसके अनुसार मांग नोटिस की तिथि से 60 दिनों के भीतर नोटिस में वार्णित धनराशि का भुगतान बैंक को करने की सूचना ऋणियों /जमानतकर्ता को दी गई थी। **ऋणियों द्वारा बकाया धनराशि का भुगतान करने में असफल रहने पर, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप धारा 4 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतदद्वारा ऋणियों/ उधारकर्ता और आम लोगों को यह नोटिस दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे दी गई सम्पत्तियों का कब्जा ले लिया गया है।**

ऋणियों/ जमानतकर्ताओं /बंधककर्ताओं का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबन्धों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

ऋणियों को विशेष रूप से व जन साधारण को सामान्य रूप से एतदद्वारा विषयगत् सम्पत्तियों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार का संव्यवहार न करने के लिए सावधान किया जाता है और इस सम्बन्ध में किया गया कोई भी संव्यवहार पंजाब नैशनल बैंक के अधोवार्णित प्रभारों व देय ब्याज/ खर्चो के अधीन होगा।

क्र स.	खाता/ऋणी/बंधककर्ता/ का नाम व पता	प्रभारित/बंधक की गई परिसम्पत्ति (परिसम्पत्ति से सभी संबंधित भाग व एवं हिस्सों सहित) का विवरण	डिमाण्ड नोटिस की तिथि / कब्जा नोटिस की तिथि / बकाया शेष
1	**शाखा :बिहारीपुर, लखनऊ (036710) उधारकर्ता– मैसर्स एस एस ट्रेडर्स, प्रो. श्री. अनूप कुमार गुप्ता, एवं श्री अनूप कुमार गुप्ता,** दोनों का पता मकान नंबर सी–13/7128, राजाजीपुरम, आवास विकास कॉलोनी लखनऊ–226017 **जमानतकर्ता–1. श्रीमती निशा गुप्ता पत्नी श्री. अनूप कुमार गुप्ता** निवासी मकान नंबर सी–13/7128, राजाजीपुरम, आवास विकास कॉलोनी लखनऊ–226017, **2. श्री. राकेश कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय श्याम सुंदर गुप्ता** निवासी ई–3301, राजाजीपुरम, आवास विकास कॉलोनी लखनऊ –226017	सभी भाग एवं हिस्सों सहित सम्पत्ति भूमि एवं भवन सहित सी–2331, स्थित ब्लॉक – सी, राजाजीपुरम, लखनऊ– 226017 कुल भूमि क्षे.–59.83 वर्गमी जोकि पंजीकृत विक्रय अभिलेख नं. 824/2019 दिनांक 28–01–2019 के अनुसार श्री अनूप कुमार गुप्ता पुत्र स्वर्गीय श्याम सुंदर गुप्ता के नाम पर है, चौहददी (डीड के अनुसार): पूरबः मकान नंबर सी–2333, पश्चिमःमकान नंबर सी–2329, उत्तरः मकान नंबर सी–2297, दक्षिणः 15 मी. चौड़ी सड़क।	**11.08.2025** / **17.12.2025** / रू. 93,56,367.32 दि. 31-07-2025 तक +ब्याज दिनांक 01.08.2025 से प्रभावी वसूली घटाकर यदि कोई हो तो एवं अन्य खर्चे,
2	**शाखा :इंदिरा मार्केट बाराबंकी (053900) उधारकर्ता– मेसर्स भारत ट्रेडर्स (प्रो. श्री मोहम्मद दिलशाद), श्री मोहम्मद दिलशाद,** दोनों का पता निबलेट चौराहा, जामा मस्जिद के पास, बाराबंकी 225001। **जमानतकर्ता–श्रीमती शीबा खातून,** पता खसरा नंबर 393 का मिन परगना देवा, तहसील नवाबगंज, जिला बाराबंकी–225001, **एवं स्वर्गीय श्रीमती वहीदुल निशा के सभी विधिक उत्तराधिकारी।**	सम्पत्ति आवासीय प्लॉट खसरा नंबर 393 का मिन, स्थित ग्राम पल्टा, परगना देवा, तहसील और जिला बाराबंकी क्षे. 260 वर्गमी. जोकि श्रीमती वहीदुल निशा के नाम पर है। चौहददी (डीड के अनुसार): पूरबःबाराबंकी देवा रोड, पश्चिमःभूमि ग्राम समाज, उत्तरः रास्ता डीड के अनुसार, दक्षिणः डीड के अनुसार विक्रेता का प्लॉट	**24.09.2025** / **16.12.2025** / रू. 23,83,019.66 दि. 31-08-2025 तक +ब्याज वसूली घटाकर यदि कोई हो तो एवं अन्य खर्चे, दिनांक 01.09.2025 से प्रभावी

दिनांक : 20.12.2025 स्थानः लखनऊ **प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक**

23 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव

फेरबदल

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : पुलिस महकमे में एक बार फिर तबादला एक्सप्रेस चली है। इस बार चौकी प्रभारियों में बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया है। आठ चौकी प्रभारियों को हटाते हुए 23 उपनिरीक्षकों का कार्यक्षेत्र बदल दिया गया। वहीं पुलिस लाइन से कईयों को चौकी भेजा गया।

चौकी प्रभारी कस्बा फतेहपुर हरिप्रसाद उपाध्याय को थाना जहांगीराबाद, चौकी प्रभारी कैसरगंज कोठी मो. फिरोज खां को थाना देवा, चौकी प्रभारी भानमऊ थाना कोठी राशिद खां को थाना मसौली, चौकी प्रभारी कस्बा मसौली राहुल शर्मा को थाना दरियाबाद, चौकी प्रभारी हथौधा थाना रामसनेहीघाट बृजभान सिंह चंदेल को थाना सतरिख, चौकी प्रभारी सेंदर थाना घुंघटेर बिशुन कुमार शर्मा को थाना सतरिख, चौकी प्रभारी भगौली थाना बड्डूपुर विनय कुमार यादव को नगर कोतवाली व चौकी प्रभारी पल्हरी थाना सफदरगंज जितेंद्र कुमार को थाना एएचटी भेजा गया है। इसी तरह पुलिस लाइन में रहे उपनिरीक्षक संजय प्रसाद को चौकी प्रभारी बिसुनपुर थाना देवा बनाया गया है।

पुलिस लाइन में रहे शशिकांत सिंह को थाना सुबेहा, राहुल सोनकर को एसएसआई पद पर थाना हैदरगढ़, कमलेश दुबे को एसएसआई पद पर थाना मोहम्मदपुर खाला, राजेश कुमार राव को थाना मोहम्मदपुर खाला, महेश सिंह यादव को थाना कुर्सी, लल्लन प्रसाद को थाना सुबेहा भेजा गया है। थाना एएचटी में रहे अजय कुमार पांडेय को चौकी प्रभारी कस्बा थाना फतेहपुर, एसएसआई थाना मोहम्मदपुर खाला पप्पू सिंह यादव को चौकी प्रभारी रामनगर कोतवाली नगर, इस चौकी के प्रभारी रहे गौरव कुमार सिंह को चौकी प्रभरी पल्हरी थाना सफदरगंज, थाना देवा में रहे शैलेंद्र कुमार यादव को चौकी प्रभारी कैसरगंज थाना कोठी, कोठी थाना में रहे आदित्य पाल को चौकी प्रभारी पोखरा थाना हैदरगढ़ पद पर भेजा गया है।

रैन बसेरों में उपलब्ध कराएं समुचित सुविधाएं

अलाव का निरीक्षण करते सीडीओ। ● अमृत विचार

बाराबंकी, अमृत विचार : भीषण शीतलहर को देखते हुए मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन ने नगर क्षेत्र में संचालित अलावों और रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया। सीडीओ ने प्रमुख चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और रैन बसेरों में जल रहे अलावों की व्यवस्था की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि अलाव नियमित रूप से जलते रहें और रैन बसेरों में समुचित सुविधाओं की व्यवस्था की जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया कि अलावों के आसपास साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा जाए।

कार्यालय नगर पंचायत जनपद–अमेठी

पत्रांक : 324/न0प0अमेठी–नि0सू0/2025 दिनांक– 18.12.2025

ई–निविदा सूचना::

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यो के सम्मुख अंकित मद से निम्नांकित विकास कार्यो को कराये जाने हेतु दिनांक 17.11.2025 तक ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को ई–प्रोक्योरमेण्ट की वेवसाईट etender.up.nic.in पर निर्धारित निविदा मूल्य RTGS/NEFT के माध्यम से नगर पंचायत अमेठी जनपद अमेठी के A/C No-32282606760 (S.B.I.,AMETHI, IFSC Code : SBIN0001158) भुगतान दिनांक 19.12.2025 से दिनांक 03.01.2026 की अपरान्ह 12.00.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 03.01.2026 को अपराहन् 12:00 बजे कार्यालय उपरोक्त में, उपस्थित ठेकेदारों / फर्मो के प्रोपराईटर के समक्ष खोला जायेगा। किन्ही कारणवश, उक्त तिथि में, अवकाश होने पर अगला कार्यदिवस माना जायेगा। निविदा सम्बन्धित नियम व शर्ते, निकाय कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में देखी जा सकती है। कार्यो का विवरण निम्न प्रकार से हैः–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	मद	अनुमानित लागत	जमानत धनराशि 02 %	जमानत धनराशि 08 %	निविदा प्रपत्र मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	नगर पंचायत अमेठी जनपद अमेठी में डायट भवन वार्ड नं 06 में पिंक शौचालय निर्माण कार्य	स्व0भा0मि0 / 15वां वित्त आयोग	15.51 लाख	0.31	1.24	1551.00	60 दिन
2	नगर पंचायत अमेठी जनपद अमेठी के वार्ड नं 03 में स्थित तालाब का सौन्दर्यीकरण कार्य	नगरीय झील/तालाब/पोखर संरक्षण योजना	50.10 लाख	1.10	4.00	5010.00	60 दिन

कार्य सम्बन्धित नियम व शर्ते ई–प्रोक्योरमेण्ट की वेवसाईट etender.up.nic.in पर अथवा कार्यालय नगर पंचायत अमेठी जनपद अमेठी में देखी जा सकती है

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत अमेठी, जनपद अमेठी — **अध्यक्ष, नगर पंचायत अमेठी, जनपद अमेठी**

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
पूर्व में मेरा नाम Mohammad Wasim Khan था,जिसे मैंने बदल कर Mohd Waseem Khan कर दिया है, भविष्य में मुझे सभी उद्देश्यों हेतु Mohd Waseem Khan निवासी 512/595, निशातगंज, लखनऊ के नाम से जाना व पहचाना जाये

सूचना
मैंने अपना नाम AJAMAT JAHAN से बदल कर AZMAT JAHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O:SHAHID AKHTAR R/O:99, ADIL NAGAR RING ROAD TEDI PULIA VIKAS NAGAR LUCKNOW UTTAR PRADESH 226022

सूचना
मेरा 2018 का इंटरमीडिएट का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र अनुक्रमांक 1398917 वास्तव में खो गया है। **नाम सुमित कुमार पुत्र नृपत ग्राम पुराजहांन, पोस्ट चिल्ली, जिला हमीरपुर (उ.प्र.)**

सूचना
मेरे सारे अभिलेख में मेरा नाम चिंगन पुत्र सीताराम दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम सुरेश कुमार पुत्र सीताराम है मुझे चिंगन के नाम से ही जाना जाए। **चिंगन पुत्र सीताराम निवासी मुंडेरवा सरहदी झाली धाम थाना विशेश्वरगंज जिला बहराइच**

सूचना
सूचित हो कि पहले मेरा नाम MOHAMMAD ALEEM था से बदलकर MOHAMMAD ALEEM AHMAD रख लिया है। अब मुझे MOHAMMAD ALEEM AHMAD के नाम से जाना व पहचाना जाये।S/0-QAMRUDDIN AHMAD ADD-292/98, TULSI DAS MARG, CHOWK DIST-LUCKNOW-226003 (U.P.)

सूचना
मैने अपना नाम SULEMAN HAIDER से बदलकर SALMAN HAIDER रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-AHMED HUSAIN ADD-C-3030, SAPNA COLONY C BLOCK RAJAJIPURAM DIST-LUCKNOW-226017(U.P.)

सूचना
मैं NITESH AGGARWAL अपना नाम बदलकर NITESH AGARWAL रख रहा हू अतः मुझे भविष्य मैं इसी नाम से जाना व पहचाना जाये । 422 VIJAY LAXMI NAGAR, SITAPUR, Sitapur, 261001, Uttar Pradesh, INDIA

सूचना
मैं SUDHIR RASTOGI मैने अपना नाम बदलकर SUDHIR KUMAR RASTOGI रख रहा हूँ। अतः मुझे भविष्य मैं इसी नाम से जाना और पहचाना जाये । 16/01, SAROJNI NAIDU MARG, HUSAINGANJ, LUCKNOW, 226001, UTTAR PRADESH

सूचना
मै **प्रमोद कुमार चतुर्वेदी पुत्र श्री गोविन्द माधव चतुर्वेदी निवासी– गढ़ी नवाब न्यामत खा पूर्व (आजाद नगर) नगर व जनपद–फर्रुखाबाद (उ0प्र0)** मेरे (ड्राइविंग लाइसेंस) संख्या– UP7620150015682 में मेरे पिता का नाम (अंग्रेजी में)– GOVIND CHATURVEDI अंकित है जो कि अधूरा नाम है पिता का पूर्ण नाम– गोविन्द माधव चर्तुवेदी (GOVIND MADHAV CHATURVEDI) है। तथा मेरे आधार कार्ड व अन्य प्रपत्रों में मेरे पिता का नाम गोविन्द माधव चर्तुवेदी (GOVIND MADHAV CHATURVEDI) अंकित है जोकि शुद्ध एवं सही है। अतः मेरे (ड्राइविंग लाइसेंस) संख्या UP7620150015682 में पिता का सही नाम अंकित किया जाय।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं हाशमी तबस्सुम आजम हुसेन, पत्नी हाशमी आजम हुसेन, निवासी ग्राम पश्चिमपुरवा रेतवागाडा, जनपद गोण्डा (उ0प्र0) हूँ। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम "तबाससुम (Tabassum) पत्नी आजम हुसैन (Azam Husain) अंकित हो गया था, जो कि गलत है। मेरा सही एवं पूर्ण नाम "हाशमी तबस्सुम आजम हुसेन (Hashmi Tabassum Azam Husen), पत्नी हाशमी आजम हुसेन (Hashmi Azam Husen) है। भविष्य में सभी अभिलेखों एवं दस्तावेजों में यही नाम मान्य समझा जाए एवं अभिलेखित किया जाए।

सूचना
सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि मैं **निखिल चंद्र त्रिपाठी निवासी 186 नियर जलालपुर फाटक लक्ष्मण विहार कालोनी राजाजीपुरम लखनऊ** अपनी पुत्री दिव्या त्रिपाठी जिसका जन्म 27 दिसंबर 2007 को हुआ था उसका हाई स्कूल प्रमाण पत्र यूनिक आईडी 8206065 में 27 दिसंबर 2007 दर्ज है जो की सही है जबकि उसके आधार कार्ड संख्या 593273162763 में 24 अगस्त 2009 दर्ज है जो की गलत है अतः सही जन्मतिथि 27 दिसंबर 2007 ही जानी वह मानी जाए मोबाइल नंबर 8303795044

सूचना
मेरे पुत्र चन्दन शाक्य का चाल चलन अच्छा नहीं है आये दिन मुझसे झगडा फसाद करता रहता है। इस कारण मैं व मेरी पत्नी अपने सभी तरह के रिश्ते मुक्त कर चन्दन शाक्य से समाप्त कर लिए है तथा अपनी समस्त चल अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है इसके द्वारा किये गये किसी कार्य के प्रति हम लोगों की कोई जबाबदेही नहीं होगी। **सुरेशचंद्र पुत्र बाबूराम निवासी कमालपुर पोस्ट बहबलपुर तहसील छिबरामऊ जनपद कन्नौज**

न्यूज ब्रीफ

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का प्रशिक्षण संपन्न

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। ब्लॉक संसाधन केंद्र उसका बाजार में चल रहे तीन दिवसीय को-लोकेटेड आंगनबाड़ी कार्यकत्री का प्रशिक्षण शुक्रवार को समाप्त हुआ। दिव्यांगता के शीघ्र पहचान पर आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 26 आंगनबाड़ी कार्यकत्री को प्रशिक्षित किया गया। जिसका उद्देश्य दिव्यांग बच्चों की दिव्यांगता का शीघ्र पहचान कर उन्हें सरकारी सुविधाएं और इलाज दिलाना है। समापन पर शुक्रवार को समीक्षा करते हुए बीईओ ओमप्रकाश मिश्र ने बताया कि कार्य क्षेत्र में ऐसे दिव्यांग बच्चों की पहचान करें जिससे उनको उपचारात्मक सहायता मिल सके।

पुलिस ने 34 वारंटियों को किया गिरफ्तार

कुशीनगर, अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों व वांछित वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को जनपद के विभिन्न थानों द्वारा कार्यवाही करते हुए कुल 34 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया।

परिवर्तित मार्ग से चलाई जाएंगी ट्रेनें

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु लखनऊ मंडल के जहांगीराबाद स्टेशन यार्ड में सिगनलिंग कार्य किये जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा। मार्ग परिवर्तन-उधना से 21 एवं 28 दिसम्बर को चलने वाली 05560 उधना-रक्सौल निर्धारित मार्ग बाराबंकी-गोंडा-गोरखपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-मनकापुर के रास्ते चलाई जायेगी।

अपठनीय आदेश कदाचार की श्रेणी में

न्यायिक आदेशों की अपठनीय लिखावट पर उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने जताई चिंता

- रजिस्ट्रार जनरल को सभी जिला न्यायाधीशों को पुनः निर्देश प्रसारित करने का दिया निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्यायिक आदेशों की अपठनीय लिखावट पर गंभीर चिंता जताते हुए रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया है कि वे इस संबंध में सभी जिला न्यायाधीशों को पुनः निर्देश प्रसारित करें। जिससे उनके अधीनस्थ न्यायिक अधिकारी आदेश पत्र सुपाठ्य लिखावट में लिखें या अनिवार्य रूप से टाइप करवाएं। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की एकलपीठ ने वर्ष 2018 के हत्या के प्रयास के मामले में बब्बू उर्फ हैदर की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया।

हालांकि कोर्ट ने याची को जमानत दे दी, लेकिन बागपत के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा तैयार किए गए आदेश पत्र की गुणवत्ता पर कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने पाया कि पूर्व में पारित हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद आदेश पत्र अस्पष्ट और अपठनीय थी।

ट्रायल जज द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में यह स्वीकार किया गया था कि वे धारा 482 के तहत वर्ष 2023 में पारित आदेश से पूर्णतः अवगत थीं, फिर भी उसका पालन नहीं किया गया। कोर्ट ने इसे हाईकोर्ट के आदेश की स्पष्ट अवहेलना माना, हालांकि इस स्तर पर किसी कठोर प्रशासनिक कार्रवाई से परहेज किया। आदेश में आगे यह भी कहा गया कि कोर्ट आशा करता है कि संबंधित अधिकारी भविष्य में अधिक सावधानी बरतेंगी। भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से हाईकोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल को निर्देश दिया कि वे समन्वय पीठ के पूर्व आदेश को सभी जिला न्यायाधीशों को पुनः प्रसारित करें।

मालूम हो कि वर्ष 2023 में कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि अधीनस्थ न्यायालयों में आदेश पत्रक टाइप किए जाएं और यदि अपरिहार्य परिस्थितियों में ऐसा संभव न हो, तो आदेश स्पष्ट और सुपाठ्य हस्तलेख में लिखे जाएं। कोर्ट ने इस मामले को ध्यान में रखते हुए कि याची को पूर्व में भी जमानत मिल चुकी थी और उसने अपने आपराधिक इतिहास का संतोषजनक स्पष्टीकरण दिया था, इसलिए कोर्ट ने उसे जमानत पर रिहा कर दिया। गौरतलब है कि इससे पूर्व वर्ष 2021 में भी इलाहाबाद हाईकोर्ट ने टिप्पणी की थी कि पेशकारों और कोर्ट रीडर्स का दायित्व है कि वे कोर्ट के आदेश सुपाठ्य रूप में लिखें, अन्यथा इसे कदाचार माना जा सकता है।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना

आय का प्राथमिक स्रोत निर्णायक न कि भूमि का नाम : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कल्याणकारी योजनाओं की उदार व्याख्या पर जोर देते हुए स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत लाभ प्रदान करने के लिए यह देखना आवश्यक है कि मृतक किसान की आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि था या नहीं। न कि केवल यह कि कृषि भूमि राजस्व अभिलेखों में उसके नाम दर्ज थी या नहीं।

न्यायमूर्ति अजीत कुमार एवं न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने 28 फरवरी 2020 के सरकारी आदेश का हवाला देते हुए कहा कि योजना का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वाले किसानों के आश्रितों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इसमें यह अनिवार्य शर्त नहीं है कि भूमि मृतक के नाम पर ही दर्ज हो। कोर्ट ने कहा कि जांच का वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या मृतक मुख्य रूप से कृषि कार्य में संलग्न था और क्या कृषि ही उसके व परिवार के भरण-पोषण का प्रमुख साधन थी। न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि ग्रामीण परिवेश में प्रायः भूमि परिवार के सबसे बड़े सदस्य के नाम पर दर्ज रहती है, जबकि अन्य सदस्य संयुक्त रूप से खेती करते हैं। वर्तमान मामले के अनुसार याची श्रीमती गायत्री देवी के पति की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी और उन्होंने अपर जिला मजिस्ट्रेट, कन्नौज द्वारा पारित आदेश को वर्तमान याचिका में चुनौती दी थी। याची के पति अपने पीछे पिता, पत्नी और तीन नाबालिग बच्चों को छोड़ गए थे। मृतक अपने दादा की भूमि पर कृषि कार्य करता था और उसकी आजीविका का मुख्य स्रोत खेती थी। इसके बावजूद प्राधिकरण ने यह कहते हुए दावा खारिज कर दिया कि मृतक एक जनरल स्टोर/चूड़ी की दुकान चलाता था और भूमि उसके नाम पर नहीं थी। इस अस्वीकृति को चुनौती देते हुए दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पाया कि यह साबित करने के लिए कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया कि मृतक किसान न होकर दुकानदार था।

कोर्ट ने यह भी कहा कि याची द्वारा प्रस्तुत वह सामग्री, जिससे यह स्पष्ट होता था कि दुकान उसका बहनोई चलाता था और मृतक किसान था, उसे प्राधिकरण ने बिना समुचित विचार के नजरअंदाज कर दिया। न्यायालय ने रिट याचिका स्वीकार कर ली और संबंधित प्राधिकरण को निर्देश दिया कि याची को सुनवाई का अवसर प्रदान कर उसके दावे पर नए सिरे से विचार किया जाए।

आत्म मूल्यांकन के आधार पर पुनर्मूल्यांकन का आदेश अनुचित

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंटरमीडिएट परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन की मांग को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम, 1921 में पुनर्मूल्यांकन का कोई प्रावधान नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक सरन की एकलपीठ ने मेरठ निवासी फैज़ क़मर द्वारा दाखिल याचिका को खारिज करते हुए दिया। याचिका में वर्ष 2025 की इंटरमीडिएट परीक्षा के हिंदी और जीवविज्ञान विषयों में दिए गए अंकों पर असंतोष जताते हुए पुनर्मूल्यांकन की मांग की गई थी। याची का कहना था कि उसने परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन किया था। अपेक्षा से कम अंक मिलने के कारण उसने उत्तरपुस्तिकाओं की जांच के बाद आपत्ति दर्ज कराई थी, जिसे बोर्ड ने अस्वीकार कर दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अधिनियम के तहत सन्निरीक्षा का अर्थ केवल अंकों की गणना, जोड़ या किसी प्रश्न पर अंक छूटने जैसी त्रुटियों की जांच तक सीमित है, न कि उत्तरों के पुनर्मूल्यांकन तक। केवल परीक्षार्थी की अपेक्षा या आत्म-मूल्यांकन के आधार पर पुनर्मूल्यांकन का आदेश नहीं दिया जा सकता।

ट्रायल कोर्ट द्वारा न्यायिक प्रक्रिया में बदलाव अनुमन्य नहीं: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डकैती अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की कार्यवाही को व्याख्यापित करते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश डकैती प्रभावित क्षेत्र अधिनियम, 1983 एक विशेष अधिनियम है। इस अधिनियम की धारा -सात विशेष रूप से विशेष न्यायालय की प्रक्रिया एवं शक्तियों का प्रावधान करती है। जिसका गठन दंड प्रक्रिया संहिता की धारा -पांच के अंतर्गत किया गया है। यह विशेष न्यायालय, सत्र न्यायाधीश अथवा अपर सत्र न्यायाधीश द्वारा गठित होता है। न्यायाधीशों को अनुसूचित अपराधों का परीक्षण दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार करने का अधिकार है। विशेष अधिनियम से जुड़े मामलों में दंड प्रक्रिया संहिता की सामान्य प्रक्रिया लागू नहीं की जा सकती है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगर निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाता है, तो यह न केवल अवैध है, बल्कि अधिकारिता के अभाव को भी दर्शाता है। ट्रायल कोर्ट द्वारा सुविधा या प्रचलन के आधार पर प्रक्रिया बदलना स्वीकार्य नहीं है। उक्त टिप्पणी न्यायमूर्ति नंद प्रभा शुक्ला ने झांसी स्थित विशेष न्यायाधीश (डकैती प्रभावित क्षेत्र) द्वारा पारित 26 जून 2024 और 30 मई 2025 के आदेशों को निरस्त कर संजय अग्रवाल की याचिका को स्वीकार करते हुए की और कहा कि चूंकि झांसी जनपद को डकैती प्रभावित क्षेत्र घोषित किया गया है और उत्तर प्रदेश डकैती प्रभावित क्षेत्र अधिनियम, 1983 की धारा 2(ख) के अंतर्गत आईपीसी की धारा 392 (लूट) को अनुसूचित अपराध के रूप में वर्गीकृत किया गया है, इसलिए ऐसे मामलों का ट्रायल दंड प्रक्रिया संहिता के अध्याय-18 के तहत सत्र वाद के रूप में ही किया जाना अनिवार्य है।

राजा मानसिंह का ऑफिस और भवन किया गया कुर्क

सरियावां गांव स्थित राजा मानसिंह के ऑफिस को कुर्क करने के दौरान मौजूद थाना पूराकलंदर प्रभारी मनोज कुमार शर्मा व अन्य।

अयोध्या, अमृत विचार। थाना पूराकलंदर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के आरोपी सपा नेता व जिला पंचायत सदस्य राजा मानसिंह व उसकी पत्नी नीतू सिंह द्वारा आपराधिक कृत्यों से अर्जित की गई अवैध संपत्ति को कुर्क करने का सिलसिला जारी है। थाना प्रभारी मनोज कुमार शर्मा, थाना प्रभारी राम जन्मभूमि अभिमन्यु शुक्ला व राजस्व टीम की मौजूदगी में शुक्रवार को सरियावां गांव में गाटा संख्या-103 पर स्थित उसका ऑफिस व भवन को कुर्क किया गया। इसकी अनुमानित कीमत करीब दो करोड़ रुपये है। पूराकलंदर थाना प्रभारी ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय के आदेश पर यह कार्रवाई की गई।

खेल से होता है बच्चों का संपूर्ण विकास

संवाददाता सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। भीषण ठंड के बावजूद खिलाड़ियों के जोश ने स्पोर्ट्स स्टेडियम को गर्माहट से भर दिया। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय विधायक खेल स्पर्धा का उद्घाटन सदर विधायक श्याम धनी राही ने किया। जिला स्टेडियम में सदर विधायक ने कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास का मजबूत आधार है। विधायक खेल स्पर्धा के माध्यम से बुद्ध भूमि के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने, प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव हासिल करने और आगे चलकर देश-विदेश में प्रदर्शन का अवसर मिलेगा। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन, नियमित अभ्यास और खेल भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। पहले दिन आयोजित वॉलीबॉल प्रतियोगिता में श्री सिंहेश्वर इंटर कॉलेज की टीम ने विजेता का खिताब अपने नाम किया जबकि बुद्ध नगर की टीम उपविजेता रही। व्यक्तिगत मुकाबलों में रंजन यादव, अक्षय कुमार, मोनिका, उजाला और स्नेहा ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मेडल्स जीते। खिलाड़ियों की तकनीक, फिटनेस और आत्मविश्वास ने चयनकर्ताओं व दर्शकों को प्रभावित किया। संचालन नियाज कपिलवस्तुवी ने किया। इस मौके पर आशुतोष अग्निहोत्री, बलवंत यादव, गंगा प्रसाद प्रजापति, रामकुमार सिंह, अरुण प्रजापति, संतोष श्रीवास्तव, जयराम यादव, शेषमणि पांडेय, उपेन्द्र उपाध्याय, सत्येन्द्र गुप्ता, विजय लक्ष्मी यादव, देवेंद्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

विधायक खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन करते सदर विधायक श्याम धनी राही। अमृत विचार

अंगद टीला पर की जाएगी दस हजार भक्तों के बैठने की व्यवस्था

अयोध्या कार्यालय

- प्रतिष्ठा द्वादशी उत्सव : 31 को मुख्यमंत्री व रक्षामंत्री करेंगे रामलला का अभिषेक

अमृत विचार। भव्य मंदिर में विराजमान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर 29 दिसंबर से शुरू होने जा रहे समारोह को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 31 दिसंबर को प्रतिष्ठा मुहूर्त पर रामलला का अभिषेक करेंगे। रामलला को प्रतिष्ठा द्वादशी के प्रथम दिन पीतांबरी पहनाई जाएगी। आयोजन आम श्रद्धालुओं से भी जुड़े इसके लिए अधिकतर कार्यक्रमों को राम मंदिर के निकास द्वार अंगद टीला पर किया जाएगा। जहां 10,000 से अधिक श्रद्धालुओं के बैठने की भी व्यवस्था की जा रही है।

श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के अनुसार कई वीआईपी भी इसमें शामिल होंगे। अंगद टीला स्थल पर भी एक जर्मन हैंगर टेंट लगाया जाएगा। जहां पर श्री राम कथा, भजन संध्या का भी कार्यक्रम किया जाएगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा, ट्रस्ट ने आम लोगों को आमंत्रित करने का फैसला किया है। जो पिछले साल अभिषेक समारोह में शामिल नहीं हो सके थे। उन्हें अंगद टीला में पांच दिनों के कार्यक्रमों में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी।

महिलाएं करेंगी प्राकृतिक खेती का नेतृत्व

कृषि सखी प्रशिक्षण

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार। जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल के तहत पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में कुशीनगर के 14 विकास खंडों से चयनित कुल 82 कृषि सखियों ने सहभागिता की जिन्हें कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

उप कृषि निदेशक अतिंद्र सिंह ने बताया कि खेतों को रसायन मुक्त की दिशा में महिलायें काम करेंगी। मुख्य अतिथि राजेश्वर सिंह दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री ने महिलाओं में उद्यमिता विकास, महिला सशक्तिकरण, कृषि उद्यमिता की भूमिका व महिलाओं अधिकारों के प्रति जागरूकता पर प्रकाश डाला। कुशीनगर में संचालित विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए प्राकृतिक खेती को आजीविका सृजन से जोड़ने पर बल दिया। कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की लागत घटाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है। कार्यक्रम में डॉ. पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, प्रधान, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, सरगटिया ने सब्जी उत्पादन एवं बीज उत्पादन में प्राकृतिक खेती की वैज्ञानिक विधियों पर मार्गदर्शन किया। इस मौके पर डॉ. अरुण प्रताप सिंह, हरिशंकर नारायण, बृजेश गोंड, श्रुति सिंह, रिद्धि वर्मा, विशाल सिंह, मोतीलाल कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

कृषि सखियों को प्रशिक्षण के बाद प्रशस्ति पत्र देते अतिथि। अमृत विचार

कथावाचक मामले में डीजीपी ने एसपी से मांगा स्पष्टीकरण

संवाददाता बहराइच

- सपा प्रमुख अखिलेश यादव के ट्वीट के बाद बढ़ी मुश्किल

अमृत विचार। लगभग एक माह पूर्व पुलिस परेड ग्राउंड पर हुई श्रीमद्भागवत कथा को लेकर पुलिस अधीक्षक की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। डीजीपी राजीव कृष्ण ने पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह से स्पष्टीकरण तलब किया है। पुलिस महानिदेशक की यह कार्रवाई सपा प्रमुख आखिलेश यादव व भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर रावण की ओर से किये गये ट्वीट के बाद मानी जा रही है। बीते माह 8 से 14 नवम्बर तक पुलिस परेड ग्राउंड पर श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया था। वृंदावन से आए कथा वाचक पुंडरीक महाराज ने कथा सुनाई थी। बीते दिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने फेसबुक अकाउंट से एक वीडियो क्लिप जारी की। इसमें कथावाचक पुंडरीक महराज और एसपी रामनयन सिंह परेड की सलामी ले रहे हैं। सपा प्रमुख ने इस वीडियो क्लिप को जारी करते हुए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाये। इस वीडियो के वायरल होने पर भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर रावण ने इसे लोकतंत्र को खत्म करने की बात कहते हुए शासन-प्रशासन की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाये। इन घटनाओं के बाद यूपी पुलिस के ट्विटर हैंडल से 18 दिसंबर को एक मैसेज दिया गया कि जनपद बहराइच में आयोजित एक कार्यक्रम में पुलिस परेड ग्राउंड के अनधिकृत उपयोग का पुलिस महानिदेशक द्वारा संज्ञान लिया गया है।

नपा हाटा और नपं सुकरौली को मिली सौगात

कुशीनगर, अमृत विचार। हाटा विधायक मोहन वर्मा के प्रस्ताव पर नगर विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित एवं मलिन बस्ती विकास योजना के तहत शासन द्वारा धन स्वीकृति किया गया है। विधायक मोहन वर्मा ने नगर विकास मंत्री एके शर्मा को पत्र लिखकर सूडा के द्वारा विकास कराये जाने के लिए अनुरोध किया था। हाटा विधानसभा क्षेत्र के नगरपालिका परिषद हाटा व नगर पंचायत सुकरौली में राज्य नगरीय विकास अभिकरण (सूडा) द्वारा क्रमशः रुपये तीन करोड़ (हाटा नगर पालिका परिषद) तथा रुपये एक करोड़ (नगर पंचायत सुकरौली) के लिए स्वीकृत हुआ है। शासन ने जिलाधिकारी को डीपीआर उपलब्ध कराये जाने हेतु पत्र भेजा है। विधायक द्वारा दिए गये प्रस्ताव में सड़क निर्माण, नाली निर्माण व स्ट्रीट लाइट लगाये जाने का अनुरोध किया था जिसकी स्वीकृति मिलने पर नगर के लोगों में खुशी है।

डीएम ने किया धान क्रय केंद्रों का निरीक्षण

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा धान क्रय केंद्र जोगिया का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान विपणन शाखा के धान क्रय केंद्र जोगिया ए एवं जोगिया बी के निरीक्षण के समय केंद्र प्रभारी विद्यासागर विपणन निरीक्षण उपस्थित मिले। उनके प्रभार वाले दोनों क्रय केन्द्रों पर कुल 5737.20 कु. धान 86 किसानों से खरीद किया गया है। दोनों केन्द्रों पर छह किसानों की तौल की जा चुकी थी। मौके पर किसान महबूब की तौल की जा रही थी। किसान ने बताया कि यहां धान बेचने में कोई असुविधा नहीं है। अधिकारी ने क्रय संस्था पीसीयू के क्रय केन्द्र पथरा बाजार का भी निरीक्षण किया। क्रय प्रभारी सचिव रामफेर यादव उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान जिला खाद्य विपणन अधिकारी रमेश कुमार एवं पीसीयू के जिला प्रबंधक सुधांशु श्रीवास्तव मौजूद रहे।

सर्दियों में बढ़ रहा चेहरे के लकवे का खतरा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। लकवा के मामले बढ़ते देखे जा रहे हैं। ठंड में सिर और कान खुला रखकर बाहर निकलने के लायक नहीं है। इससे चेहरे की नसों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है और लकवा की आशंका बढ़ जाती है। ये जानकारी माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध संयुक्त जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. सुभाष यादव ने दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लकवा के मामले का प्रभाव अधिक देखने को मिल रहा है। पिछले छह महीने में उनके पास करीब 30 से 40 पीड़ित इलाज के लिए आ चुके हैं। उनके अनुसार हेरपेस वायरस का संक्रमण गंदे पानी का सेवन और अधिक ठंड के कारण कान के पीछे की नसों या चोट लकवे के कारण हैं। बताया कि ठंड में बिना मोफलर और गर्म टोपी के निकलना जोखिम भरा हो सकता है। बताया कि लकवे का इलाज संभव है लेकिन यदि समय पर उपचार शुरू किया जाए।

खाद वितरण के दौरान सचिव व किसान भिड़े

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र ढेबरूआ के धनौरा बुजुर्ग गांव निवासी जमुना ने पुलिस को लिखित शिकायती पत्र देकर सोसायटी के सचिव व अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जमुना का कहना है कि वह एक किसान है जो खाद के लिए कई दिनों से सोसायटी का चक्कर लगा रहा है। गुरुवार को वह डढ़ऊल स्थिति साधन सहकारी समिति बी पैक्स बैरिहवा सोसायटी पर यूरिया लेने गया था। सुबह से ही नंबर में लगा हुआ था वहां के सचिव शेषराम को अपना कार्ड दे दिया जो जमा करने के बाद मांगने पर साफ-साफ मना कर दिया गया और खाद भी नहीं दिया गया। इस बात को लेकर शेषराम का लड़का तथा अन्य परिवार के लोग गालियां देने लगे। वहीं सचिव का मोबाइल स्विच ऑफ होने पर कोई जानकारी नही मिल पायी थी।

जिलाधिकारी ने उद्यमियों से की उद्योग स्थापना की अपील

कुशीनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 की लक्ष्यपूर्ति से संबंधित समीक्षा बैठक हुई। बैठक में विभिन्न विभागों को आवंटित लक्ष्यों की विभागवार गहन समीक्षा की गई तथा अपेक्षित प्रगति न होने पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।समीक्षा के दौरान कृषि विभाग को आवंटित 10 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक कोई ठोस प्रगति न होने पर जिलाधिकारी ने जनपद में कोल्ड स्टोरेज एवं कृषि आधारित औद्योगिक इकाइयों की स्थापना हेतु ठोस प्रयास किए जाने के निर्देश दिए। आयुष विभाग के 100 करोड़ रुपये के लक्ष्य के सम्बन्ध में बताया गया कि वर्तमान में जनपद में केवल दो फार्मेसी संचालित हैं, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा लक्ष्य की पूर्ति के निर्देश दिए गए।गन्ना विभाग द्वारा बताया गया कि कप्तानगंज क्षेत्र में एथनॉल फैक्ट्री का संचालन प्रस्तावित है, परंतु अन्य प्रगति अपेक्षित नहीं है। इस पर जिलाधिकारी ने पूर्व में गोरखपुर के एक व्यवसायी द्वारा उद्योग स्थापना के सम्बन्ध में की गई वार्ता का उल्लेख करते हुए, उन्हें पुनः मोटिवेट कर सहमति दिलाने हेतु जिला गन्ना अधिकारी को निर्देशित किया। डीएम ने उद्यमियों, निवेशकों एवं व्यवसायिक संस्थाओं से अपील करते हुए कहा कि कुशीनगर में उद्योग स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण, प्रशासनिक सहयोग, त्वरित स्वीकृतियां एवं शासन की विभिन्न प्रोत्साहन योजनाएं उपलब्ध हैं।

डीएम ने श्री साईं फार्मा क्लीनिक की जांच के दिये आदेश

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। बर्डपुर स्थित श्री साईं फार्मा क्लीनिक में गर्भस्थ शिशु की मौत और कथित अवैध ऑपरेशन के मामले में प्रशासनिक कार्रवाई हुई है। डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने मामले में सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया को जांच के आदेश दिये हैं। सीएमओ ने बर्डपुर सीएचसी अधीक्षक डॉ. सुबोध चंद्र को प्राथमिक जांच सौंपी है। जांच में क्लीनिक की पंजीकरण की वैधता, वहां किये गये उपचार, डिलीवरी और कथित ऑपरेशन की प्रक्रिया की वैधानिकता पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा। यह कार्रवाई तब सामने आई जब पीड़ित आशीष ने पहले ही सीएमओ कार्यालय में लिखित शिकायत दी थी। उस समय सीएमओ ने जानकारी नहीं होने की बात कही थी। मीडिया में मामला उजागर होने व डीएम के संज्ञान के बाद जांच के आदेश ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं। इस ताजा घटना ने जिले में पहले से चल रहे फर्जी डिग्री और अवैध अस्पतालों के आरोपों को फिर से चर्चा में ला दिया है।

आजमगढ़ से 24 व अजमेर से 26 को चलेगी विशेष ट्रेन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 05105/05106। आजमगढ़-अजमेर-आजमगढ़ विशेष गाड़ी का संचलन आजमगढ़ से 24 दिसम्बर तथा अजमेर से 26 को एक फेरे के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05105 आजमगढ़-अजमेर विशेष गाड़ी 24 दिसम्बर को आजमगढ़ से 17.30 बजे प्रस्थान कर मुहम्मदाबाद से 18.00 बजे, मऊ से 18.35 बजे, भटनी से 21.00 बजे, देवरिया सदर से 21.30 बजे, गोरखपुर से 22.55 बजे, खलीलाबाद से 23.35 बजे, दूसरे दिन बस्ती से 00.05 बजे, गोंडा से 01.45 बजे, बुढ़वल से 03.30 बजे, सीतापुर जं. से 05.37 बजे, शाहजहांपुर से 07.00 बजे, बरेली से 07.57 बजे, मुरादाबाद से 09.20 बजे, गाजियाबाद से 11.55 बजे, दिल्ली से 13.25 बजे, दिल्ली कैंट से 14.02 बजे, गुड़गांव से 14.17 बजे, रेवाड़ी से 15.20 बजे, रींगस से 17.35 बजे, फुलेरा से 19.12 बजे पहुंचेगी। उक्त जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

न्यूज ब्रीफ

एबीवीपी ने डीयू में किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने शुक्रवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में हाल ही में कराई गई सेमेस्टर परीक्षाओं में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए विरोध-प्रदर्शन किया और विश्वविद्यालय प्रशासन से तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की। एबीवीपी ने कहा कि परीक्षा के दौरान छात्रों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा और कई केंद्रों पर प्रश्न पत्र समय पर वितरित नहीं किए गए, जिससे देरी हुई। एबीवीपी के दिल्ली प्रदेश सचिव सार्थक शर्मा ने कहा कि लापरवाही ने विश्वविद्यालय की विश्वसनीयता को धूमिल कर दिया है।

प्रियंवद को मिला पराग लेखक पुरस्कार

नई दिल्ली। इस साल का पराग लेखक पुरस्कार प्रख्यात लेखक प्रियंवद को उनकी विशिष्ट भाषाई शैली और बाल साहित्य में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया है। टाटा ट्रस्ट की प्रमुख पहल 'पराग' के तहत यह पुरस्कार दिया गया। यहां इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'पराग उत्सव 2025' का आयोजन किया गया। इस समारोह में उन लेखकों, प्रकाशकों और चित्रकारों को सम्मानित किया गया, जो अपनी कला से बच्चों के साहित्य को नई ऊंचाई दे रहे हैं। पराग इलस्ट्रेटर प्राइज़ से ऋषि सहानी को सम्मानित किया गया।

35 मामलों में वांछित नक्सली का सरेंडर

रांची। झारखंड के लातेहार जिले में शुक्रवार को 35 आपराधिक मामलों में वांछित एक नक्सली ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि आलोक यादव उर्फ चंद्रशेखर कुमार यादव बालूमाथ थाना क्षेत्र के भागिया गांव का निवासी है। आलोक प्रतिबंधित 'पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएलएफआई) का सक्रिय सदस्य था। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि आलोक पर एक लाख रुपये का इनाम था।

मोदी से मिले भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष

नई दिल्ली। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने नई जिम्मेदारी संभालने के बाद शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन जी से मुलाकात की। उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी।

नोएडा के थाने में महिला वकील की अवैध हिरासत, यौन उत्पीड़न पर सुप्रीम सख्ती

केंद्र व राज्य सरकार से मांगा जवाब, थाने की सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

घायल की रिपोर्ट लिखने पर जोर दिया तो भड़की पुलिस

याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता को केवल अपने पेशेवर कर्तव्य का निर्वहन करने और गंभीर रूप से घायल अपने मुवक्किल के लिए अनिवार्य प्राथमिकी दर्ज कराने पर जोर देने के कारण निशाना बनाया गया। याचिका में दावा किया गया है, पुलिसकर्मियों द्वारा याचिकाकर्ता की गर्दन पर सरकारी पिस्तौल रखकर और उसे मोबाइल फोन का पासवर्ड सौंपने के लिए मजबूर करने के कारण उसकी जान को खतरा पैदा हो गया। उसे फर्जी मुठभेड़ में जान से मारने की लगातार धमकियां भी दी गईं। आरोप लगाया गया है कि अधिकारियों ने पुलिस स्टेशन परिसर से सीसीटीवी प्रणाली को दुर्भावनापूर्ण तरीके से निष्क्रिय कर दिया या हटा दिया, जो उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्धारित बाध्यकारी आदेश का घोर उल्लंघन था।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के नोएडा स्थित एक पुलिस थाने में मुवक्किल की पैरवी में गई महिला वकील को अवैध रूप से हिरासत में रखने और उसका यौन उत्पीड़न किए जाने के मामले में शुक्रवार को केंद्र और राज्य सरकार जवाब तलब किया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने गौतमबुद्ध नगर जिले के पुलिस आयुक्त को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि थाने में लगे सीसीटीवी कैमरे की संबंधित अवधि की फुटेज को हटाया या नष्ट न किया जाए, बल्कि उसे सीलबंद लिफाफे में रखा जाए।

महिला अधिवक्ता ने अपनी याचिका में दावा किया है कि तीन दिसंबर की देर रात नोएडा के सेक्टर 126 पुलिस थाने में पुलिसकर्मियों ने उसे 14 घंटे तक अवैध हिरासत में रखा और इस दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया गया। उसने कहा है कि वह अपने मुवक्किल के प्रति अपने पेशेवर कर्तव्य का निर्वहन कर रही थी, लेकिन उसे हिरासत में रखकर यातनाएं दी गईं और जोर-जबरदस्ती की गई। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि यह एक बेहद घिनौना मामला है, जिसमें एक महिला अधिवक्ता का यौन उत्पीड़न किया गया और उसे अवैध हिरासत में रखा गया। सिंह ने कहा, यह बेहद घिनौना मामला दिल्ली के आसपास ही घट रहा है। अगर यह नोएडा में हो रहा है तो पूरे देश की हालत के बारे में सोचिए।

पीठ ने कहा कि सामान्यतया वह संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका पर विचार नहीं करती और याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने की स्वतंत्रता देती है।शीर्ष अदालत ने कहा था कि वह पहले से ही राजस्थान के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने से संबंधित एक अलग मामले पर सुनवाई कर रही है। पीठ ने कहा, हालांकि, याचिका में लगाए गए गंभीर आरोपों और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि यह मामला पुलिस थाने में घटना के दौरान सीसीटीवी कैमरों को अवरुद्ध करने से भी संबंधित है, हम इस याचिका पर विचार कर रहे हैं। नोटिस जारी करें, जिसका जवाब सात जनवरी को देना होगा। सिंह ने इसके बाद, याचिकाकर्ता की सुरक्षा का मुद्दा उठाया तो पीठ ने कहा, इस आदेश के पारित होने के बाद वे उसे छूने की भी हिम्मत नहीं करेंगे।

दिल्ली हवाई अड्डे पर एआई के पायलट ने यात्री से की मारपीट

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर शुक्रवार को एयर इंडिया एक्सप्रेस के एक पायलट ने कथित तौर पर एक यात्री पर हमला किया। एयरलाइन ने जांच लंबित रहने तक आरोपी पायलट को निलंबित कर दिया है। घटना के समय पायलट ड्यूटी पर नहीं था। यात्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में अपने साथ हुई घटना को साझा किया, जिसमें झगड़े के बाद उसके चेहरे पर खून दिख रहा था। उसने पायलट की भी एक तस्वीर साझा की।

एयरलाइन ने कहा कि वह दिल्ली हवाई अड्डे पर हुई घटना से अवगत है, जिसमें उसका एक कर्मचारी, जो किसी अन्य एयरलाइन में यात्री के रूप में यात्रा कर रहा था, दूसरे यात्री के साथ झगड़े में शामिल था। एयरलाइन ने कहा कि हम इस तरह के व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं। संबंधित कर्मचारी को जांच लंबित रहने तक तत्काल प्रभाव से आधिकारिक कर्तव्यों से हटा दिया गया है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

अवसरों के साथ परिणामों में भी समानता जरूरी : मुर्मू

हैदराबाद, एजेंसी

● लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलीं राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि लोक सेवा आयोगों को न केवल अवसर की समानता के संवैधानिक आदर्श का पालन करना चाहिये बल्कि ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए परिणामों की समानता प्राप्त करने की भी कोशिश करनी चाहिये।

राष्ट्रपति ने हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में तेलंगाना लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के मौके पर कहा कि संविधान निर्माताओं ने संविधान का एक पूरा भाग सेवाओं एवं लोक सेवा आयोगों को समर्पित किया है, जो संघ एवं राज्य स्तर पर उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाओं को रेखांकित करता है। राष्ट्रपति ने सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय के संवैधानिक आदर्शों का हवाला देते हुए कहा कि लोक सेवा आयोग समानता एवं निष्पक्षता को बढ़ावा देने में परिवर्तनकारी एजेंट का कार्य करते हैं। उन्होंने इस कहा कि "स्थायी कार्यपालिका" में कार्यरत सिविल सेवकों की सत्यनिष्ठा, संवेदनशीलता एवं सक्षमता प्रभावी शासन एवं जन-केंद्रित नीतियों को लागू करने के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि कौशल की कमियों को प्रशिक्षण द्वारा पूरा किया जा सकता है लेकिन सत्यनिष्ठा की कमी से समझौता नहीं किया जा सकता है क्योंकि इससे ऐसी चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं जिन पर काबू पाना असंभव हो सकता है। राष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि युवा सिविल सेवकों को हाशिए पर रह रहे एवं कमजोर वर्ग के लोगों की सेवा करने के लिए प्रेरित होना चाहिये।

तमिलनाडु और गुजरात की मसौदा सूची से 1.71 करोड़ मतदाता बाहर

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत शुक्रवार को प्रकाशित तमिलनाडु और गुजरात की मसौदा मतदाता सूची में करीब 1.71 करोड़ मतदाताओं के नाम नहीं मिले। दोनों राज्यों में 27 अक्टूबर तक कुल मतदाताओं की संख्या 11.49 करोड़ थी, जिनमें से 9.78 करोड़ मतदाताओं के नाम मसौदा मतदाता सूची में हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, तमिलनाडु में 6.41 करोड़ मतदाताओं में से 5.43 करोड़ यानी 84.81 प्रतिशत ने अपने गणना प्रपत्र जमा किए। तमिलनाडु में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। गुजरात में 5.08 करोड़ मतदाताओं में से 4.34 करोड़ मतदाताओं (यानी 85.50 प्रतिशत) ने अपने गणना प्रपत्र जमा किए। पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, पुडुचेरी और लक्षद्वीप की मसौदा मतदाता सूची 16 दिसंबर को प्रकाशित की गई। इन तीन राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की मतदाता सूची में 12.32 करोड़ मतदाताओं के नाम पाए गए।

● 11.49 करोड़ मतदाताओं में से 9.78 करोड़ के नाम ही दर्ज

मैं भी हूं सेंटा क्लाज...

क्रिसमस पर्व 25 दिसंबर को धूमधाम से मनाया जाएगा। यीशु मसीह के आगमन की खुशी मनाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। घर से बाजार तक खुशी मनाने के लिए तैयार हैं। स्कूलों में भी बच्चे उत्साहित हैं। सिलीगुड़ी में शुक्रवार को एक स्कूल में सांता क्लॉज की वेशभूषा धारण किए हुए बच्चे।

मैसी के टूर प्रमोटर के घर एसआईटी ने की छापेमारी

कोलकाता। कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में 13 दिसंबर को मशहूर फुटबालर लियोनल मैसी के जी.ओ.ए.टी. इंडिया टूर के दौरान हुई अभूतपूर्व हिंसा की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शुक्रवार को मुख्य प्रमोटर सतादु दत्ता के हुगली जिले के रिषरा स्थित घर पर छापेमारी की। एसआईटी अधिकारियों ने दत्ता के घर पर सुबह 7:30 बजे से 11 बजे तक तीन घंटे से अधिक समय तक छापेमारी की और अर्जेंटीना के फुटबॉल दिग्गज के जी.ओ.ए.टी. इंडिया टूर से जुड़े कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए तथा दत्ता के बैंक खातों का विवरण भी लिया।

● टूर से जुड़े कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए तथा दत्ता के बैंक खातों का विवरण भी लिया

सूत्रों ने कहा कि एसआईटी टूर के कार्यक्रमों और सतादु दत्ता से जुड़े वित्तीय लेन-देन से संबंधित प्रमुख दस्तावेजों की जांच कर रही है। हिंसा भड़कने के कुछ घंटे बाद दत्ता को शहर के हवाई अड्डे पर मैसी के निजी जेट से उतारकर गिरफ्तार किया गया था। मैसी अपने निजी सुरक्षा कर्मियों के साथ महज 15 मिनट ही स्टेडियम में रुके थे। दत्ता इस समय बिधाननगर कोर्ट के आदेश पर 15 दिनों की पुलिस हिरासत में हैं। इस बीच मैसी की सॉल्ट लेक स्टेडियम यात्रा के दौरान तोड़फोड़ और अशांति से जुड़े मामले में पुलिस ने अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है।

साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ पांच लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने ऑनलाइन निवेश गिरोह का भंडाफोड़ कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि ये गिरोह फर्जी समूहों और फर्जी 'ट्रेडिंग' एप के माध्यम से लोगों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करते थे। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 24 करोड़ रुपये के धन के लेन-देन का पता लगाया गया है। पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) आदित्य गौतम ने बताया कि पहले मामले में, शिकायतकर्ता को एक समूह में शामिल करके और 'सीवेंटुरा' नामक एक फर्जी निवेश ऐप इंस्टॉल करने के लिए राजी करके उससे 31.45 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई। पीड़ित को उच्च लाभ का वादा करके छह अलग-अलग बैंक खातों में पैसे स्थानांतरित करने के लिए प्रेरित किया गया था।

लश्कर आतंकियों की मदद के दो कश्मीरी दोषी करार

नई दिल्ली, एजेंसी

● एनआईए की विशेष अदालत ने सजा को सुरक्षित रक्षा

राजधानी दिल्ली स्थित राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) की मदद करने के मामले में जम्मू-कश्मीर के दो लोगों को दोषी ठहराया है। जहूर अहमद पीर और नजीर अहमद पीर पर आतंकवाद निरोधक कानून के तहत आरोप था कि उन्होंने 2016 में भारत में घुस कर दिल्ली और अन्य राज्यों में हमले करने की योजना बनाने वाले आतंकवादियों को छिपाया और उनकी मदद की थी। अदालत ने जहूर अहमद पीर और नजीर अहमद पीर की सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने आतंकवाद को समर्थन की निंदा की, दिल्ली और दूसरे इलाकों को निशाना बनाने की साजिश का ब्योरा दिया।

अदालत ने अपनी टिप्पणी में जोर देकर कहा कि आतंकवादियों की मदद करने वाले सिर्फ आतंकवाद को ही ताकत देते हैं। कोई व्यक्ति अगर किसी आतंकवादी के संपर्क में आता है तो उसे सरकार की सुरक्षा एजेंसियों से संपर्क कर उन्हें जानकारी देनी चाहिए। आरोपी ऐसा करने में नाकाम रहे, इसलिए इस मामले में फंस गए।" यह मामला पाकिस्तानी नागरिक और एलईटी के प्रशिक्षित सदस्य बहादुर अली उर्फ सैफुल्लाह मंसूर से जुड़ा है। वह जून 2016 में अपने दो साथियों के साथ गैर-कानूनी तरीके से जम्मू-कश्मीर में घुसा था। अपने दल से अलग होने के बाद अली को पाकिस्तान में मौजूद उसके एलईटी हैंडलर्स (कंट्रोल स्टेशन अल्फा-3) ने स्थानीय सक्रिय सदस्य कोडनेम डॉक्टर से संपर्क करने का निर्देश दिया था। जांच और मुकदमे में मिले सबूतों से पता चला कि जहूर अहमद पीर और नजीर अहमद पीर (जो बशीर नाम से जाना जाता था) स्थानीय सहयोगी थे।

पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने नीतीश के खिलाफ पुलिस को दी शिकायत

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की नेता इल्तिजा मुफ्ती ने महिला चिकित्सक का नकाब हटाने के मामले में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए शुक्रवार को पुलिस में शिकायत दी। हालांकि, पुलिस ने अभी ये साफ नहीं किया है कि जदयू प्रमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है या नहीं। मुफ्ती ने कोठीबाग के थाना प्रभारी को दी गई शिकायत में कहा, जबरन नकाब हटाना न सिर्फ मुस्लिम महिला पर क्रूर हमला था, बल्कि हर भारतीय महिला की स्वायत्तता, पहचान और गरिमा पर भी हमला है। घटना सोमवार को पटना में मुख्यमंत्री सचिवालय में हुई, जहां आयुष चिकित्सक अपने नियुक्ति पत्र प्राप्त करने पहुंचे थे। मुफ्ती ने कहा कि यह घटना और भी चिंताजनक है क्योंकि यह पूरे भारत में मुसलमानों को अलग-थलग करने और राजनीतिक और आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिशों के बीच घटी है।

लोकतंत्र में जवाबदेही और जिम्मेदारी की सतत प्रक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी

● लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने जर्मन थिंक टैंक से साझा किए विचार

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को जर्मन थिंक टैंक के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की और तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की स्थिति के बारे में अपने अपने विचार साझा किए। राहुल ने बर्लिन में हर्टी स्कूल में भी एक कार्यक्रम को संबोधित किया, जहां उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल सरकार की एक प्रणाली नहीं है, बल्कि जवाबदेही भी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, लोकतंत्र केवल सरकार की एक प्रणाली नहीं है - यह जुड़ाव, जिम्मेदारी और जवाबदेही की एक सतत प्रक्रिया है। वह इन दिनों जर्मनी के दौरे पर हैं।

राहुल गांधी ने जर्मनी के पूर्व चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ से भी अलग से मुलाकात की और चर्चा की। हर्टी स्कूल में कांग्रेस नेता ने तेजी से बदलती दुनिया में नेतृत्व, लोकतंत्र और वैश्विक जिम्मेदारी पर विचार साझा किए। छात्रों और शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए, उन्होंने अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक अनुभवों को साझा किया। राहुल गांधी ने दुनिया में सत्ता परिवर्तन के बारे में बात की, साथ ही भारतीय लोकतंत्र की स्थिति पर अपने दृष्टिकोण भी प्रस्तुत किए। उन्होंने असमानताओं को दूर करने के लिए मजबूत वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस द्वारा बर्लिन में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी सच्चाई के लिए खड़ी है।

उत्तर भारत में घने कोहरे की चादर दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी

● बरेली समेत देश के तमाम शहरों में शून्य हुई दृश्यता, सड़क, हवाई और रेल यातायात प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

पंजाब से बिहार तक फैले घने कोहरे के कारण उत्तर भारत में दृश्यता शुक्रवार को कम हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी करते हुए सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित होने की चेतावनी दी है।

आईएमडी के अधिकारियों ने बताया कि उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तरपूर्वी मध्य प्रदेश और बिहार में घना कोहरा छाया हुआ दिखाई दे रहा है। सुबह साढ़े पांच बजे उत्तर प्रदेश के आगरा, बरेली, सहारनपुर और गोरखपुर, पंजाब में अंबाला, अमृतसर, बठिंडा, लुधियाना और आदमपुर, दिल्ली में सफदरजंग, हरियाणा में अंबाला, मध्य प्रदेश में ग्वालियर, बिहार में भागलपुर, और झारखंड में डाल्टनगंज में दृश्यता शून्य मीटर दर्ज की गई। आईएमडी ने दिल्ली के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि कोहरे के कारण कुछ हवाई अड्डों पर परिचालन बाधित हो सकता है और राजमार्गों व रेलवे मार्गों पर भी असर पड़ सकता है।

दिल्ली में घने कोहरे के बीच अक्षरधाम मंदिर के पास पैदल पुल पर गुजरते लोग।

बरेली समेत यूपी के कई जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट

उत्तर प्रदेश के कई जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है, जिनमें आगरा, अलीगढ़, बागपत, बरेली, बिजनौर, बुलन्दशहर, एटा, इटावा, फिरोजाबाद, गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, हापुड़, हाथरस, मथुरा, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, रामपुर, सहारनपुर, शाहजहांपुर और शामली शामिल हैं। उत्तराखंड में हरिद्वार और उधम सिंह नगर तथा पंजाब में अमृतसर, फतेहगढ़ साहिब, गुरदासपुर, पटियाला और संगरूर में भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

फोन टैपिंग मामले में तेलंगाना के पूर्व एसआईबी प्रमुख की हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फोन टैपिंग मामले में आरोपी तेलंगाना विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख टी प्रभाकर राव की पुलिस हिरासत 25 दिसंबर तक बढ़ा दी है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि राव को 26 दिसंबर को पूछताछ के बाद रिहा कर दिया जाएगा और मामले में अगली सुनवाई की तारीख तक उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

शुक्रवार को कार्यवाही के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि राव ने आत्मसमर्पण कर दिया है लेकिन वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने अदालत में स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत की और पुलिस हिरासत को एक सप्ताह के लिए बढ़ाने का अनुरोध किया। मेहता ने अदालत को बताया कि राव मार्क्सवादियों पर नजर रखने की आड़ में कुछ खास व्यक्तियों की अवैध निगरानी कर रहे थे। राव की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार ने दावा किया कि एसआईबी के पूर्व प्रमुख को पूछताछ के नाम पर परेशान किया जा रहा है और उनसे सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक पूछताछ की जा रही है।

संसद परिसर में तृणमूल के सांसदों ने दिया पूरी रात धरना

नई दिल्ली, एजेंसी

● जी राम जी विधेयक का विरोध, कहा- मोदी सरकार ने दूसरी बार की है गांधी की हत्या

तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक' पारित होने के बाद विरोध करते हुए बृहस्पतिवार देर रात से शुक्रवार को दिन में 12 बजे तक संसद परिसर में धरना दिया। तृणमूल सांसद सागरिका घोष ने इस दौरान कहा कि मोदी सरकार ने दूसरी बार गांधी की हत्या की है। उधर, कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने शुक्रवार सुबह संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होने से पहले जी राम जी विधेयक को लेकर प्रदर्शन किया।

संसद में विधेयक पारित होने के तुरंत बाद शुरू हुए तृणमूल के धरने में अन्य दलों के सांसद भी शामिल हुए। द्रमुक नेता तिरुचि शिवा, कांग्रेस सांसद जेबी माथेर, सैयद नासिर हुसैन, इमरान प्रतापगढ़ी, शक्ति सिंह गोहिल, आप के संदीप पाठक ने शुक्रवार सुबह इसमें भाग लिया। तृणमूल सांसद पूरी रात धरने पर बैठे रहे। राज्यसभा में पार्टी की उपनेता सागरिका घोष ने कहा कि जी राम जी विधेयक सदन में पेश करने से सिर्फ पांच घंटे पहले हमें दिया गया था। उन्होंने कहा कि विधेयक को विस्तृत चर्चा के लिए प्रवर समिति के पास भेजा जाना चाहिए था। घोष ने कहा, मनरेगा ग्रामीण क्षेत्र के गरीबों-श्रमिकों को रोजगार दे रहा था। इस विधेयक को नष्ट कर सरकार ने गरीबों पर हमला किया है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार ने दूसरी बार महात्मा गांधी की हत्या की है। उसने रवींद्रनाथ टैगोर का भी अपमान किया है।

मनरेगा में बदलाव के खिलाफ शुक्रवार रात संसद परिसर में धरना देते तृणमूल सांसद।

नया विधेयक गरीबों के लिए बेहद हानिकारक : प्रियंका

कांग्रेस और कई विपक्षी दलों के सांसदों ने शुक्रवार सुबह संसद परिसर में प्रदर्शन किया। हाथों में महात्मा गांधी की तस्वीर वाली तख्तियां लिए विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार के निकट सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने संवाददाताओं से कहा, यह विधेयक सबसे गरीब लोगों के लिए बहुत हानिकारक होने वाला है क्योंकि मूल मनरेगा योजना में केंद्र 90 प्रतिशत धनराशि का भुगतान करता था और वह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ थी। योजना उन लोगों के लिए बड़ा सहयोग थी जो बहुत गरीब हैं और जिन्हें रोजगार मिलने में कठिनाई होती थी।

घने कोहरे के कारण दिल्ली में रद्द की गईं 175 उड़ानें

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को घने कोहरे के कारण 175 से अधिक उड़ानें रद्द रहीं। दिल्ली हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि अब तक दिल्ली से जाने वाली कुल 88 उड़ानें रद्द हो चुकी हैं। इनमें दो अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल हैं। वहीं, दूसरे शहरों से दिल्ली आने वाली दो अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों सहित 89 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। कई उड़ानों में देरी भी हुई है। दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार रात नौ बजे के बाद ही दृश्यता कम हो गई थी। आधी रात के बाद कैट-3 की परिचालन प्रक्रिया लागू करनी पड़ी। हवाई अड्डे के तीन रनवे अब दोनों छोरों पर कैट-3 उपकरणों से लैस हो चुके हैं। इससे कैट-3 से लैस विमान कैट-3 प्रशिक्षित पायलटों के साथ उपकरणों की मदद से लैंड और टेकऑफ करने में सक्षम हैं। उत्तर भारत के शहरों में भी सुबह घने कोहरे के कारण उड़ानों का परिचालन बाधित रहा।

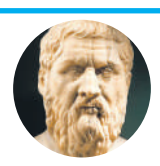

कोई भी व्यक्ति आसानी से नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन हर कोई दूसरे का भला नहीं कर सकता।

-प्लेटो, दार्शनिक

ग्रामीण नीति में बड़ा मोड़

लोकसभा द्वारा दो दशकों से लागू मनरेगा की जगह रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025 का पारित होना ग्रामीण भारत की नीति-दिशा में एक ऐतिहासिक बदलाव है। यह बदलाव केवल नाम का नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं और शासन-ढांचे का भी है। नई व्यवस्था ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करेगी या फिर रोजगार गारंटी को कमजोर करेगी, यह कुछ बरस बाद पता चलेगा। निःसंदेह बीते 20 वर्षों में ग्रामीण भारत की तस्वीर बदली है। सड़कों, बिजली, इंटरनेट और डिजिटल भुगतान ने गांवों को मुख्यधारा से जोड़ा है। गैर-कृषि रोजगार भी बढ़े हैं। मनरेगा के तहत औसतन 100 दिन की गारंटी के बावजूद मजदूरों को साल में केवल 50–55 दिन ही काम मिल पाया। ऐसे में सरकार का मानना था कि पुरानी योजना प्रासंगिक नहीं रही, आजीविका और उत्पादकता पर केंद्रित नया कानून जरूरी था। जल, जलवायु और आधारभूत ढांचे पर केंद्रित नई योजना जल सुरक्षा, जल-संरक्षण, ग्रामीण परिसंपत्तियों और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल कार्यों को प्राथमिकता देकर पर्यावरणीय दृष्टि से अधिक प्रासंगिक बन सकती है और ग्रामीण क्षेत्रों को जल-संकट और जलवायु जोखिमों से निपटने में मदद कर सकती है। पारदर्शिता के मोर्चे पर बायोमेट्रिक उपस्थिति, डिजिटल भुगतान और कड़ी निगरानी व्यवस्था जैसे भ्रष्टाचार-निरोधक तकनीकी उपायों से लीकेज घटेगा तो, पर भ्रष्टाचार पूरी तरह खत्म तभी होगा जब स्थानीय स्तर पर जवाबदेही और सामाजिक अंकेक्षण मजबूत हों।

योजना के कुछ प्रावधान गंभीर सवाल खड़े करते हैं। खेती के सीजन में 60 दिनों तक योजना का काम बंद रहेगा, ताकि खेती के लिए मजदूर मिल सकें, लेकिन यह अवधि केंद्र सरकार तय करेगी। आशंका यह है कि मजदूरों की उपलब्धता बढ़ने से उनकी मजदूरी की सौदेबाज़ी की ताकत घटे और दिहाड़ी पर दबाव पड़े। 125 दिनों के रोजगार की गारंटी कागज़ पर आकर्षक है, पर जब पुरानी योजना में 100 दिनों की गारंटी भी पूरी नहीं हो पाई, तो नई गारंटी पर भरोसा कैसे किया जाए? वित्तीय ढांचे में भी बड़ा बदलाव है। अब केंद्र 60 प्रतिशत और राज्य 40 फीसदी खर्च वहन करेंगे। इससे राज्यों पर भारी बोझ पड़ेगा। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों पर यह अतिरिक्त बोझ 3,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। बंगाल, झारखंड और पंजाब जैसे राज्यों ने इस योजना को लेकर असहमति जताई है, उनके पीछे यही वित्तीय और प्रशासनिक चिंता है। जब अधिकांश अधिकार केंद्र के पास होंगे, तो संसाधन-संकट से जूझ रहे राज्य इसमें कितनी रुचि लेंगे, यह बड़ा प्रश्न है।

यदि राज्यों ने काम कम दिया या योजना को गंभीरता से नहीं लिया, तो काम न मिलने की स्थिति में गरीब ग्रामीण परिवारों की हालत और खराब हो सकती है। यही कारण है कि यह बदलाव ग्रामीण नीति के सबसे अहम मोड़ों में गिना जाएगा। फिलहाल नई व्यवस्था का वास्तविक असर रोजगार, कृषि उत्पादकता, आय और पर्यावरण पर कम से कम 2–3 वर्षों में ही साफ होगा। इतना तय है कि यह कदम अवसर के साथ जोखिम भी है। सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या सरकार रोजगार गारंटी की आत्मा को बचाते हुए पूरी ईमानदारी से ग्रामीण आजीविका और पर्यावरण के लक्ष्यों को संतुलित कर पाती है या नहीं।

प्रसंगवश

नवीन का चुनाव और बीजेपी की रणनीति

भारतीय जनता पार्टी ने पटना की बांकीपुर सीट से विधायक और बिहार सरकार में मंत्री नितिन नवीन सिन्हा को पार्टी का नया कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। नितिन नवीन भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में जेपी नड्डा के बाद दूसरे कार्यकारी अध्यक्ष होंगे। भारतीय जनता पार्टी के संविधान में कार्यकारी अध्यक्ष का कोई औपचारिक पद नहीं है, लेकिन साल 2019 के बाद से बीजेपी में पूर्णकालिक अध्यक्ष नियुक्त करने से पहले कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने की एक परंपरा शुरू हुई है।

जेपी नड्डा जून 2019 में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बने थे और फिर जनवरी 2020 में उन्हें सर्वसम्मति से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया था। नितिन नवीन सवर्ण उपजाति-कायस्थ समुदाय के नेता हैं और 45 साल उम्र है, लिहाजा वह भाजपा के सबसे युवा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हैं। कुछ समय बाद वह जेपी नड्डा के उत्तराधिकारी के तौर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे। बेशक नितिन नवीन भाजयुमो में अनुराग ठाकुर की अध्यक्षता में राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर काम कर चुके हैं, कुछ राज्यों के प्रभारी और सह-प्रभारी भी रहे हैं, लिहाजा संगठन की आत्मा और अपेक्षाओं को वह बखूबी जानते हैं।

डॉ. ओपी त्रिपाठी
चिकित्सक

जब नड्डा पार्टी अध्यक्ष बने थे, तब उनकी उम्र 52 साल थी। अमित शाह 49 साल के थे। राजनाथ सिंह भी 52-53 साल के रहे होंगे। अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी की आयु भी 55-58 साल की रही होगी, जब वे पहली बार भाजपा अध्यक्ष बने थे, लिहाजा उम्र शीर्ष नेतृत्व का कोई मानदंड नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी का यह 'नवीन' प्रयोग चुनौतीपूर्ण जरूर है।

पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री पद पर मोहन चरण माझी, मोहन यादव, भजनलाल शर्मा, बिप्लव देब, भूपेंद्र पटेल, पुष्कर सिंह धामी, नायब सिंह सैनी आदि को विराजमान कर भाजपा की नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपा था। इन्हीं नेताओं की तरह नवीन भी भाजपा की चौथी पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं। उनकी पहचान कभी 'राष्ट्रीय' नहीं रही। नितिन नवीन उसी शृंखला की नई कड़ी बन गए हैं, जिसे अटल, आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, राजनाथ सिंह से लेकर जेपी नड्डा तक ने स्थापित किया और भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी का सम्मान दिलाया।

उनके सामने राजनीतिक और चुनावी चुनौती यह है कि 2026 में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं और 2027 में उप्र के महाचुनाव सामने होंगे। केरल में तिरुवनंतपुरम के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत हुई है और उसने वाम मोर्चे के 45 साल पुराने किले को ढहा दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि विधानसभा चुनाव में भी जनता भाजपा-एनडीए को कमोबेश एक मौका जरूर देगी, लेकिन तमिलनाडु में आज भी भाजपा 'शून्य' है।

बेशक अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन से उसे कुछ सीट हासिल हो जाएं, लेकिन तमिल के हिंदुओं ने अभी भाजपा को स्वीकार नहीं किया है। प्रधानमंत्री मोदी बार-बार वहां के राम मंदिरों में जाकर और पूजा कर प्रयास कर रहे हैं कि जनता की स्वीकृति मिल सके। वैसे परिणाम चुनाव के बाद ही स्पष्ट होंगे। नवीन के सामने 2028-29 की राजनीतिक चुनौतियां भी गंभीर होंगी, क्योंकि 2029 के लोकसभा चुनाव के बाद संभवतः मोदी प्रधानमंत्री बनना नहीं चाहेंगे, लिहाजा एक वैकल्पिक चेहरे की आवश्यकता होगी। उसकी तैयारी भी 2026 से शुरू करनी पड़ेगी।

आंकड़ों में राहत पर युवाओं की चुनौती

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

देश के शहरी क्षेत्र में रोजगार की स्थिति हाल के वर्षों में तेजी से बदली है और इसके आंकड़े उम्मीद और चिंता दोनों को सामने लाते हैं। वित्त वर्ष 2022 में जहां शहरी बेरोजगारी दर 14.3% थी, वहीं वित्त वर्ष 2025 में इसके घटकर लगभग 9% पर आने का अनुमान है। यह गिरावट अपने आप में महत्वपूर्ण है, क्योंकि महामारी के दौरान शहरी क्षेत्रों में रोजगार पर सबसे गहरा असर पड़ा था। दफ्तर बंद हुए, सेवा क्षेत्र ठप पड़ा और लाखों लोग या तो काम से बाहर हो गए या उन्हें गांवों की ओर लौटना पड़ा। ऐसे में कुल शहरी बेरोजगारी दर में यह सुधार अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार का संकेत देता है।

इस सुधार में महिलाओं की भूमिका खास तौर पर उल्लेखनीय रही है। उपलब्ध श्रम बल सर्वेक्षणों के अनुसार शहरी महिला कार्यबल भागीदारी दर पिछले तीन वर्षों में लगातार बढ़ी है। महामारी से पहले जहां शहरी महिलाओं की कार्यबल भागीदारी लगभग 20 से 21 प्रतिशत के आसपास थी, वहीं अब यह 25 प्रतिशत के करीब पहुंच रही है। स्वास्थ्य, शिक्षा, रिटेल, घरेलू सेवाओं, आईटी सपोर्ट और गिग इकॉनमी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं के लिए नए अवसर बने हैं। वर्क फ्रॉम होम और हाइब्रिड कार्य व्यवस्था ने भी कई महिलाओं को पारंपरिक दफ्तर से जुड़े बिना कमाई करने का मौका दिया है।

यही कारण है कि शहरी बेरोजगारी दर में आई गिरावट का एक बड़ा हिस्सा महिला रोजगार में वृद्धि से जुड़ा हुआ है। तस्वीर का दूसरा पहलू कहीं अधिक चिंताजनक है। शहरी युवाओं की बेरोजगारी दर अब भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के शहरी युवाओं में बेरोजगारी दर लगभग 16.8% है। यह दर कुल शहरी बेरोजगारी दर से लगभग दोगुनी है। इसका अर्थ यह है कि अर्थव्यवस्था में पैदा हो रहे रोजगार युवाओं को उस अनुपात में नहीं मिल पा रहे हैं, जिस अनुपात में वे श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं।

वित्त वर्ष 2022 में शहरी बेरोजगारी दर 14 .3 प्रतिशत थी, वहीं 2025 में इसके घटकर लगभग 9 प्रतिशत पर आने का अनुमान है। इसी तस्वीर का दूसरा पहलू कहीं अधिक चिंताजनक है।

हर साल देश में लगभग एक करोड़ युवा कामकाजी आयु में पहुंचते हैं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा शहरी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करता है। उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ने के कारण स्नातक और परास्नातक युवाओं की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के अनुसार पिछले दस वर्षों में उच्च शिक्षा में नामांकन करीब 75 प्रतिशत तक बढ़ा है। इसके बावजूद हम उद्योग और सेवा क्षेत्र में इतनी संख्या में नौकरियां पैदा नहीं कर पाए हैं, जो इन शिक्षित युवाओं को समाहित कर सकें।

शहरी युवा बेरोजगारी का एक कारण कौशल और मांग के बीच असंतुलन भी है। कई सर्वेक्षण बताते हैं कि निजी क्षेत्र के लगभग 45 से 50 प्रतिशत नियोक्ता नए स्नातकों को तुरंत रोजगार योग्य नहीं मानते। उन्हें अतिरिक्त प्रशिक्षण देना पड़ता है, जिससे लागत बढ़ती है। परिणामस्वरूप कंपनियां या तो अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता देती हैं, या फिर ऑटोमेशन और तकनीक के जरिए काम चलाने का विकल्प चुनती हैं। इससे एंट्री लेवल नौकरियों की संख्या घटती जा रही है, जो युवाओं के लिए रोजगार का पहला कदम होती हैं।

इसके साथ ही शहरी युवाओं की अपेक्षाएं भी रोजगार संकट को जटिल बनाती हैं। वे अधिकतर स्थायी, सामाजिक सुरक्षा वाली और सम्मानजनक आय देने वाली नौकरियों की तलाश में रहते हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि शहरी युवाओं का एक बड़ा हिस्सा अनौपचारिक और कम वेतन वाले काम को अस्थायी समाधान के रूप में भी स्वीकार नहीं करना चाहता। दूसरी ओर अर्थव्यवस्था में उपलब्ध रोजगार का एक बड़ा हिस्सा अभी भी अनौपचारिक या अर्ध औपचारिक प्रकृति का है, जहां आय और सुरक्षा सीमित होती है।

शहरी युवा बेरोजगारी के सामाजिक प्रभाव भी गंभीर हैं। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार लंबे समय तक बेरोजगार रहने वाले युवाओं में मानसिक तनाव, अवसाद और आत्मविश्वास की कमी की संभावना अधिक होती है। शहरी क्षेत्रों में अपराध और नशे से जुड़ी समस्याओं के साथ बेरोजगारी का संबंध भी कई बार सामने आया है।

महिलाओं के रोजगार में सुधार के बावजूद यह भी सच है कि रोजगार की गुणवत्ता अभी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। शहरी कामकाजी महिलाओं में से लगभग 60 प्रतिशत अब भी कम वेतन या असुरक्षित हालात में काम कर रही हैं। प्रबंधकीय और तकनीकी उच्च पदों पर उनकी हिस्सेदारी सीमित है। समान कार्य के लिए समान वेतन का अंतर भी कई क्षेत्रों में बना हुआ है, इसलिए शहरी बेरोजगारी दर में आई गिरावट को केवल सकारात्मक आंकड़ा मानकर संतोष कर लेना सही नहीं होगा।

नीतिगत स्तर पर इस स्थिति से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। शहरी युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों को केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित न रखकर उनकी गुणवत्ता पर ध्यान देना होगा। अप्रेंटिसशिप और ऑन द जॉब ट्रेनिंग को उद्योग के साथ जोड़कर वास्तविक रोजगार के अवसरों में बदला जाना चाहिए। निजी क्षेत्र को युवाओं की भर्ती के लिए प्रोत्साहन देने वाले उपाय, जैसे वेतन सब्सिडी या कर राहत, भी रोजगार सृजन में सहायक हो सकते हैं। शिक्षा व्यवस्था में सुधार भी उतना ही जरूरी है।

विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के पाठ्यक्रमों को तेजी से बदलते रोजगार बाजार के अनुरूप बनाना होगा। डिजिटल कौशल, डेटा विश्लेषण, ग्रीन टेक्नोलॉजी और केयर इकॉनमी जैसे उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना समय की मांग है। साथ ही शहरी युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करना और उन्हें ऋण, मेंटरशिप और बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराना भी बेरोजगारी के दबाव को कम कर सकता है।

आमने सामने

आम आदमी पार्टी से जुड़े नेता कचरे को जलाते हैं, जिससे प्रदूषण बढ़े और रेखा सरकार को घेरे में ले सकें। अरविंद केजरीवाल की सरकार में प्रदूषण के हालात वर्तमान स्थिति से बेकार थे। पिछले 10 सालों की मार आज भी दिल्ली झेल रही है।

-मनजिंदर सिरसा
पर्यावरण मंत्री, दिल्ली

मेरी सरकार के दस साल में मैंने कभी इतना भयंकर प्रदूषण नहीं देखा। मौजूदा सरकार सिर्फ आंकड़ों के साथ खेलने में लगी हुई है। AQI नापने वाली मशीनों के आसपास पानी छिड़क कर रीडिंग कम दिखाने की कोशिश की जा रही है। इतनी चालाकी के बाद भी स्तर 400–500 से नीचे नहीं आ पा रहा।

-अरविंद केजरीवाल
पूर्व मुख्यमंत्री, दिल्ली

नेपाल में स्थगित हो सकते हैं आम चुनाव

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल में जिस तेजी से हिंदूवादी संगठनों की सक्रियता बढ़ रही है उससे ऐसा लगता है कि या तो मार्च में होने वाला चुनाव स्थगित हो जाए या फिर सांप्रदायिकता के साये में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चुनाव हो। चुनाव की तैयारी में जुटे राजनीतिक दलों ने भी ऐसी आशंका जताई है। प्रतिनिधि सभा के निवर्तमान एमाले सांसद मंगल प्रसाद गुप्ता की मानें तो नेपाल में राज संस्था के पक्ष में माहौल बनाने में हिंदूवादी संगठन तेजी से सक्रीय हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यद्यपि यह आसान नहीं है और न ही संभव है, लेकिन इन संगठनों का आंदोलन यदि तेज हुआ तो मार्च में होने वाला चुनाव जरूर बाधित हो सकता है।

बता दें कि नेपाल की अंतरिम सरकार ने सत्ता संभालते ही मार्च में चुनाव कराकर चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंप देने का वादा किया था। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की अपने वादे पर कायम रहते हुए चुनाव की तैयारी के लिए लगातार चुनाव आयोग के अधिकारियों के साथ बैठकें करने में व्यस्त हैं। इसी के साथ नेपाल के राजनीतिक दलों की भी सक्रीयता बढ़ी है। कम्युनिस्ट दलों ने आपस में विचार-विमर्श कर एक मंच पर आने की पहल भी शुरू कर दी है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चुनाव बहिष्कार का फैसला किया था, लेकिन अब वे भी तैयार हो गए हैं।

हाल ही में अप्रत्यक्ष रूप से उन्होंने भारत पर निशाना साधकर स्पष्ट कर दिया है कि उनके चुनाव का मुख्य एजेंडा भारत विरोध ही रहेगा। ओली यदि अपने इसी रुख पर अड़े रहे, तो उनका प्रचंड के साथ तालमेल शायद संभव न हो। प्रचंड भारत से किसी विवाद का हल बातचीत से चाहते हैं न कि बयानबाजी से। जेन जी आंदोलन के दौरान सभी दलों के शीर्ष नेता अपमानित हुए हैं। किसी को सरेआम मारा पीटा गया, तो किसी का घर जला कर राख कर दिया गया। इसके बाद बड़े दलों ने एकजुटता की जरूरत महसूस की। कम्युनिस्ट दलों ने जहां एक मंच पर आने का संकेत दिया है, वहीं नेपाली कांग्रेस ने भी छोटे-छोटे दलों के साथ एक अलग मंच बनाने में दिलचस्पी दिखाई है। फिलहाल अभी न तो प्रचंड, ओली के एक मंच पर आने की तस्वीर साफ हुई है और न ही नेपाली कांग्रेस के साथ छोटे दलों की ही तस्वीर साफ हुई है, लेकिन इसे लेकर कयासबाजी का दौर जारी है।

नेपाल में जिस तेजी से हिंदूवादी संगठनों की सक्रियता बढ़ी है, उससे ऐसा लगता है कि चुनाव स्थगित हो सकते हैं। वहां के राजनीतिक दलों ने भी ऐसी ही आशंका जताई है।

मार्च में संभावित चुनाव के पहले नेपाल के विभिन्न इलाकों में हुईं सांप्रदायिक घटनाओं ने अंतरिम सरकार की चिंता बढ़ा दी है। इस बार राजावादी शक्तियां हिंदुत्व और राज संस्था कि बहाली के लिए आर-पार की जंग की तैयारी में हैं। नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों में हाल की सांप्रदायिक घटनाओं पर गौर करें, तो कार्की सरकार की तरफ से इसे रोकने का कोई प्रयास सामने नहीं आया है। चुनाव की तैयारी में सक्रिय नेपाल के राजनीतिक दलों में इस बात को लेकर चिंता है कि जेन जी आंदोलन की भांति यह चुनाव भी कहीं हिंदूवादी संगठनों के उग्र आंदोलन की भेंट न चढ़ जाए?

पिछले दिनों मधेश प्रदेश सरकार के मदरसा बिल मंजूर करने को लेकर हिंदू संगठनों ने जिस तरह उग्र विरोध किया, उससे यह संकेत मिलता है कि चुनाव नजदीक आते ही इस तरह के आंदोलन और तेज होंगे। मधेश प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री सरोज कुमार ने सदन में इस बिल को ऐसे समय मंजूरी दी, जब वे खुद ही सदन में विश्वासमत हासिल करने में विफल हो गए थे। हिंदूवादी संगठन इसे मधेश में मुस्लिमों को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। प्रदेश सभा में मदरसा बिल पारित करने की घोषणा के बाद जनकपुर धाम सहित पूरे मधेश प्रदेश में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए।

विश्व हिंदू परिषद नेपाल, नेपाल हिंदू स्वयंसेवक संघ, नेपाल हिंदू सेना सहित कई हिंदूवादी संगठनों ने जगह-जगह टायर जलाकर प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री का पुतला फूंका। एकाध जगह प्रदर्शनकारियों तथा पुलिस के बीच झड़प भी हुई। हिंदू संगठनों का मानना है कि पूरे नेपाल में 90 प्रतिशत हिंदू आबादी है। हिंदू गुरुकुल के लिए सरकार कुछ नहीं करती, वहीं मदरसों को आधुनिक भवन, मोलवियों को सरकारी शिक्षक की तरह वेतन और उसमें पढ़ने वाले मुस्लिम छात्रों को सरकार की ओर से भोजन आदि की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मधेश क्षेत्र में मदरसा बिल के बहाने हिंदू संगठनों का प्रदर्शन लगातार चल रहा है।

नेपाल में इन दिनों हिंदू सम्राट सेना नामक नया हिंदू संगठन तेजी से पांव पसार रहा है। पिछले दिनों इस संगठन ने भी मुस्लिम आयोग खारिज करने की मांग को लेकर कई जिलों में जबर्दस्त प्रदर्शन किया। यह संगठन हिंदू राष्ट्र और राज संस्था की भी मांग कर रहा है। हिंदू सम्राट सेना ने नेपाल को रोहिंग्या से भी खतरा बताया है। यह संगठन नेपाल में रोहिंग्या की गहन खोज के साथ उन्हें बाहर निकालने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहा है।

हिंदू सम्राट सेना के केंद्रीय उपाध्यक्ष श्री कृष्ण सनातनी के नेतृत्व में नेपाल के विभिन्न जिलों में हिंदू हितों की मांग को लेकर आंदोलन की रूपरेखा तय की गई है। नेपाल के तराई में सक्रिय एक हिंदू नेता ने बताया कि आगामी मार्च में होने वाले प्रतिनिधि सभा के चुनाव तक नेपाल के कोने-कोने तक हिंदुत्व की अलख जगाने की योजना पर तेजी से काम हो रहा है।

सोशल फोरम

नूर जहां की वसीयत- न हो कब्र पर चरागां

आखरी वसीयत में नूरजहां ने अपनी ख़्वाहिश ज़ाहिर की थी 'इस नाचीज़ की क़ब्र पे न तो चराग़ां किया जाए, न ग़ुलाब बिखेरे जाएं और न ही तितलियों के पंख उड़ाए जाएं...।'

मो. तसनीम आजाद
लेखक

मेहरुन्निसा को जानते हैं आप? शायद नहीं। किंतु, 'नूरजहां' का नाम लेते ही जेहन में एक हसीन मुगल रानी की तस्वीर उभर आती है। नूरजहां का दूसरा परिचय यह है कि उन्हें मुगल काल की सबसे ताकतवर महिला के रूप में भी देखा जाता है। यहां नूरजहां का जिक्र इसलिए हो रहा है, क्योंकि नूरजहां ही मेहरुन्निसा थीं। नूरजहां (1577-1645) मुगल काल की एक महारानी थीं, जिन्हें भारत के इतिहास में मुगल शासक जहांगीर (सलीम) की सबसे पसंदीदा पत्नी के तौर पर याद किया जाता है। उनके पिता गयास बेग मुगल शासक अकबर की सेवा करते थे। अकबर ने उनके पिता को 'इतमत-उद-दौला' (राज्य का एक स्तंभ) की पदवी दे रखी थी। इसके बाद उनके भाई आसफ खान ने जहांगीर और उनके उत्तराधिकारी शाहजहां की सेवा की।

मेहरुन्निसा की पहली शादी 17 साल की उम्र में एक पारसी साहसी शेर अफगान अली कुली खान इस्ताजलु से हुई थी। उनसे उन्हें पहली संतान भी हुई, जिसका नाम उन्होंने लाडली बेगम रखा था। 1607 में शेर अफगान के निधन के बाद मेहरुन्निसा ने आगरा किले में मुगल साम्राज्य की सेवा करना शुरू की। 1605 में अकबर के निधन के बाद जहांगीर ने उत्तराधिकारी के तौर पर शासन किया। इस दौरान मेहरुन्निसा की जिम्मेदारी जहांगीर की सौतेली माताओं में से एक रुकैया सुल्ताना बेगम की सेवा करने की थी। वहीं पर उसने हरम की स्त्रियों के लिए चोलियां, पोलकों, दुपट्टों, लहंगों तथा उनके वस्त्रों की नयी-नयी डिजाइनों को ईजाद किया। उसने शृंगार तेल और सुगन्धित पदार्थों से बने इत्र आदि का निर्माण किया था। गुलाब के इत्र का आविष्कार नूरजहां ने किया था।

नूरजहां पुरुषों के समान साहस भी रखती थीं। घुड़सवारी, शस्त्र चलाना उन्हें प्रिय थे। वह शेर, चीते का आखेट करती थीं। वह उदार, सहृदय और दानशील थीं। साहित्य व ललित कलाओं के प्रति उन्हें विशेष अनुराग था। वह फारसी भाषा और साहित्य की अच्छी ज्ञाता थीं। फारसी में कविताएं भी करती थीं। उन्होंने कमरों की साज-सज्जा और शाही दावतों के नवीन ढंग प्रचलित किए।

सामयिकी

मेसी की दीवानगी व देश में फुटबॉल का यथार्थ

कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में जो हुआ, वह भारतीय फुटबॉल के लिए शर्म का दिन था। लियोनेल मेसी के भारत दौरे की शुरुआत एक सपना था जो दुःस्वप्न में बदल गया। हजारों प्रशंसकों ने 3,500 से 12,000 रुपये तक खर्च करके अपने आदर्श को देखने का सपना देखा था, लेकिन उन्हें मिली केवल 20 मिनट की झलक और असीमित निराशा। नतीजा था तोड़फोड़, हिंसा और भारतीय फुटबॉल की बदहाल स्थिति की एक और शर्मनाक तस्वीर।

यह घटना केवल एक प्रबंधन की विफलता नहीं थी। यह भारतीय फुटबॉल की गहरी समस्याओं का प्रतीक है, जहां दीवानगी तो है लेकिन दिशा नहीं, जुनून तो है लेकिन योजना नहीं और सपने तो हैं लेकिन उन्हें पूरा करने की व्यवस्था नहीं। कोलकाता की इस घटना ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। फुटबॉल के प्रति भारतीयों की इतनी दीवानगी है, फिर विश्व मंच पर हमारी स्थिति इतनी कमजोर क्यों है? भारत में फुटबॉल प्रेमियों की कोई कमी नहीं है। कोलकाता, गोवा, केरल और पूर्वोत्तर राज्यों में फुटबॉल की परंपरा सदियों पुरानी है। 1911 में मोहन बागान का ब्रिटिश टीम को हराना आज भी गर्व से याद किया जाता है। 1996 में भारत ने अपनी सर्वोच्च फीफा रैंकिंग 94 हासिल की थी, लेकिन आज क्या हाल है?

जयदेव राठी
अधिवक्ता

आज भारत फीफा विश्व रैंकिंग में 142वें स्थान पर है, जो 2016 के बाद से सबसे निचली रैंकिंग है। भारत ने कभी भी फीफा विश्व कप के फाइनल में खेला ही नहीं है। एशिया में 46 देशों में भारत का स्थान 24वां है। यह वही देश है, जिसकी आबादी 140 करोड़ से अधिक है। 2024 में भारत ने एक भी मैच नहीं जीता और साल के अंत में 126वीं रैंकिंग पर था, जो 2017 के बाद से सबसे खराब प्रदर्शन था। जून 2025 में थाईलैंड और हांगकांग से लगातार हार के बाद भारत 133वें स्थान पर आ गया, जिसके बाद कोच मनोलो मार्केज़ को भारतीय फुटबॉल महासंघ से अलग होना पड़ा।

भारतीय फुटबॉल की असली समस्याएं बहुत गहरी हैं। सबसे पहली समस्या है बुनियादी ढांचे का अभाव। देश में गुणवत्तापूर्ण स्टेडियमों की कमी है, उचित प्रशिक्षण सुविधाएं नहीं हैं, खेल के मैदान कम हैं और युवा विकास कार्यक्रम अपर्याप्त हैं। दूसरी बड़ी समस्या है क्रिकेट का प्रभुत्व। भारत में क्रिकेट एक धर्म की तरह है। खेल का बजट, मीडिया कवरेज, प्रायोजन सब कुछ क्रिकेट के इर्द-गिर्द घूमता है। फुटबॉल को केवल टुकड़े मिलते हैं। तीसरी समस्या है, प्रशासनिक अव्यवस्था। भारत में लंबे समय तक दो समानांतर लीग, आई-लीग और इंडियन सुपर लीग चलती रहीं, जिससे भ्रम और संसाधनों का विभाजन हुआ।

असली सवाल यह नहीं है कि हम मेसी से कितना प्यार करते हैं? असली सवाल यह है कि हम अपनी खुद की फुटबॉल विरासत के लिए क्या कर रहे हैं! जब तक हम संरचना, अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ अपनी दीवानगी को नहीं जोड़ते, तब तक भारतीय फुटबॉल विश्व मंच पर केवल एक दर्शक बना रहेगा, कभी खिलाड़ी नहीं बनेगा। यह कड़वा सच है, लेकिन इसे स्वीकार करना और इस पर काम करना ही एकमात्र रास्ता है।

भारत को 140 करोड़ लोगों की अपनी असली फुटबॉल क्षमता का एहसास करने के लिए केवल मेसी को देखने की दीवानगी से आगे बढ़ना होगा। हमें अपने खुद के मेसी तैयार करने की व्यवस्था बनानी होगी। स्टेडियम में सीटें तोड़ना बहुत आसान है, लेकिन सपनों को वास्तविकता में बदलना बहुत कठिन है। भारतीय फुटबॉल को दूसरे की जरूरत है, पहले की नहीं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

प्रकृति का मंत्रोच्चार

आत्मा की यात्रा का पड़ाव

यात्राएं अक्सर शरीर को थकाती हैं, लेकिन कुछ स्थान ऐसे होते हैं, जो उत्साह और उमंग भरने के साथ आत्मा को छू लेते हैं। नैमिषारण्य की यात्रा मेरे लिए कुछ ऐसा ही अनुभव लेकर आई। सुबह की नरम धूप और हल्की ठंडी हवा के बीच जब मैं नैमिष की ओर बढ़ रहा था, तो मन एक अजीब शांति से भरता जा रहा था। रास्ते में जब लोगों ने बताया कि नैमिष वह तपोभूमि है, जहां देवी-देवताओं और ऋषियों ने युगों तक साधना की। इसके बाद तो हवा के हर झोंके में आध्यात्मिकता का स्पंदन महसूस होने लगा। समीप पहुंचते ही ऐसा लगा जैसे यह भूमि अपने हर कण में इतिहास, अध्यात्म और पवित्रता समेटे है।

शिवेंद्र सिंह बघेल
शिक्षक

नैमिष पहुंचकर सबसे पहला दर्शन चक्रतीर्थ का हुआ। गोल घेरे में बने इस पवित्र सरोवर को देखते ही मन श्रद्धानवत हो गया। पानी बिल्कुल स्थिर था, लेकिन उसमें किसी अनदेखी लय की अनुभूति हो रही थी। जैसे समय की गति थमकर ध्यान में बैठ गई हो। जब मैंने अपने हाथ में जल उठाया, तो भीतर एक अजीब ऊर्जा महसूस हुई। मान्यता है कि ब्रह्माजी के चक्र से यह गोल कुंड बना था। चक्रतीर्थ से आगे बढ़ते हुए मैं हनुमानगढ़ी पहुंचा। यह मंदिर थोड़ी ऊंचाई पर स्थित है। मंदिर में बजती घंटियों की मधुर ध्वनि एक अलग ही संसार रच रही थीं। भक्तों की श्रद्धा, हवा में बिखरी चंदन की खुशबू और दीयों की लौ का तेज, सब मिलकर ऐसा माहौल बना रहे थे, जिसे शब्दों में बांध पाना कठिन है। मैं काफी देर सिर झुकाए खड़ा रहा, इस दौरान लगा मानो कोई अदृश्य शक्ति सिर को स्पर्श कर रही हो।

नैमिषारण्य केवल मंदिरों का समूह नहीं, बल्कि एक पूरी तपस्थली है। यहां के जंगलों में चलते समय ऐसा महसूस होता है कि प्रकृति स्वयं मंत्रोच्चार कर रही हो। लंबे-लंबे वृक्षों की छाया के नीचे चलते हुए मुझे लगा कि मैं किसी प्राचीन कथा का हिस्सा बन गया हूं। पक्षियों का कलरव और पत्तियों की सरसराहट का संगीत अनोखी शांति बिखेरता लगा। थोड़ा आगे बढ़कर मैंने व्यास गद्दी, दधीचि ऋषि आश्रम और अन्य पवित्र स्थलों के दर्शन किए। हर जगह एक अलग इतिहास, एक अलग भावना और एक अलग प्रकार का सुकून मिला। ऋषियों के तप और कथाओं की ऊर्जा इस स्थान पर जीवित प्रतीत हुई। शाम होने को थी और सूरज की किरणें चक्रतीर्थ के जल पर सोना बिखेर रही थीं। किनारे बैठकर डूबते सूरज को देखते हुए महसूस हुआ कि नैमिषारण्य धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि आत्मा की यात्रा का पड़ाव है। यहां आकर मन अपने आप ही विनम्र, शांत और निर्मल हो जाता है।

धार्मिक महत्व

नैमिषारण्य हिंदू धर्म की सबसे प्राचीन और पवित्र तपोभूमि में से एक है। माना जाता है कि यहां 88,000 ऋषियों ने सत्य और धर्म की रक्षा हेतु दीर्घकालीन यज्ञ किया था। पुराणों में वर्णित अधिकांश कथाएं, विशेषकर वेदव्यास और सूत जी द्वारा सुनाई गई कई महापुराणों की रचना, इसी पवित्र भूमि पर हुई। यह स्थान देवताओं, ऋषियों और साधकों की ऊर्जा से पूर्ण है। मान्यता है कि यहां की यात्रा जीवन के पापों को क्षीण करके मन को आध्यात्मिक शक्ति देती है और साधक को सत्य, शांति तथा मोक्ष के मार्ग के करीब लाती है।

इसलिए प्रसिद्ध है चक्रतीर्थ

चक्रतीर्थ नैमिषारण्य का सबसे पवित्र केंद्र माना जाता है। मान्यता है कि जब देवताओं ने सुरक्षित तपोभूमि की तलाश की, तब भगवान विष्णु ने अपना चक्र घुमाया और जहां वह गिरा, वहीं यह तीर्थ बना। इसके जल को अत्यंत पवित्र और कल्याणकारी माना जाता है। कहते हैं कि यहां स्नान करने से न केवल पापों का नाश होता है, बल्कि मन और आत्मा की शुद्धि होती है। पुराणों में इसे धरती का सबसे शुभ तीर्थ बताया गया है।

दधीचि ऋषि से जुड़ा इतिहास

मान्यता है कि नैमिषारण्य में दधीचि ऋषि ने देवताओं के लिए अपना शरीर अर्पित किया था। असुरों से रक्षा हेतु भगवान इंद्र को वज्र बनाने के लिए दधीचि की अस्थियों की आवश्यकता पड़ी और उन्होंने निःस्वार्थ भाव से अपना शरीर त्यागकर धर्म की रक्षा की। नैमिष की धरती दधीचि के इसी दिव्य तप, त्याग और साहस को संजोए हुए है, जहां आने से व्यक्ति त्याग, करुणा और धर्म की शक्ति को गहराई से महसूस करता है।

जॉब का पहला दिन

विभागाध्यक्ष की कुर्सी ने कराया जिम्मेदारी का एहसास

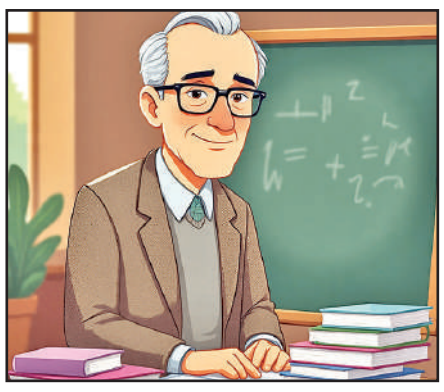

बात 5 सितंबर 2017 की है। माध्यमिक सेवा चयन आयोग से बतौर सहायक प्रोफेसर नौकरी लगी। गोरखपुर होम टाउन था, लेकिन नौकरी ज्वाइन करने के लिए हमें मुरादाबाद के कांठ का डिग्री कॉलेज आवंटित हुआ। मन में तमाम सवाल उठ रहे थे, कैसे कहां क्या करेंगे, मन में नई उमंगें लेकर गोरखपुर से मुरादाबाद के लिए ट्रेन में बैठ गए। नौकरी ज्वाइन करने के पहले दिन ट्रेन से मुरादाबाद जंक्शन पहुंचे, यहां से कांठ के डीएसएम डिग्री कॉलेज जाने के लिए एक बस पकड़ी। करीब एक घंटे में बस ने कांठ में उतार दिया, काफी खोजबीन के बाद कॉलेज पहुंचे, तब हम इस कॉलेज का पूरा नाम नहीं जानते थे, वहां पहुंचने पर मालूम हुआ कि इस कॉलेज का पूरा नाम ध्यान सिंह मैमोरियल डिग्री कॉलेज है, वो भी बोर्ड देखकर। यह कॉलेज राज घराने से ताल्लुक रखता है, अंग्रेजों के समय के बने इस कॉलेज में पहले दिन सबसे पहली समस्या भाषा की आई, गोरखपुर और मुरादाबाद की बोलचाल की भाषा में काफी अंतर है। कॉलेज में हर कोई व्यक्ति अपरिचित की नजर से हमें और हम उन्हें देखते थे, भाषा के साथ परिचय और खानपान की समस्या भी सामने आई। हमारे यहां चाय के साथ मीठा नहीं दिया जाता है। कॉलेज में पहले दिन चाय संग मीठा मिला। यह अनुभव जीवन में पहली बार हुआ।

उस दिन कॉलेज में कोई और प्रोफेसर नहीं पहुंचे, तो प्राचार्य ने मुझे पहले दिन राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी, जबकि यूनिवर्सिटी में पढ़ने के दौरान हम देखते थे कि विभागाध्यक्ष की बड़ी जिम्मेदारी होती है। क्लास में गए और राजनीति विज्ञान के बच्चों से परिचय हुआ, बच्चों से परिचय होने के दौराना उनका रूझान रोजगार की तरफ ज्यादा दिखा, तब पहले दिन बच्चों को पढ़ाई अच्छे से करने के साथ रोजगार के बारे में भी बताया। बच्चों की जिज्ञासाओं को शांत किया। जॉब का पहले दिन का अनुभव जीवन का सबसे श्रेष्ठ रहा है। चाय संग मीठा और पहले दिन ही विभागाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाने का एहसास जीवन के लिए बेहतर साबित हुआ। कांठ डिग्री कॉलेज में कई साल गुजारे और ग्रामीणों को भी विभिन्न योजनाओं के प्रति कार्यक्रम चलाकर जागरूक किया। इसके बाद रुहेलखंड यूनिवर्सिटी में काफी समय तक शिक्षण कार्य किया।

नीरज पाठक
सहायक रजिस्टार फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स, बरेली

मेकअप वाली लड़की

एक समय की बात है, एक लड़की थी, जिसका नाम लूसी था। उसे मेकअप करने का बहुत शौक था। वह बिना मेकअप के घर से बाहर भी नहीं निकलती थी। स्कूल में उसे सब लोग 'परफेक्ट दिखने वाली लड़की' के नाम से जानते थे।

एक दिन स्कूल में अनाउंसमेंट हुआ कि जल्द ही प्रॉम नाइट होने वाली है। यह सुनकर लूसी बहुत उत्साहित हो गई। वह उसी पल से तैयारियों के सपने देखने लगी। जब सब लड़कियां अपने-अपने दोस्तों के साथ खरीदारी करने गईं, लूसी अकेली ही निकल पड़ी। उसने मेकअप की सारी चीजें खरीद लीं- लिपस्टिक, आईलाइनर, ब्लश, मस्कारा, आईशैडो, फाउंडेशन आदि। उसने एक खूबसूरत ड्रेस भी खरीदी। आखिरकार वह बड़ी रात आ गई। लूसी सुबह जल्दी उठी, तैयार हुई और मेकअप करना शुरू कर दिया। उसने पूरा दिन और शाम सिर्फ तैयार होने में लगा दी।

रात 7 बजे जब वह प्रॉम वेन्यू पहुंची, तो हर लड़की सुंदर लग रही थी, लेकिन लूसी सबसे अलग और चमकदार दिख रही थी। जब प्रॉम क्वीन का नाम घोषित हुआ, तो आवाज आई-"प्रॉम क्वीन हैं, बेका मेसन!" सबको पता था कि बेका बहुत दयालु और अच्छी लड़की है, इसलिए कोई हैरान नहीं हुआ, लेकिन अचानक बेका रोने लगी और बोली- "रुकिए! मैं विनर नहीं हूं।" पूरा हॉल उसकी ओर देखने लगा। बेका ने कहा- "मैं इस प्रतियोगिता में भाग ही नहीं ले रही थी।" प्रिंसिपल ने सिर हिलाया और फिर दोबारा घोषणा की- "प्रॉम क्वीन हैं लूसी!" लूसी खुश तो थी, लेकिन उसने एक महत्वपूर्ण बात समझ ली- सच्ची चमक मेकअप से नहीं, बल्कि खुशी और दयालुता से आती है। उसने देखा कि बेका बिना मेकअप के भी मुस्कुरा रही थी, खुश थी और सबके साथ नाच रही थी। **-वनीशा साधवानी**

आपबीती

जिंदा रहने के लिए जरूरी है काम

बीते दिनों ऑनलाइन कुछ खाने का आर्डर किया। बताया गया कि पौन घंटे में डिलीवर हो जाएगा। हम तसल्ली से मैच देखते हुए खाने का इंतजार करते रहे। बीच-बीच में कुछ-कुछ पढ़ते भी रहे। इसके साथ मोबाइल में आए नोटिफिकेशन भी टनटन बजते तो उनको भी देख लेते। कुल मिलाकर एक 'व्यस्त इंतजार' करते रहे। थोड़ी देर में मैसेज आया। डिलीवर करने वाले का नाम और संदेश कि वह निकल चुका है। बताया कि बीस मिनट में पहुंचेगा।

मैच में भारत की स्थिति मजबूत दिख रही थी। पहले बॉलिंग और फिर बैटिंग दोनों में खिलाड़ियों का प्रदर्शन बढ़िया रहा। थोड़ी देर में मैच भी जीत गया भारत, लेकिन खाना नहीं आया। डिलीवरी करने वाले को करीब घंटे भर से सत्ताईस मिनट की दूरी पर ही दिखाता रहा जोमैटो। मैच खत्म होने के बाद रेस्टोरेंट वाले ने बताया कि डिलीवरी वाला, उनके यहां से तो निकल चुका है खाना लेकर। डिलीवरी वाले को फोन लगाया तो पता चला कि वह तो अभी गोमतीनगर में है। वहां से डिलीवरी करने के बाद आएगा हमारा खाना लेकर। गोमतीनगर हमारे घर से करीब बीस किलोमीटर की दूरी पर है। मतलब करीब आधा घंटा की दूरी।

अनूप शुक्ल
कानपुर

डिलीवरी वाला काफी देर तक सत्ताईस मिनट की दूरी पर ही रहा। शायद वह पहले वाली डिलीवरी ही निपटा रहा होगा। इसके बाद उसने चलना शुरू किया। हमारे पास पहुंचने के मिनट कम होते गए। अंततः वह आ ही गया। अपना सामान लेने के बाद हमने देरी का कारण पूछा, तो उसने बताया कि साथ ही उसको तेलीबाग में डिलीवरी का आर्डर मिला था (तेलीबाग हमारे घर के पास ही है)। वहां पहुंचने पर पता चला कि डिलीवरी गोमती नगर करनी है। जोमैटो वालों ने कहा-"जाना ही पड़ेगा, तो जाना ही पड़ा।"

गलती किसकी है पता नहीं, लेकिन इस चक्कर में डिलीवरी वाले को करीब चालीस किलोमीटर अतिरिक्त गाड़ी चलानी पड़ी। ग्राहक भगवान होता है। भगवान की सेवा जरूरी है। जाड़े के मौसम में मोटरसाइकिल पर चालीस किलोमीटर गाड़ी अतिरिक्त चलानी पड़ी डिलीवरी वाले को। बातचीत करने पर डिलीवरी वाले ने बताया कि सुबह ग्यारह बजे से रात नौ बजे तक उसने 14 आर्डर निपटाए। सात सौ रुपये करीब कमाई हुई। दो सौ रुपये करीब पेट्रोल के निकालकर पांच सौ रुपये बचे। डिलीवरी वाला बालक जाड़े के हिसाब से कपड़े पहने था। टोपा भी लगाए था, लेकिन हाथ में दास्ताने नहीं पहने था। पूछने पर बोला-"गाड़ी चलाने में असुविधा होती है।"

हमारा खाना काफी देर से मिला। ठंडा भी हो गया था, लेकिन हमने डिलीवरी में सबसे अच्छी रेटिंग ही दी। खाना गर्म करके खा लिया। खाने के बाद हर बार की तरह यह भी सोचा कि खाना घर में ही बनाकर खाना चाहिए। सामान डिलीवरी करने वाले लोगों को देखता हूं, तो लगता कि कितना कठिन काम है यह। ऐसा काम, जिसमें आगे कोई उन्नति का स्कोप नहीं है, लेकिन लोग कर रहे हैं। मजबूरी है। करना पड़ता है। जिंदा रहने के जरूरी है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,929.36	25,966.40
बढ़त	447.55	150.85
प्रतिशत में	0.53	0.58

सोना 1,36,515 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,04,100 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शनिवार, 20 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अल्ट्राटेक सीमेंट को 6.58 करोड़ रुपये का कर नोटिस

नई दिल्ली। आदित्य बिरला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट को जीएसटी से संबंधित देनदारी, ब्याज और जुर्माने समेत कुल 6.58 करोड़ रुपये के दो कर नोटिस मिले हैं। एक नोटिस केंद्रीय जीएसटी के उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित संयुक्त आयुक्त कार्यालय से मिला है। इसमें 72, 62,390 रुपये के जीएसटी, 86,22,535 रुपये के ब्याज और 1,49,41,110 रुपये के जुर्माने की मांग की गयी है। यह राशि कुल 3,08,26,035 रुपये है। सरा नोटिस केंद्रीय जीएसटी के पश्चिम बंगाल स्थित भोलापुर के संयुक्त आयुक्त से प्राप्त हुआ है। इसमें 1,74,64, 611 करोड़ रुपये के कर और इतनी ही राशि के ब्याज तथा जुर्माने की मांग की गई है। कुल राशि 3,49,29,222 करोड़ रुपये है।

फ्लिपकार्ट ने मिनिवेट एआई में हासिल की नियंत्रक हिस्सेदारी

नई दिल्ली। फ्लिपकार्ट ने एआई और मशीन लैंग्वेज समाधान प्रदाता कंपनी मिनिवेट एआई में नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है। फ्लिपकार्ट ने बताया कि यह अधिग्रहण मूल रचनात्मक एआई (जेनएआई) क्षमताओं के निर्माण और उनमें निवेश की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। इससे फ्लिपकार्ट और दूसरे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के अधिक सहज तथा बेहतर खरीदारी अनुभव की ओर बढ़ने की उम्मीद है। मिनिवेट एआई ई-कॉमर्स के लिए रचनात्मक वीडियो पर केंद्रित है, जो उत्पादों के कैटलॉग को तस्वीरों की सीमाओं से निकालकर आकर्षक वीडियो कंटेंट में बदलता है।

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3400, मसूरी- 1000 बासमती- 5200, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 3000, साबुत चना दाल- 3000, मूंग साबुत- 4400, राजमा- 8100-12200, दाल उड़द- 6000, साबुत मसूर दाल- 4000, मसूर दाल- 3000, उड़द साबुत- 5200, काबुली चना- 8800, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1700

* दाम प्रति क्विंटल में

चीन के साथ व्यापार घाटा इसी साल 106 अरब डॉलर पहुंचने के आसार

निर्यात के मुकाबले आयात में तेज वृद्धि के दृष्टिगत जीटीआरआई का आंकलन

नई दिल्ली, एजेंसी

● सुधार उपाय सुझाने को किया गया अंतर मंत्रालयी समिति का गठन

भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा इसी साल 106 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की आशंका है, क्योंकि पड़ोसी देश को होने वाले निर्यात की तुलना में आयात में तेजी से वृद्धि हो रही है। आर्थिक शोध संस्थान जीटीआरआई ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट में कहा गया कि चीन को देश का निर्यात 2021 में 23 अरब अमेरिकी डॉलर से 2022 में घटकर 15.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, यह 2023 में 14.5 अरब अमेरिकी डॉलर रहा और फिर 2024 में बढ़कर 15.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

अनुमान है कि 2025 में निर्यात बढ़कर 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। इस कैलेंडर वर्ष में, देश में आने वाले माल का अनुमानित मूल्य 123.5 अरब अमेरिकी डॉलर है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, इससे चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा (आयात व निर्यात के बीच का अंतर) 2021 में 64.7 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2024 में 94.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया और इसके 2025 में 106 अरब अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान है।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने 16 दिसंबर को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि घाटा मुख्य रूप से कच्चे माल, मध्यवर्ती वस्तुओं एवं पूंजीगत वस्तुओं के आयात के कारण है, जैसे मोटर वाहन कलपुर्जे, इलेक्ट्रॉनिक घटक, मोबाइल फोन घटक, मशीनरी व उसके घटक, 'एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स' जिनका उपयोग तैयार उत्पादों को बनाने में किया जाता है और जिन्हें भारत से बाहर निर्यात भी किया जाता है।

जितिन ने कहा, आयात व निर्यात के रुझानों पर विचार करने और जहां आवश्यक हो, सुधारात्मक कार्रवाई की सिफारिश करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) का गठन किया गया है। जीटीआरआई के अनुसार, चीन से भारत के करीब 80 प्रतिशत आयात केवल चार उत्पाद समूहों इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, कार्बनिक रसायन और प्लास्टिक में केंद्रित हैं। भारत का चीन को निर्यात नवंबर में 90 प्रतिशत बढ़कर 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। अप्रैल-नवंबर के दौरान निर्यात में 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 12.2 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।

चीन ने दायर की भारत के विरुद्ध डब्ल्यूटीओ में एक और याचिका

बीजिंग। चीन ने सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) क्षेत्र से जुड़े उत्पादों पर लगाए गए सीमा-शुल्क और सौर क्षेत्र को सब्सिडी देने पर शुक्रवार को भारत के खिलाफ विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में एक याचिका दायर कर परामर्श की मांग रखी।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत के ये उपाय डब्ल्यूटीओ के कई प्रावधानों का उल्लंघन करते हैं। बयान के मुताबिक, भारत के ये कदम आयात-प्रतिस्थापन सब्सिडी की श्रेणी में आते हैं जो डब्ल्यूटीओ नियमों के तहत स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित हैं। इसके साथ भारत के घरेलू उद्योगों को अनुचित रूप से प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करते हैं और चीन के हितों को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे पहले अक्टूबर में भी चीन ने ईवी और बैटरी क्षेत्र में अनुचित सब्सिडी को लेकर भारत के खिलाफ याचिका दायर की थी।

आईबीएम 50 लाख भारतीयों को देगी एआई, साइबर सुरक्षा ट्रेनिंग

नई दिल्ली, एजेंसी

● अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी ने भविष्य के लिए उपयुक्त कार्यबल तैयार करने की मंशा जताई

अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी आईबीएम ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह 2030 तक भारत में 50 लाख लोगों को कृत्रिम मेधा (एआई), साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षण देगी।

कंपनी ने बताया कि यह योजना आईबीएम कौशल निर्माण कार्यक्रम के माध्यम से संचालित की जाएगी। इसका उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करना और लोगों के लिए उन्नत डिजिटल कौशल और रोजगार योग्यता के अवसर बढ़ाना है।

इस कार्यक्रम के तहत आईबीएम विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और व्यावसायिक शिक्षा संस्थानों में अपने शैक्षिक प्रयासों का विस्तार करेगी। कंपनी अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के सहयोग से व्यावहारिक एआई प्रशिक्षण, संकाय सशक्तीकरण कार्यक्रम, हैकाथॉन और इंटर्नशिप आयोजित करेगी। आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा ने कहा, भारत में एआई और क्वांटम क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करने की प्रतिभा और महत्वाकांक्षा है। अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में दक्षता आर्थिक प्रतिस्पर्धा, वैज्ञानिक प्रगति और सामाजिक परिवर्तन को परिभाषित करेगी। उन्नत कौशल तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाकर, हम युवाओं और छात्रों को भारत के विकास को आगे बढ़ाने, नवाचार करने और गति प्रदान करने में सक्षम बना रहे हैं।

केरल की उधारी सीमा में 59,00 करोड़ की कटौती

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

● चुनाव से पहले केंद्र के झटके पर भड़की राज्य सरकार

केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने चालू वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही में राज्य की निर्धारित उधारी सीमा में 5,900 करोड़ रुपये की कटौती के केंद्र सरकार के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए इसे राजनीति से प्रेरित और पूरी तरह अन्यायपूर्ण बताया। बालगोपाल ने कहा कि केरल-विरोधी इस निर्णय की जानकारी बुधवार रात केंद्र से प्राप्त एक पत्र के जरिए दी गई।

उन्होंने कहा, केंद्र का यह कदम केरल के विकास और कल्याणकारी कार्यक्रमों पर सीधा हमला है। वित्त मंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले साढ़े चार वर्षों से केरल पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है और अब विधानसभा चुनाव से ठीक तीन महीने पहले उधारी सीमा में इतनी बड़ी कटौती कर दी गई है। उन्होंने कहा, यह सरकार के अंतिम महीनों में कल्याणकारी पहलों को बाधित करने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने इसे केरल के लोगों के खिलाफ केंद्र की तरफ से जंग का एलान करार दिया। कहा कि केंद्र अन्य तरीकों से भी केरल को उसके वैध कर हिस्सेदारी से वंचित करता रहा है।

बालगोपाल ने मनरेगा में बदलाव पर कहा कि केंद्र ने रोजगार गारंटी योजना के क्रियान्वयन से पीछे हटना शुरू कर दिया है। योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाया जा रहा है और इसके वित्तीय बोझ का बड़ा हिस्सा लिए हैं। इन संशोधनों के बाद नागरिकों ओर कंपनियों दोनों के मामले में पेंशन योजना में पांच वर्ष की लॉक-इन अवधि (निवेश को निकालने पर पाबंदी की अवधि) को खत्म कर दिया गया। इसी के साथ पेंशन योजना से बिना नुकसान के सामान्य रूप से पूरे अधिकार के साथ निकालने के लिए निर्धारित वेस्टिंग पीरियड (निवेशित बने रहने की अवधि) को 60 की आयु की शर्त को संशोधित कर कम से कम 15 वर्ष तक योजना में पैसा निवेशित रखने या 60 वर्ष की आयु प्राप्त होने की अवधि कर दिया गया है।

अदाणी ग्रुप हवाई अड्डों में एक लाख करोड़ रुपये का करेगा निवेश

मुंबई। अदाणी समूह अगले पांच वर्ष में अपने हवाई अड्डों के कारोबार में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है।

गौतम अदाणी के छोटे बेटे एवं अदाणी एयरपोर्ट्स के निदेशक जीत अदाणी ने 25 दिसंबर को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने से पहले कहा, हवाई अड्डा क्षेत्र में अगले पांच वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, अदाणी समूह के बढ़ते हवाई अड्डा खंड में नवीनतम उपलब्धि है। इससे भारत के विमानन बुनियादी ढांचे में इसकी उपस्थिति और मजबूत होगी। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड द्वारा विकसित किए जो रहे हवाई अड्डा में अदाणी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

चार दिन बाद लौटी तेजी, सेंसेक्स 447 अंक उछला

मुंबई, एजेंसी

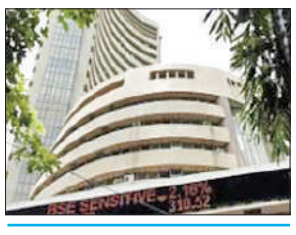

● वैश्विक बाजारों में तेजी, विदेशी लिवाली से चढ़ा घरेलू बाजार

वैश्विक बाजारों में तेजी और विदेशी निवेशकों की लिवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार चार दिनों की गिरावट के बाद शुक्रवार को उछाल के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 447 अंक की तेजी रही जबकि निफ्टी 151 अंक चढ़ गया। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका में नवंबर के खुदरा मुद्रास्फीति आंकड़े कम रहने से फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और कटौती की उम्मीद मजबूत हुई है जिससे निवेशकों का रुझान शेयरों की ओर बढ़ा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 447.55 अंक यानी 0.53 प्रतिशत चढ़कर 84,929.36 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 585.69 अंक बढ़कर 85,067.50 अंक तक पहुंच गया था। एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 150.85 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,966.40 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फिनसर्व के शेयर बढ़त में रहे। दूसरी तरफ, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और सन फार्मा के शेयरों में गिरावट का रुख देखा गया।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.69 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.689 अरब डॉलर बढ़कर 688.949 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह लगातार दूसरा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा है। गत 5 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 1.033 अरब डॉलर की वृद्धि के साथ 687.26 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 12 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 90.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 557.787 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रुपया डॉलर के मुकाबले 53 पैसे मजबूत हुआ

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया शुक्रवार को 53 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 89.67 रुपये का बताया गया। भारतीय मुद्रा में यह लगातार तीसरी तेजी है। गुरुवार को यह 18 पैसे की मजबूती के साथ 90.20 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये में शुक्रवार को भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। यह 90.1950 रुपये प्रति डॉलर पर लगभग स्थिर खुला और नीचे 90.3050 रुपये तथा ऊपर 89.25 रुपये प्रति डॉलर तक गया।

चांदी 3,500 रुपये टूटकर 2,04,100 रुपये पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को चांदी का भाव रिकॉर्ड स्तर से नीचे आ गया। स्टॉकिस्टों, फुटकर विक्रेताओं की ताजा बिकवाली के कारण चांदी 3,500 रुपये घटकर 2,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम रही। बृहस्पतिवार को चांदी 1,800 रुपये बढ़कर 2,07,600 रुपये किलो के नए शिखर पर पहुंच गई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, सोने की कीमत बृहस्पतिवार के बंद स्तर 1,36,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लगभग स्थिर रुख लिए 1,36,515 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर रही।

वित्त मंत्रालय ने पेंशन योजनाओं में लॉक इन पीरियड की न्यूनतम अवधि खत्म की

नई दिल्ली, एजेंसी

● नागरिकों और निजी क्षेत्र के कर्मियों के हित में कदम उठाने का किया दावा

सरकार ने सामान्य नागरिकों और कॉर्पोरेट क्षेत्र के लिए पेंशन योजनाओं में अंशधारक का अंशदान बनाए रखने की न्यूनतम अवधि संबंधी शर्त समाप्त कर दी है। पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडी) ने इसके लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अंतर्गत योजना से निकलने और धन वापस लेने के अपने 2015 के नियमों में संशोधन की अधिसूचना जारी कर दी है।

वित्त मंत्रालय के अनुसार पीएफआरडीए के नियमों में नए संशोधन वृद्धावस्था में पेंशन योजनाओं के प्रोत्साहन और पेंशनधारकों के हितों के संरक्षण के

कंपनी क्षेत्र की पेंशन योजना में के लिए योजना में निवेशित बने रहने के नियम को यथावत रखा गया है। संशोधित नियमों के तहत सभी नागरिकों और कंपनी में काम करने वालों के लिए सामान्य रूप से योजना से निकलने पर अब 80 प्रतिशत तक धन एक साथ और कम से 20 प्रतिशत धन एन्यूइटी (नियमित) भुगतान के रूप में लिया जा सकता है। अभी एक मुश्त भुगतान का अनुपात 60 प्रतिशत था। नए नियमों के तहत अब 12 लाख रुपये तक के कोष पर 100 प्रतिशत तक एकमुश्त भुगतान लिया जा सकता है। इससे अधिक के कोष पर 12 प्रतिशत भुगतान एक मुश्त और 20 प्रतिशत एन्यूइटी के रूप में मिलेगा।

रंग और पतंग

मकर संक्रांति पर पतंगें उड़ाने की पुरानी परंपरा है। देश के कई शहरों में इस दिन बड़े पैमाने पर पतंग उड़ाने का रिवाज है, जिनमें जयपुर भी एक है। शुक्रवार को यहां मकर संक्रांति के लिए रंग-बिरंगी पतंगें सजाता एक दुकानदार।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह आठ प्रतिशत बढ़कर 17.04 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश में एक अप्रैल से 17 दिसंबर के बीच शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह आठ प्रतिशत बढ़कर 17.04 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। रिफंड धीमा होने और कंपनियों के अधिक अग्रिम कर से शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह बढ़ा है। आयकर विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, शुद्ध कॉरपोरेट कर संग्रह 10.54 प्रतिशत बढ़कर 8.17 लाख करोड़ से अधिक हो गया। वहीं गैर-कॉरपोरेट कर 6.37 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 8.47 लाख करोड़ रुपये रहा। इसमें जिसमें व्यक्तियों, एचयूएफ और कंपनियों द्वारा भुगतान किए गए कर शामिल हैं। चालू वित्त वर्ष में 17 दिसंबर तक प्रतिभूति लेनदेन कर से प्राप्त शुद्ध राजस्व सालाना आधार पर 40,195 करोड़ रुपये रहा। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह का अनुमान 25.20 लाख करोड़ रुपये लगाया है।

भारत, नीदरलैंड ने संयुक्त व्यापार एवं निवेश समिति का गठन किया

नई दिल्ली। भारत और नीदरलैंड ने द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के लिए एक संयुक्त व्यापार और निवेश समिति (जेटीआईसी) का गठन किया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस संबंध में दोनों देशों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। मंत्रालय ने कहा कि जेटीआईसी द्विपक्षीय व्यापार संबंधों की समीक्षा करने, दोनों पक्षों के बीच निवेश को बढ़ावा देने, निवेश और व्यापार संबंधी बाधाओं को दूर करने और आपसी हित के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए अलग से एक व्यवस्था के रूप में कार्य करेगा। बयान में कहा गया कि समझौते के तहत, संयुक्त व्यापार और निवेश समिति की बैठक हर साल होगी, जो बारी-बारी से भारत और नीदरलैंड में आयोजित की जाएगी।

ओडिशा को मिले 67,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव

भुवनेश्वर। हैदराबाद में आयोजित दो दिवसीय निवेशक सम्मेलन के दौरान ओडिशा सरकार को लगभग 67,000 करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस निवेशक सम्मेलन और प्रचार-प्रसार बैठकों में भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में ओडिशा के लिए निवेश आकर्षित करना था। सम्मेलन में दवा उद्योग, चिकित्सा उपकरण, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण, वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, डाटा सेंटर और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में उद्योग जगत की रुचि देखने को मिली। सम्मेलन के दौरान 13 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिनसे 27,650 करोड़ रुपये के निवेश और करीब 15,905 रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

मारुति के चेयरमैन को आईसीएसआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन आरसी भार्गव को कंपनी संचालन में उत्कृष्टता को वास्तविकता में बदलने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) ने आईसीएसआई 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित किया है। कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह पुरस्कार भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली जूरी ने दिया है। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद भार्गव ने कहा, यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मुझे दिया गया है, लेकिन सच्चाई यह है कि मारुति सुजुकी प्रबंधन और कर्मचारियों की भागीदारी के बिना यह सम्मान संभव नहीं होता।

एडीबी की भारत में 4.26 अरब डॉलर का कर्ज देने की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी

● नवीकरणीय ऊर्जा और शहरी बुनियादी ढांचे में बदलाव के लिए होगा इस्तेमाल

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने वर्ष 2025 में भारत में 4.26 अरब डॉलर के सरकारी ऋण की प्रतिबद्धता जताई है। यह कर्ज देश के दक्षता परिवेश को मजबूत करने, नवीकरणीय ऊर्जा के इस्तेमाल को तेज करने, शहरी बुनियादी ढांचा को बदलने, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार करने, स्वास्थ्य देखरेख सेवाओं को बेहतर बनाने और 'इकोटूरिज्म' को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण है।

एडीबी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एशियाई विकास बैंक की 16 नई स्वीकृत परियोजनाओं में से लगभग 32 प्रतिशत मानव और सामाजिक विकास क्षेत्र पर केंद्रित हैं। इसके बाद 26 प्रतिशत मुख्य रूप से नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने जैसे ऊर्जा के क्षेत्र में हैं और 18 प्रतिशत से अधिक शहरी विकास में हैं। इनमें पीएम-सेतु, भारत के प्रमुख दक्षता कार्यक्रम के लिए 84.6 करोड़ डॉलर की वित्तपोषण पहल शामिल है, जो कौशल को बढ़ाने और रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने के लिए राज्यों में सैकड़ों औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का आधुनिकीकरण करेगी।

एडीबी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का समर्थन करने के लिए 65 करोड़ डॉलर भी प्रदान कर रहा है। योजना के तहत देश भर में 'रूफटॉप यानी छतों पर सौर प्रणाली लगाने को प्रोत्साहित किया जा रहा है। एडीबी की भारत में क्षेत्रीय निदेशक मियो ओका ने कहा, हमें गर्व है कि एडीबी के वर्ष 2025 पोर्टफोलियो ने भारत के प्राथमिकता वाले विकास एजेंडा का समर्थन किया, जिसमें नौकरियों के लिए कार्यबल को कुशल बनाने, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और परिवर्तनकारी शहरी विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि ये पहल एडीबी की समावेशी और स्थायी विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के लिए पीयूष गोयल आठ जनवरी को ब्रसेल्स जाएंगे

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल प्रस्तावित व्यापार समझौते को गति देने मकसद से अगले साल आठ जनवरी को ब्रसेल्स जाएंगे। इस दौरान वह यूरोपीय संघ के कार्यकारी उपाध्यक्ष और व्यापार मामलों के आयुक्त मारोस सेफकोविक से बातचीत करेंगे। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत अंतिम चरण में है। दो दिवसीय यात्रा के दौरान गोयल सेफकोविक से मुलाकात करेंगे। मंत्री सात जनवरी को लिशटेंस्टाइन का दौरा करेंगे और फिर आठ और नौ जनवरी को व्यापार वार्ता के लिए ब्रसेल्स में रहेंगे। यह यात्रा भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की बातचीत के एक महत्वपूर्ण चरण में हो रहा है, क्योंकि दोनों पक्ष जल्द से जल्द एक व्यापक, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को मुकाम पर पहुंचाने के प्रयासों को तेज कर रहे हैं।

ओमान को सूरत, पुणे, तिरुपुर से निर्यात बढ़ेगा

नई दिल्ली। भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौते से सूरत से आभूषण, पुणे से इंजीनियरिंग सामान, तिरुपुर से कपड़ों और विशाखापत्तनम से समुद्री उत्पादों के निर्यात को ओमान में बढ़ावा मिलेगा। इन सामान को अब बिना शुल्क पहुंच मिलेगी।

समझौते के तहत, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना सहित राज्यों के आईटी व आईटी आधारित सेवा पेशेवरों और अन्य व्यापार सेवा प्रदाताओं को भी ओमान में निर्यात बढ़ाने के बड़े अवसर मिलेंगे। इसके अलावा, मुरादाबाद से पीतल के बर्तन और धातु के हस्तशिल्प, कानपुर-आगरा से चमड़े के जूते, भदोही-मिर्जापुर से कालीन और होम टेक्सटाइल, इडुक्की/वायनाड से मूल्यवर्धित मसाले, तिरुपति से चुनिंदा इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद और वेल्लोर-अंबूर के चमड़े के जूते को भी शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी।

भारत में अर्थव्यवस्था के लिए परिस्थितियां अनुकूल

एमपीसी बैठक का ब्योरा जारी, घटते निर्यात और औद्योगिक उत्पादन पर जताई गई थी चिंता

मुंबई, एजेंसी

● सदस्यों ने कहा था-अमेरिकी टैरिफ का दिखने लगा है असर

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की इस महीने के शुरू में हुई बैठक में सदस्यों ने निर्यात और औद्योगिक उत्पादन में गिरावट को लेकर चिंता जताई थी और भविष्य के लिए रुख को तटस्थ रखने का निर्णय किया था।

केंद्रीय बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी किए गए बैठक के विवरण के मुताबिक रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा सहित सभी सदस्यों ने स्वीकार किया कि घरेलू स्तर पर जीडीपी की वृद्धि दर और मुद्रास्फीति के मोर्चे पर अर्थव्यवस्था के लिए परिस्थितियां बिल्कुल अनुकूल हैं। हालांकि उन्होंने अमेरिका के टैरिफ और भू-राजनैतिक कारकों के मद्देनजर नजदीकी नजर रखने की भी वकालत की।

रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कटौती की सर्वसम्मति से सिफारिश करते हुए समिति के छह में से पांच सदस्यों ने रुख तटस्थ बनाए रखने की वकालत की थी जबकि प्रो. राम सिंह ने रुख को नरम करने का सुझाव दिया था। मल्होत्रा ने कहा था कि साल के दौरान वैश्विक विकास मजबूत रहा है लेकिन भू-राजनैतिक और व्यापार चिंताओं, नीतिगत अनिश्चितताओं और आर्थिक बिखराव के कारण परिदृश्य पर दबाव है। कुछ विकसित देशों में मुद्रास्फीति में कमी के मद्देनजर उन्होंने आने वाले महीनों में अधिक नरम नीतिगत निर्णयों की उम्मीद जताई और कहा कि प्रमुख केंद्रीय बैंकों के नीतिगत मामलों में अलग-अलग रुख अपनाने से वित्तीय बाजार में धारणा अनिश्चितता भरी है।

डॉ. पूनम गुप्ता ने कहा कि दूसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़ों से उत्साह के बाद आए तीसरी तिमाही के मासिक आंकड़ों से संकेत मिलते हैं कि दूसरी छमाही में वृद्धि दर तुलनात्मक रूप से कम रह सकती है। उन्होंने कहा कि संभवतः वैश्विक अनिश्चितता का चरम स्तर पीछे छूट चुका है। इंद्रनील भट्टाचार्य ने कहा कि घरेलू स्तर पर जीएसटी सुधार और वित्तीय मोर्चों पर अनुकूल परिस्थितियां अर्थव्यवस्था को गति दे रही हैं, लेकिन व्यापार और टैरिफ संबंधी अनिश्चितताओं जैसे बाहरी कारक अवरोध पैदा कर रहे हैं।

आतंकवाद से मिलकर लड़ेंगे भारत-नीदरलैंड

● दोनों देशों ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने पर दिया बल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और नीदरलैंड ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की निंदा करते हुए शुक्रवार को आतंकवाद से व्यापक और सतत तरीके से निपटने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र, यूक्रेन, दक्षिण एशिया, पश्चिम एशिया और साझा हित के अन्य क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। विदेश मंत्री एस जयशंकर और नीदरलैंड के उनके समकक्ष डेविड वान वील ने शुक्रवार को हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान भारत-नीदरलैंड संबंधों के संपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की और हाल के वर्षों में साझेदारी की महत्वपूर्ण प्रगति पर ध्यान दिया तथा संबंधों के रणनीतिक आयाम को मजबूत करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की। नीदरलैंड के विदेश मंत्री ने दिल्ली में हाल में हुई आतंकी घटना के पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

चीन दुर्लभ धातुओं के निर्यात के लिए देगा अनुमति

बीजिंग। चीन ने शुक्रवार को कहा कि वह नागरिक उपयोग के लिए अपने दुर्लभ धातुओं के निर्यात को मंजूरी देगा। भारत द्वारा बीजिंग से प्रतिबंध हटाने और आधुनिक उत्पादों के निर्माण में आवश्यक बहुमूल्य धातुओं के निर्यात को फिर से शुरू करने की मांग के बीच यह कदम उठाया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने दुर्लभ धातुओं से संबंधित वस्तुओं पर चीन के निर्यात नियंत्रण के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि यह नियंत्रण कानूनों व नियमों के अनुसार है और किसी विशिष्ट देश को लक्षित नहीं करता है। उनका जवाब भारत द्वारा दुर्लभ धातुओं के निर्यात शुरू करने की मांग से संबंधित था।

विकसित भारत की नींव होगी मजबूत

विपक्ष के हंगामें और भारी विरोध के बीच संसद ने गुरुवार को विकसित भारत जी राम जी विधेयक पारित कर दिया। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) या वीबी-जी राम जी नाम से लाई गई इस योजना से मजबूत और टिकाऊ ग्रामीण बुनियादी ढांचे का निर्माण होगा। सरकार का कहना है कि विधेयक के प्रावधान ग्राणीम मजदूरों को रोजगार देने के साथ किसानों के हित को भी सुनिश्चित करेंगे। सरकार का कहना है कि यह योजना पूर्ववर्ती मनरेगा योजना से कई मायनों में बेहतर और भिन्न है। यह ग्रामीण भारत को मजबूती देने के साथ ही विकसित भारत की नींव को और सुदृढ़ करेगी। इस योजना से फसली सीजन में कृषि कार्य के लिए मजदूरों की कमी नहीं होगी और ग्रामीणों को रोजगार भी मिलेगा। योजना पहले से अधिक पारदर्शी होगी।

वीबी-जी राम जी योजना

मनरेगा से किस तरह अलग

● सरकार की मानें तो नया कानून पुरानी योजना की ढांचागत कमजोरियों को दूर कर रोजगार, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करेगा। पहले मनरेगा के तहत हर ग्रामीण परिवार को 100 दिन काम की गारंटी थी। अब 125 दिन प्रति वर्ष तक रोजगार की गारंटी देने का प्रावधान किया गया है, जिससे ग्रामीण परिवारों को अधिक रोजगार और आय मिल सके। अब काम सिर्फ रोज़गार तक सीमित नहीं रहेगा। अब यह चार प्रमुख क्षेत्रों में काम करेगा जिसमें जल सुरक्षा कार्य, ग्रामीण आधारभूत संरचना, आजीविका से जुड़ी संरचनाएं, क्लाइमेट / आपदा-रोधी कार्य होंगे। नई योजना में केंद्र और राज्यों के बीच खर्च की साझेदारी होगी।

श्रमिकों की नहीं होगी कमी

● नई योजना में कृषि कार्यों के समय मजदूरों की कमी नहीं होगी क्योंकि राज्य फसलों की बुवाई और कटाई के समय कुल 60 दिनों की अवधि अधिसूचित कर सकते हैं जब सार्वजनिक कार्य नहीं कराए जाएंगे। इसका फायदा यह होगा कि फसल सीजन में सार्वजनिक कार्य बंद होने से मजदूरी की दर नियंत्रित रहेगी और खाद्य उत्पादन की लागत भी नहीं बढ़ेगी। मुख्य एवं आजीविका अवसंरचना से किसान अपनी उपज सुरक्षित रूप से भंडारित कर सकेंगे जिससे फसलों को नुकसान भी कम होगा और बाजार तक उनकी फसलें भी आसानी से पहुंच सकेंगी।

पारदर्शिता पर ध्यान

● नई योजना में केंद्र सरकार ने पारदर्शिता पर भी फोकस किया है। योजना में गड़बड़ी रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी (एआई) का भी उपयोग किया जाएगा। योजना की निगरानी के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर स्टीयरिंग कमेटियां होंगी। जीपीएस और मोबाइल से काम की निगरानी की जाएगी। हर हफ्ते काम और खर्च का सार्वजनिक रूप से खुलासा किया जाएगा। हर ग्राम पंचायत में वर्ष में दो बार ऑडिट होगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी सुदृढ़

● सरकार के मुताबिक नई योजना तात्कालिक रोजगार देने के साथ ही ग्रामीण भारत को लंबे समय तक समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने का काम करेगी। योजना में जल संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। जल संबंधी कार्यों को प्राथमिकता देने से सिंचाई सुविधाएं बेहतर होंगी। बहु-फसली खेती की संभावना भी बेहतर होगी। बाढ़ के पानी की निकासी, जल संचयन और मिट्टी के संरक्षण जैसे कार्य फसलों की रक्षा करने के साथ प्राकृतिक आपदाओं से भी फसलों की रक्षा करेंगे। कनेक्टिविटी और आधारभूत ढांचे की मजबूती से गांवों तक बाजार पहुंचेंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

ब्राउन विवि गोलीबारी का संदिग्ध मृत मिला

प्रोविडेंस। अमेरिका की ब्राउन यूनिवर्सिटी में पिछले सप्ताहांत में हुई भीषण गोलीबारी के संदिग्ध की तलाश गुरुवार को न्यू हैम्पशायर के एक भंडारण केंद्र में समाप्त हुई जहां अधिकारियों ने इस घटना के संदिग्ध को मृत पाया। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी पर मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के एक प्रोफेसर की हत्या का भी संदेह था। प्रोविडेंस के पुलिस प्रमुख कर्नल ऑस्कर पेरेज ने बताया कि ब्राउन यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र और पुर्तगाली नागरिक 48 वर्षीय क्लाउडियो नेवेस वैलेंते गुरुवार शाम को मृत पाया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि संदिग्ध ने खुद को गोली मारी थी।

पूर्व इराकी राष्ट्रपति बने शरणार्थी एजेंसी प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गुरुवार को इराक के पूर्व राष्ट्रपति बरहम सालेह को संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) का अगला प्रमुख नियुक्त करने को मंजूरी दे दी। वह 1970 के दशक के बाद पश्चिम एशिया से इस पद पर नियुक्त होने वाले पहले व्यक्ति होंगे। संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने कुर्द नेता सालेह (65) को सर्वसम्मति से इस पद के लिए चुना। सालेह, फिलिपो ग्रांदी का स्थान लेंगे जिनका दूसरा पांच वर्षीय कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। सालेह का कार्यकाल एक जनवरी से शुरू होगा।

यूक्रेन को 106 अरब डॉलर ऋण देगा ईयू

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ के नेताओं ने शुक्रवार को यूक्रेन को अगले दो वर्षों में उसकी सैन्य और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक बड़ा ब्याज-मुक्त ऋण देने पर सहमति जताई। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे बीच समझौता हो गया है। 2026-27 के लिए यूक्रेन को 106 अरब डॉलर की सहायता देने का निर्णय मंजूर कर लिया गया है। हमने प्रतिबद्धता जताई और उसे पूरा किया।

ताइवान में चाकू से हमला, तीन की हत्या

ताइपे। ताइवान की राजधानी में शुक्रवार शाम भीड़ में घुसकर चाकू और स्मोक ग्रेनेड से एक व्यक्ति ने हमला कर दिया, जिससे तीन लोग मारे गए और नौ अन्य घायल हो गए। घटना के बाद एक इमारत से गिरकर संदिग्ध की भी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने इमारत की छठी मंजिल से छलांग लगाई थी, अस्पताल में उसे मृत घोषित कर दिया गया।

भारत के साथ रक्षा साझेदारी को और मजबूत बनाएगा अमेरिका

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सहयोग बढ़ाने से जुड़े रक्षा नीति विधेयक पर किए हस्ताक्षर

● विधेयक में चीन की चुनौतियों से भी निपटने का किया उल्लेख

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वार्षिक रक्षा नीति विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें भारत के साथ अमेरिका की साझेदारी को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया है। विधेयक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने और चीन से उत्पन्न चुनौती से निपटने के लिए चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के माध्यम से सहयोग बढ़ाने का भी उल्लेख किया गया है। गुरुवार को हस्ताक्षरित नेशनल डिफेंस ऑथोराइजेशन एक्ट फॉर फिस्कल ईयर 2026 में युद्ध मंत्रालय, ऊर्जा मंत्रालय के राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यक्रमों, विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय, खुफिया एजेंसियों और अन्य कार्यकारी विभागों व एजेंसियों के लिए वित्तीय वर्ष की धनराशि आवंटित करने का निर्देश दिया गया है।

ट्रंप ने एक बयान में कहा कि यह अधिनियम ताकत के माध्यम से शांति कायम करने के मेरे एजेंडे को लागू करने, घरेलू और विदेशी खतरों से मातृभूमि की रक्षा करने, और रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत बनाने के लिए युद्ध मंत्रालय को सक्षम बनाएगा। इससे उन फिजूल और कठोर कार्यक्रमों के लिए धन मुहैया कराने पर लगाम लगेगी जिनसे हमारे देश के सैन्य कर्मियों की युद्ध लड़ने की भावना कमजोर होती है। इस अधिनियम में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों को लेकर संसद के दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया है। इसके तहत, रक्षा मंत्री को ऐसे प्रयास जारी रखने चाहिए, जिनसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के रक्षा गठबंधन और साझेदारियां मजबूत हों ताकि चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका को तुलनात्मक बढ़ मिल सके। विधेयक में क्वाड के माध्यम से मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साझा उद्देश्य को बढ़ावा देना, द्विपक्षीय व बहुपक्षीय संवादों, सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, विस्तारित रक्षा व्यापार, मानवीय सहायता एवं आपदा प्रतिक्रिया को लेकर सहयोग; समुद्री सुरक्षा को लेकर अधिक सहयोग प्रदान करके भारत-अमेरिका साझेदारी को बढ़ावा देना शामिल है।

व्हाइट हाउस के ओवल आफिस में मारिजुआना को कम खतरनाक दवा के रूप में पुनः वर्गीकृत करने वाले कार्यकारी आदेश को दिखाते राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप।

मारिजुआना को कम खतरनाक श्रेणी में रखा

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मारिजुआना (गांजा) को कम खतरनाक श्रेणी में रखने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिका में मादक पदार्थों और अन्य रासायनिक पदार्थों का पांच-स्तरीय वर्गीकरण किया गया है। इससे पहले मारिजुआना को पहली श्रेणी में रखा गया था, जहां इसे हेरोइन और एलएसडी जैसे मादक पदार्थों के साथ रखा गया था। अब नए आदेश के साथ इसे तीसरी श्रेणी में रखा जाएगा।

ट्रंप ने ग्रीन कार्ड लॉटरी कार्यक्रम को स्थगित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीन कार्ड लॉटरी कार्यक्रम को गुरुवार को स्थगित कर दिया। ब्राउन विश्वविद्यालय और एमआईटी में गोलीबारी की घटना का प्रमुख संदिग्ध इसी ग्रीन कार्ड लॉटरी कार्यक्रम का लाभ उठाकर अमेरिका में दाखिल हुआ था। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रंप के निर्देश पर, वह अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा को इस कार्यक्रम को रोकने का आदेश दे रही हैं। क्रिस्टी नोएम ने गोलीबारी की घटना के मुख्य संदिग्ध पुर्तगाली नागरिक क्लाउडियो नेवेस वैलेंते के बारे में कहा कि इस घृणित व्यक्ति को हमारे देश में कभी भी प्रवेश नहीं दिया जाना चाहिए था। नेवेस वैलेंते (48) पर ब्राउन विश्वविद्यालय में हुई गोलीबारी में शामिल होने का संदेह है। इस घटना में दो छात्रों की मौत हो गयी थी और नौ अन्य लोग घायल हुए थे। इसके अलावा गोलीबारी की एक अन्य घटना में एमआईटी के एक प्रोफेसर की मौत हो गई थी।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार ने की हिंसा की निंदा, लोगों से शांति बनाने की अपील

● सरकार ने कहा-हम अराजकता और अशांति को नकारते हैं

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को अपने नागरिकों से कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा की गई हिंसा से दूर रहने का आह्वान किया है। इससे पहले हाल में यहां नकाबपोश बंदूकधारियों द्वारा गोली मारे जाने के छह दिन बाद एक प्रमुख युवा नेता की मौत हो गई थी। जुलाई में सरकार के विरूद्ध हुई हिंसक प्रदर्शनों में यह एक प्रमुख नेता था।

मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने एक बयान में एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर कर दी गई हत्या की भी कड़ी निंदा की। उसने कहा कि नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। उसने कहा कि इस जघन्य अपराध के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। बांग्ला ट्रिब्यून समाचार पोर्टल ने खबर दी है कि मेमनसिंह शहर में गुरुवार को कथित ईशनिंदा के आरोप में दीपूचंद्र दास नामक एक हिंदू की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई और उसके शव को आग लगा दी गई।

मुख्य सलाहकार की प्रेस शाखा द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि हम हिंसा, धमकी, आगजनी और संपत्ति को नष्ट करने के सभी कृत्यों की कड़ी और स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। बयान में कहा गया है कि इस नाजुक घड़ी में, हम हर नागरिक से हिंसा, उकसावे और नफरत को अस्वीकार करके और उनका विरोध करके हादी (जुलाई के विद्रोह का एक प्रमुख नेता) का सम्मान करने का आह्वान करते हैं।

गुरुवार रात प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के संस्थापक पिता शेख मुजीबुर रहमान के आवास, 32 धानमंडी की पहले से ही ध्वस्त इमारत में तोड़फोड़ की और ढाका में दो प्रमुख मीडिया संस्थानों के कार्यालयों पर हमला किया। प्रदर्शनकारियों ने चट्टगांव में सहायक भारतीय उच्चायुक्त के आवास पर ईंट और पत्थर भी फेंके। पुलिस ने आंसू गैस छोड़कर और लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा एवं 12 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। बयान में कहा गया कि यह हमारे राष्ट्र के इतिहास का एक महत्वपूर्ण क्षण है जब हम एक ऐतिहासिक लोकतांत्रिक परिवर्तन से गुजर रहे हैं। हम कुछ लोगों को इसे पटरी से उतारने नहीं दे सकते।

ढाका में हिंसा के दौरान एक अखबार के कार्यालय परिसर के पास एक दुकान को आग लगाए जाने के बाद दुकान से किताबें बचाती एक बालिका।

दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा बढ़ी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद पड़ोसी मुल्क में हुए हिंसक प्रदर्शनों के मद्देनजर नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस द्वारा टेलीविजन पर प्रसारित संबोधन में हादी की मौत की पुष्टि किए जाने के बाद वहां तनाव फैल गया। इसके बाद गुरुवार रात को वहां प्रदर्शन किए गए और इस दौरान हमले और तोड़फोड़ की गई।

जुबिन की मौत : आपराधिक साजिश के संकेत नहीं मिले

सिंगापुर, एजेंसी

● सिंगापुर पुलिस ने कहा-मामले की अभी चल रही जांच

सिंगापुर पुलिस ने कहा कि मशहूर गायक जुबिन गर्ग की मौत के मामले की जांच जारी है लेकिन अब तक किसी आपराधिक साजिश के संकेत नहीं मिले हैं। गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय रहस्यमयी परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यह मामला सिंगापुर कोरोनर्स अधिनियम, 2010 के तहत सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) की जांच के अधीन है। पुलिस के बयान में कहा गया है कि अब तक की जांच में एसपीएफ को जुबिन गर्ग की मौत में किसी प्रकार की आपराधिक साजिश का संदेह नहीं है। जांच पूरी होने के बाद इसके निष्कर्ष सिंगापुर के स्टेट कोरोनर (सरकारी शवपरीक्षक अधिकारी) को सौंपे जाएंगे, जो कोरोनर इन्क्वायरी करेगा। यह जांच फिलहाल जनवरी और फरवरी 2026 में निर्धारित है। एसपीएफ ने बताया कि सीआई एक तथ्य-खोज प्रक्रिया होती है, जिसका नेतृत्व कोरोनर करता है।

फार्मा कंपनी का मालिक तस्करी में जम्मू से गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू कश्मीर पुलिस के मादक पदार्थ रोधी कार्य बल ने केंद्र शासित प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी में कथित संलिप्तता के आरोप में दिल्ली स्थित एक दवा कंपनी के मालिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मादक पदार्थ रोधी कार्य बल (एएनटीएफ) ने दक्षिणी दिल्ली निवासी और एक फार्मा कंपनी के मालिक जतीश बब्बर को पकड़ा। वह कई मादक पदार्थों और मनःप्रभावी पदार्थों से जुड़े मामलों में संलिप्त है। आरोपी कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर है।

बंदरगाह सुरक्षा ब्यूरो स्थापित करेगी केंद्र सरकार

● जहाजों, बंदरगाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा यह निकाय

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार बंदरगाहों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने लिए एक वैधानिक निकाय के तौर पर बंदरगाह सुरक्षा ब्यूरो का गठन करेगी। यह निकाय बंदरगाहों और जहाजों से जुड़ी सुरक्षा संबंधी सूचनाओं का समय पर विश्लेषण, संग्रहण और आपसी आदान-प्रदान सुनिश्चित करेगा।

अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि ब्यूरो साइबर सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बंदरगाहों और जहाजों की सुरक्षा के लिए एक समर्पित निकाय के गठन के संबंध में बैठक बुलाई, जिसमें बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू भी उपस्थित हुए। शाह ने देश में एक मजबूत बंदरगाह सुरक्षा ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया।

बंदरगाहों और जहाजों की सुरक्षा संबंधी बैठक करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह।

साइबर सुरक्षा पर रहेगा खास ध्यान

यह साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगा। एक समर्पित विभाग भी होगा जो डिजिटल खतरों से बंदरगाह आईटी अवसंरचना की सुरक्षा करेगा। सरकार ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल को एक मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन नियुक्त किया है, जो बंदरगाह सुविधाओं के लिए सुरक्षा आकलन एवं सुरक्षा योजनाओं की तैयारी का जिम्मा संभालेगा। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) निजी सुरक्षा एजेंसियों (पीएसओ) को बंदरगाह सुरक्षा में प्रशिक्षण देगा। एजेंसियों को प्रमाणित किया जाएगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 दिसंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या 07 .12 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

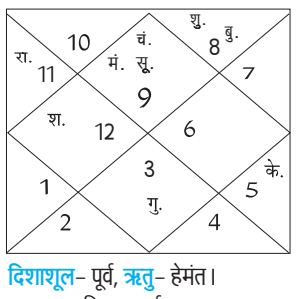

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मूल 21 दिसंबर 01 .21 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष - आज घर का वातावरण बहुत ही शांतिपूर्ण रहेगा। आपकी दिनचर्या अत्यंत संतुलित रहेगी। नए लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें साधने का प्रयास करेंगे। विद्यार्थी अध्ययन के प्रति एकाग्र रहेंगे। पैतृक व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलेगी।

वृष - आज कानूनी मामलों में उलझ सकते हैं। बच्चों की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है। आपके काम थोड़े मंद गति से होंगे। शरीर में आलस्य और सुस्ती हो सकती है। परिजनों का पर्याप्त सहयोग नहीं मिलेगा।

मिथुन - आज लोग आपकी सोच और कार्यप्रणाली से काफी सहमत रहेंगे। मन में विचारों की अधिकता रहेगी। दूसरों को लेकर अधिक उम्मीद रखना उचित नहीं है। रिश्तेदारों के माध्यम से कोई अच्छी खबर मिल सकती है। आपका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा।

कर्क - आज कारोबार के विस्तार की योजना बना सकते हैं। समय का सार्थक उपयोग कर पाएंगे। रचनात्मक कार्यों में आपकी विशेष रुचि रहेगी। विपरीत लिंगी जातकों के प्रति आपका व्यवहार काफी अच्छा रहेगा। घर के लिए नई वस्तुएं खरीद सकते हैं।

सिंह - आज खर्चों पर नियंत्रण करने का प्रयास करेंगे। प्रेमी जन के साथ घनिष्ठता का आनंद लेंगे। मन में प्रतिस्पर्धा की भावना रहेगी। सही रणनीति के साथ कार्य करने से आपको लाभ मिलेगा। दूसरों के भरोसे बैठकर काम न करें।

कन्या - आज हल्की-फुल्की बीमारियां आपको परेशान कर सकती हैं। धन संबंधित मामलों को लेकर थोड़े परेशान हो सकते हैं। संपत्ति के मामले अटक सकते हैं। अपनी बातों को लेकर अड़ियल रवैया अपनाने से बचना चाहिए।

तुला - आज अधिकारी आपका उत्साहवर्धन कर सकते हैं। विदेश में व्यापार कर रहे लोगों को लाभ मिलेगा। प्रबल इच्छाशक्ति से नए कार्यों का आरंभ कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। नए क्लाइंट्स के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक - आज फाइनेंस से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से शुभ है। नजदीकी संबंधियों के सहयोग से अभिभूत होंगे। खाली समय में पसंदीदा संगीत का आनंद उठा सकते हैं। वरिष्ठ पदों पर बैठे लोग भी आपसे सलाह लेने को उत्सुक रहेंगे।

धनु - आज उच्च पदों पर आसीन लोगों के लिए दिन राहत भरा रहने वाला है। पूर्व में किए गए वादों पर खरे उतरेंगे। घरेलू खर्चों में कमी आएगी। परिवार में आपसी सहयोग और सौहार्द का वातावरण रहेगा। फैशन और फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों को प्रसिद्धि मिल सकती है।

मकर - आज उच्च अधिकारी आपके स्थानांतरण को लेकर विचार कर सकते हैं। मन में वैचारिक उथल-पुथल चलती रहेगी। पारस्परिक संबंधों को दूसरों के कारण प्रभावित न होने दें। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ - आज आपके मनोबल में वृद्धि होगी। अविवाहित लोगों को विवाह के उत्तम प्रस्ताव मिल सकते हैं। व्यापार में आप विस्तार करने का विचार बना सकते हैं। बड़े भाई-बहनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे।

मीन - आज भावनात्मक संबंध काफी गहरे होंगे। छोटी कारोबारी यात्रा होने के योग बन रहे हैं। व्यावसायिक रिश्ते काफी मजबूत हो सकते हैं। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहेगा। घर का वातावरण बहुत ही अच्छा रहने वाला है।

सुडोकू-7

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2				1		7	
		7			6			3
6				3		4	1	
1			2		8		9	
5		9				8		2
	7		4		3			6
	8	6		7				1
4			8			5		
	9		1				2	

सुडोकू - 6 का हल

4	3	5	8	1	2	9	7	6
7	9	8	6	5	3	1	2	4
6	1	2	7	9	4	8	5	3
2	7	9	4	6	1	5	3	8
8	5	6	3	7	9	4	1	2
1	4	3	2	8	5	6	9	7
3	2	1	9	4	8	7	6	5
9	8	7	5	3	6	2	4	1
5	6	4	1	2	7	3	8	9

टी-20 विश्व कप की तैयारी में मेरा पूरा ध्यान अपनी गेंदबाजी की लेंथ पर भरोसा करने, आत्मविश्वास बनाए रखने और आसान दिखने वाले मैचों में भी खुद को मानसिक रूप से चुनौती देने पर केंद्रित है।
-वरुण चक्रवर्ती

स्टेडियम

लखनऊ, शनिवार ,20 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गांगुली ने किया मानहानि का मुकदमा

कोलकाता : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने लियोनेल

मेसी विवाद में उनका नाम 'झूठे' तरीके से घसीटने और अपने बारे में अपमानजनक सार्वजनिक बयान देने के आरोप में कोलकाता स्थित एक फुटबॉल प्रशंसक क्लब के अधिकारी पर 50 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। क्रिकेटर से खेल प्रशासक बने गांगुली ने बृहस्पतिवार को 'अर्जेंटीना फुटबॉल फैन क्लब' के उत्तम साहा के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी।

श्रीलंका ने शनाका को सौंपी कप्तानी

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत के साथ सह मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप की प्रारंभिक टीम में चरित असलंका को कप्तानी से हटाते हुए दासुन शनाका को कप्तान बनाया है। चयन समिति के प्रमुख के रूप में लौटे प्रमोदया विक्रमसिंघा ने कहा कि पिछले तीन विश्व कप खेलने का शनाका का अनुभव और बल्लेबाजी में असलंका का खराब फॉर्म इस फैसले का आधार था। इस्लामाबाद में आत्मघाती बम विस्फोट में नौ लोगों के मारे जाने के बाद असलंका पिछले महीने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान के सीमित ओवरों के दौरे पर भी नहीं गए थे।

विजय हजारे के शुरुआती मैच से बाहर रहेंगे रोहित

मुंबई। भारतीय खिलाड़ी रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और सूर्यकुमार यादव विजय हजारे ट्रॉफी के कम से कम पहले दो मैच में नहीं खेलेंगे क्योंकि चयनकर्ता मुंबई की टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका देना चाहते हैं। अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे भी शुरुआती मुकाबलों में नहीं खेलेंगे। मुंबई के मुख्य चयनकर्ता संजय पाटिल ने पीटीआई को बताया, रोहित, जायसवाल, दुबे और यहां तक कि रहाणे भी कम से कम पहले दो मुकाबलों के लिए मुंबई टीम का हिस्सा नहीं होंगे।

ऋषभ पंत करेंगे दिल्ली की कप्तानी

नई दिल्ली। दिल्ली ने विजय हजारे ट्रॉफी के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को कप्तान बनाया है। दिल्ली की टीम में विराट कोहली को भी शामिल किया गया है। डीडीसीए के मुताबिक इशांत शर्मा और नवदीप सैनी भी टूर्नामेंट के लिए उपलब्ध होंगे। इसके अलावा हर्षित राणा भी जैसे ही उपलब्ध होंगे उन्हें टीम में शामिल किया जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 24 दिसंबर से होगी और दिल्ली को ग्रुप डी में हरियाणा, गुजरात, रेलवे, आंध्र, सौराष्ट्र, ओडिशा और सर्विसेज के साथ रखा गया है।

चोटरानी व सूरज स्क्वाश में जीते

मुंबई। वीर चोटरानी और सूरज चंद ने सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्क्वाश टूर्नामेंट में शुक्रवार को अपने अपने मुकाबले जीत लिये। चोटरानी ने रौनक यादव को 11-7, 11-2, 11-5 से हराया जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त सूरज चंद ने रिदान शाह पर 11-9, 11-9, 11-8 से जीत दर्ज की।

टी-20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा आज

मुंबई, एजेंसी

कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनके उप-कप्तान शुभमन गिल का खराब फॉर्म चिंता का विषय है लेकिन राष्ट्रीय चयन समिति द्वारा अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को 15 सदस्यीय टीम का चयन करते समय कोई चौंकाने वाला बदलाव किए जाने की संभावना लगभग नहीं है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सात फरवरी को टी20 विश्व कप शुरू होने तक चुने हुए 15 खिलाड़ियों में से किसी को भी बदलने की छूट होगी। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दुबई की धीमी पिचों को ध्यान में रखते हुए वरुण चक्रवर्ती को यशस्वी जायसवाल की जगह टीम में शामिल किया गया था। बीसीसीआई में हालांकि कोई भी इस बात को स्पष्ट रूप से नहीं कह रहा है, लेकिन भारत में होने वाला यह वैश्विक टूर्नामेंट सूर्यकुमार के लिए राष्ट्रीय टी20 कप्तान के रूप में आखिरी हो सकता है। वह 35 वर्ष के हो चुके हैं और पिछले एक साल से खराब लय में हैं।

सूर्यकुमार कप्तान होने के कारण ही लगभग 14 महीनों और 24 मैचों में खराब प्रदर्शन के बावजूद टीम में बने हुए हैं। चयन समिति न्यूजीलैंड के लिए टी20 टीम का भी करेगी और यह टीम विश्व कप के लिए चुनी जाने वाली टीम के समान ही होगी। मौजूदा भारतीय टी20 टीम में किसी भी स्थान के लिए कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है लेकिन जायसवाल जैसा शानदार विकल्प होने के बावजूद टीम में गिल की मौजूदगी पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या चयनकर्ता जायसवाल को न्यूजीलैंड श्रृंखला के लिए अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में शामिल करते हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका मूल्यांकन किया जा सके। टीम में रिजर्व सलामी बल्लेबाज के तौर पर फिलहाल संजू सैमसन है। सैमसन को शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम प्रबंधन से गिल की वापसी के बाद उन्हें इस भूमिका से हटा दिया।

टी20 विश्व कप अगर छह महीने दूर होता तो चयन समिति के पास कप्तानी के लिए वैकल्पिक नामों पर विचार करने की गुंजाइश होती। लेकिन सात फरवरी को मुंबई में अमेरिका के खिलाफ होने वाले विश्व कप के शुरुआती मुकाबले से पहले केवल पांच मैच बचे हैं, ऐसे में कोई भी चयन समिति इस निरंतरता को तोड़ना नहीं चाहेगी।

इस बात की काफी संभावना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम न्यूजीलैंड और उसके बाद टी20 विश्व कप में भी खेलेगी, लेकिन जायसवाल का नाम लगभग निश्चित रूप से सामने आएगा क्योंकि उन्होंने गिल और सैमसन दोनों की तुलना में खुद को एक बहुमुखी टी20 खिलाड़ी साबित किया है। सैमसन के लिए विकेटकीपिंग में भी अब दूसरे विकल्प (जितेश शर्मा पहले पसंद के विकेटकीपर और फिनिशर हैं) होने और गिल को उप-कप्तान बनाए जाने के कारण जायसवाल के लिए 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाना मुश्किल है। जायसवाल किसी अन्य विशिष्ट भूमिका में फिट नहीं बैठते।

कागजों पर इस 15 सदस्यीय टीम में एकमात्र कमजोर कड़ी वाशिंगटन सुंदर दिख रहे हैं, जिन्होंने 57 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अभी तक कोई शानदार प्रदर्शन नहीं किया है। वह हालांकि इस प्रारूप में मुख्य रूप से गेंदबाजी ऑलराउंडर की तरह हैं।

- किसी अप्रत्याशित चयन की संभावना नहीं

संभावित टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर। संभावित स्टैंड बाई : यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, शाहबाज अहमद/नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा।

हार्दिक पंड्या के तूफान में उड़ा दक्षिण अफ्रीका

पांचवें व अंतिम मैच में मेहमान टीम को 30 रनों से हराकर भारत ने सीरीज पर 3-1 से कब्जा किया

अहमदाबाद, एजेंसी

तिलक वर्मा (73) और हार्दिक पंड्या (63) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद वरुण चक्रवर्ती (चार विकेट) जसप्रीत बुमराह (दो विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत ने शुक्रवार को पांचवें एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 30 रनों से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने पांच मैचों की सरीजी 3-1 से अपने नाम कर ली। 232 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका आठ विकेट पर 201 रन ही बना सकी।

भारत के लिये जसप्रीत बुमराह ने चार ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लिए। डिकॉक ने अर्शदीप सिंह को दो ओवर में छह चौके और एक छक्का लगाकर पावरप्ले में जबर्दस्त शुरूआत की। उन्हें हालांकि दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिल सका और रीजा हेंडरिक्स 13 रन बनाकर आउट हो गए। वरुण की गेंद पर मिडविकेट में शिवम दुबे ने एक हाथ से उनका शानदार कैच लपका। डेवाल्ड ब्रेविस (31) के साथ डिकॉक ने दूसरे विकेट के लिये 23 गेंद में 51 रन जोड़े। बुमराह ने ऐसे में डिकॉक का एक हाथ से रिटर्न कैच लेकर भारत को मैच में लौटाया। इसके बाद उन्होंने ब्रेविस को भी आउट किया। वरुण ने चार ओवर में 53 रन देकर चार विकेट लिए। उन्हें पैडल स्वीप खेलने के प्रयास में एडेन मार्क्रम पगबाधा आउट हो गए। इसके बाद उन्होंने डोनोवान फेरेरा को भी रवाना किया। डेविड मिलर को 15वें ओवर में अर्शदीप ने आउट करके दक्षिण अफ्रीका की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इससे पहले भारतीय पारी का आकर्षण पंड्या रहे जिन्होंने 16 गेंद में अर्धशतक बनाया। यह युवराज सिंह के 12 गेंद में बनाये गए अर्धशतक के बाद किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज पचासा है। युवराज ने 2007 में किंग्समीड में इंग्लैंड के खिलाफ यह कारनामा किया था जब उन्होंने छह गेंद में छह छक्के लगाए थे।

पंड्या ने 25 गेंद में पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 63 रन बनाए। उन्होंने चौथे विकेट के लिये तिलक के साथ 44 गेंद में 105 रन की साझेदारी की। तिलक ने 42 गेंद में दस चौकों और एक छक्के के साथ 73 रन जोड़े।

आईपीएल में अपने घरेलू मैदान पर दर्शकों की तालियों के बीच उतरे पंड्या ने जबर्दस्त पारी खेली जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव (पांच) एक बार फिर नाकाम रहे। पंड्या की तूफानी पारी के बीच तिलक ने एक छोर संभाले रखा और स्ट्राइक रोटेट करते रहे। इससे पहले अभिषेक शर्मा (34) और संजू सैमसन (37) ने छठे ओवर में ही भारत को 63 रन तक पहुंचा दिया था। उपकप्तान शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण खेल रहे सैमसन ने मौके का पूरा फायदा उठाया और अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप की टीम के चयन के लिये शनिवार को बैठक करने वाली समिति के सामने अपना दावा पुख्ता किया।

सैमसन को जॉर्ज लिंडे ने लेग स्टम्प पर पड़ती गेंद पर आउट किया। सैमसन ने मार्को यानसेन को छक्का जड़कर शुरूआत की और ओटनील बार्टमैन को भी दो शानदार स्ट्रोक्स लगाए। सैमसन को आउट होने से ठीक पहले जीवनदान भी मिला जब डोनोवान फरेरा उनका रिटर्न कैच लपकने से चूके और गेंद अंपायर रोहन पंडित को घुटने के पास लगी। इसके बाद पंड्या के एक छक्के से प्रसारण टीम का सदस्य घायल हो गया।

दक्षिण अफ्रीका के डोनोवान फेरेरा के विकेट का जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

16 गेंदों में पंड्या ने अपना सातवां अर्धशतक बनाया। यह युवराज सिंह के 12 गेंद में बनाए गए अर्धशतक के बाद किसी भारतीय बल्लेबाज का सबसे तेज पचासा है।

भारत

231/5 (20 ओवर)

संजू सैमसन बो लिंडे	37
अभिषेक शर्मा का डिकॉक बो बॉश	34
तिलक वर्मा रन आउट	73
सूर्यकुमार का मिलर बो बॉश	05
हार्दिक का हेंडरिक्स बो बार्टमैन	63
शिवम दुबे नाबाद	10
जितेश शर्मा नाबाद	00

गेंदबाजी : एंगिडि 4-0-29-0, यानसेन 4-0-50-0, बार्टमैन 3-0-39-1, बॉश 3-0-44-2, फेरेरा 2-0-20-0, लिंडे 4-0-46-1

दक्षिण अफ्रीका

201/8 (20 ओवर)

डिकॉक का और बो बुमराह	65
रीजा हेंडरिक्स का दुबे बो वरुण	13
डेवाल्ड ब्रेविस का सुंदर बो पंड्या	31
मिलर का सैमसन बो अर्शदीप	18
एडेन मार्क्रम पगबाधा बो वरुण	06
डोनोवान फेरेरा बो वरुण	00
जॉर्ज लिंडे बो वरुण	16
यान्सेन का सैमसन बो बुमराह	14
कोर्बिन बॉश नाबाद	17
लुंगी एंगिडि नाबाद	07

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-47-1, सुंदर 4-0-30-0, बुमराह 4-0-17-2, वरुण 4-0-53-4, पंड्या 3-0-41-1, अभिषेक 1-0-13-0

एडिलेड टेस्ट : ट्रैविस हेड ने जमाया लगातार चौथा टेस्ट शतक

एडिलेड, एजेंसी

ट्रैविस हेड ने घरेलू मैदान एडिलेड ओवल पर लगातार चौथे टेस्ट में शतक बनाने के बाद अपने हेलमेट और दस्ताने उतारे और फिर घुटनों के बल बैठ कर पिच को चूम लिया। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक चार विकेट पर 271 रन बनाकर कुल 356 रन की बढ़त के साथ मैच पर अपनी पकड़ काफी मजबूत कर ली है। हेड को 99 रन पर एक बड़ा जीवनदान मिला जब उन्होंने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर करारा प्रहार किया और गली में खड़े हैरी ब्रूक ने कैच टपका दिया। इससे पहले उन्होंने जो रूट की एक स्पिन गेंद को ऑन-साइड में खेला और एक रन लेने के लिए दौड़े, लेकिन उनके साथी बल्लेबाज एलेक्स कैरी ने उन्हें वापस भेज दिया। ऑस्ट्रेलिया के इस बेखौफ बल्लेबाज ने 99 रन पर रहते हुए उन्होंने आठ गेंदों का सामना करने के बाद जोखिम लेने का मन बनाया और जो रूट की गेंद पर क्रीज से बाहर निकल कर गेंदबाज के सिर से ऊपर से चौका लगाकर अपना 11वां टेस्ट शतक पूरा किया।

पर्थ में पारी का आगाज करने के लिए भेजे जाने के बाद से पांच पारियों में उनका दूसरा शतक था। पर्थ में उनकी मैच जिताने वाली पारी ने ऑस्ट्रेलिया को सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट से जीत दिलाई थी। तीसरे दिन का खेल खत्म होते समय हेड 142 रन बनाकर नाबाद थे। उन्होंने पांचवें विकेट के लिए दक्षिण ऑस्ट्रेलिया टीम के अपने साथी खिलाड़ी कैरी (52) के साथ 122 रन की अटूट साझेदारी कर ली है। ब्रूक ने इससे पहले जोश टोंग की गेंदबाजी पर मार्नस लाबुशेन (13) और कैमरून ग्रीन (सात) का स्लिप में शानदार कैच लपका था लेकिन हेड का कैच टपकाना टीम के लिए महंगा साबित हुआ।

ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले दिन की शुरुआती सत्र में इंग्लैंड को 286 रनों पर आउट करने के बाद दूसरी पारी में शानदार बल्लेबाजी से मजबूत बढ़त बना ली। बेन स्टोक्स ने सुबह के सत्र में जोफ्रा आर्चर के साथ नौवें विकेट के लिए रिकॉर्ड 106 रनों की साझेदारी करके इंग्लैंड के एशेज अभियान में जान फूंकने की कोशिश की। इस साझेदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी की बढ़त 85 रन तक सिमट गयी। यह एडिलेड में इंग्लैंड के लिए नौवें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। मिचेल स्टार्क की गेंद पर 83 रन पर बोल्ड होने के बाद स्टोक्स निराशा में खुद को कोसते हुए मैदान से बाहर निकले। उन्होंने 198 गेंद की पारी में आठ चौके लगाए जबकि आर्चर ने 51 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया ने लंच से पहले ब्रायडन कार्स की गेंद पर जेक वेदरल्ड (एक) का विकेट गंवाया।

- ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे एशेज टेस्ट में बनाई 356 रनों की बढ़त

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

(ऑस्ट्रेलिया) (प्रथम पारी)	371/10
(इंग्लैंड) (प्रथम पारी)	286/10
(ऑस्ट्रेलिया) (दूसरी पारी जारी)	271/4

शतक बनाने के बाद पिच को चूमते ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड। एजेंसी

भारत-पाकिस्तान के बीच होगा अंडर 19 एशिया कप का फाइनल

दुबई, एजेंसी

- सेमीफाइनल में भारत ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया
- रविवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे से होगा फाइनल मुकाबला

उपकप्तान विहान मल्होत्रा और आरोन जॉर्ज की शानदार पारियों के दम पर भारत ने वर्षाबाधित सेमीफाइनल में श्रीलंका को आठ विकेट से हराकर अंडर 19 एशिया कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां 21 दिसंबर को उसका सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। बारिश के कारण मैच प्रति टीम 20 ओवर का कर दिया गया। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को 20 ओवर में आठ विकेट पर 138 रन पर रोक दिया।

जवाब में मल्होत्रा ने 45 गेंद में नाबाद 61 रन बनाए। हाल ही में आईपीएल मिनी नीलामी में आरसीबी द्वारा खरीदे गए मल्होत्रा ने शानदार स्ट्रोक्स लगाये। उनके साथ जॉर्ज ने 49 गेंद में 58 रन की नाबाद पारी खेली। भारत ने लक्ष्य 18 ओवर में हासिल कर लिया। मल्होत्रा और जॉर्ज के बीच 114 रन की अटूट साझेदारी के दम पर भारत आठवीं बार फाइनल में पहुंचा है। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को आठ विकेट से हराया। भारत और पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में 11 साल बाद फाइनल में खेलेंगे। आखिरी बार भारत अंडर 19 टीम ने पाकिस्तान को 2014 में एशिया कप फाइनल में हराया था जब भारतीय टीम में श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, संजू सैमसन और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी थे। भारत की सेमीफाइनल में शुरुआत खराब रही जब आयुष म्हात्रे (सात) और वैभव सूर्यवंशी (नौ) को तेज गेंदबाज रसित निम्सारा ने आउट किया। इसके बाद मल्होत्रा ने निम्सारा को छक्का लगाकर दबाव कम किया। उन्हें जॉर्ज के रूप में अच्छा जोड़ीदार मिला। इससे पहले गेंदबाजी चुनते हुए भारत ने शानदार प्रदर्शन करके पहले छह ओवर में श्रीलंका के तीन विकेट 28 रन पर निकाल दिए।

नागल और श्रीवल्ली चमके, ईगल्स फाइनल के करीब

बेंगलुरु। भारतीय स्टार सुमित नागल और श्रीवल्ली भामिदीपति के अहम योगदान से ईगल्स ने हॉक्स को हराकर वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली।

लीग मैच में 22-12 की जीत से ईगल्स के कुल 65 अंक हो गए और हॉक्स के लीग मैच के आखिरी सेट के बाद 53 अंक रहे। श्रीवल्ली के लिए दिन की एकमात्र निराशा मिश्रित युगल में मिली हार रही जिसमें उन्हें और गेल मोनफिल्स को युकी भांबरी और एलिना स्वितोलिना से 4-6 से पराजय मिली। हॉक्स को दिन में और कोई सफलता नहीं मिली क्योंकि श्रीवल्ली ने डब्ल्यूटीएल में अपनी पहली उपस्थिति को यादगार बना दिया। श्रीवल्ली ने महिला एकल में माया राजेश्वरन रेवती को 6-2 से आसानी से हराया।

बदला जीवन | झारखंड को पहली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी दिलाने वाले किशन की भावनाएं हो गईं गीता के अनुरूप

अब आध्यात्मिक ईशान की निगाहें भविष्य पर

कोलकाता, एजेंसी

ईशान किशन के हाव भाव में परिपक्वता साफ झलकती है क्योंकि झारखंड को पहली सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी दिलाने की खुशी और भारत की टी20 विश्व कप टीम चयन से एक दिन पहले उनके भविष्य को लेकर बनी अनिश्चितता दोनों पर उनकी प्रतिक्रिया एक समान ही है।

उनके पिता प्रणव पांडेय ने पीटीआई को बताया कि अब उनकी भावनाएं भगवद गीता के श्लोकों के अनुरूप हो गई हैं। किशन अब वर्तमान में जीते हैं और उनके लिए इस समय सबसे अहम है झारखंड की मुश्ताक ट्रॉफी में जीत।

किशन ने शुक्रवार को रांची हवाईअड्डे पर जोरदार स्वागत के बाद कहा बहुत अच्छा खेले, बहुत मजा आया। आगे भी बात होगी और ऐसे ही जीतते रहेंगे। किशन की कप्तानी में झारखंड ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में हरियाणा को 69 रन से हराया। बाएं हाथ के बल्लेबाज किशन टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, उन्होंने 10 पारियों में 57.44 के औसत और 197 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 517 रन बनाए। फाइनल में किशन ने 49 गेंद में 101 रन की विस्फोटक पारी खेली और यह टूर्नामेंट में उनका पांचवां शतक था। इसके साथ ही उन्होंने भारत के टी20 सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी की। वह अब बहुत शांत दिखते हैं और उनकी प्रतिक्रिया में दिखावा नहीं बल्कि सादगी थी। उन्होंने कहाजीत अच्छी थी, बहुत खुशी हुई और जब टूर्नामेंट शुरू होंगे तो उसमें भी जीतकर आएंगे। ईशान और झारखंड टीम का घर पर उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। पूर्व भारतीय बल्लेबाज और झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के सचिव सौरभ तिवारी के साथ टीम का हवाई अड्डे पर स्वागत हुआ।

झारखंड क्रिकेट टीम के कप्तान ईशान किशन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के साथ।

पिता ने दी गीता पढ़ने की सलाह

ईशान के पिता प्रणव पांडेय पेशे से व्यवसायी हैं और उन्होंने ही इशान को अपनी परेशानियों का हल निकालने के लिए गीता पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा मेरी मां ने मुझे गीता पढ़ने को कहा था। इसलिए मैंने इशान को गीता पढ़ने की सलाह दी। मेरी मां ने कहा था कि अगर तुम बहुत तनाव में हो तो अपने मन में सवाल रखकर गीता खोलिए। जो पन्ना खुले, उसे पढ़ो, वहीं सवाल का जवाब मिल जाएगा। मैंने इशान से भी यही करने को कहा। अब यह इशान की आदत बन चुकी है। उन्होंने कहा गीता हमेशा उसके साथ रहती है। वह उसे अपने किट बैग में रखता है। जरूरत महसूस होने पर पढ़ता है।